ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

www.rastriyanaveenmail.com ● डालटनगंज ● पौष शुक्ल पक्ष 14 ● विक्रम संवत 2079 ● गुरुवार, 05 जनवरी 2023 ● वर्ष-29 ● अंक-82 ● पृष्ठ-12 ● मूल्य ₹ 1.50

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू करेंगी अनन्या
पेज 10 पर

NEWS इन ब्रीफ

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने शाह की रैली स्थल का किया निरीक्षण

चाईबासा। आगामी सात जनवरी को चाईबासा के टाटा कॉलेज मैदान में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का कार्यक्रम प्रस्तावित है जिसको लेकर भाजपा द्वारा व्यापक तैयारी की जा रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश ने बुधवार को रैली स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों के मद्देनजर दिशा-निर्देश दिया। मौके पर प्रदेश प्रवक्ता सरोज सिंह, वरिष्ठ नेता जेबी तुबिद और चाईबासा जिला अध्यक्ष समेत अन्य नेता भी उपस्थित थे। श्री प्रकाश ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आगमन से चाईबासा का टाटा कॉलेज मैदान ऐतिहासिक पल का गवाह बननेवाला है।

जैन समाज 13 को करेगा शक्ति प्रदर्शन

अजमेर। राजस्थान में अजमेर का दिगंबर जैन समाज श्री सम्मेद शिखर जी मामले में 13 जनवरी को शक्ति प्रदर्शन करेगा। शक्ति प्रदर्शन के लिए जैन समाज के बैनर तले एक संघर्ष समिति का गठन भी किया गया है। अजमेर का जैन समाज झारखंड और केंद्र सरकार के खिलाफ सम्मेद शिखर जी को बचाने के लिए जल्द ही आगे रणनीति तय करेगा। इसके लिए 13 तारीख को स्थानीय नया बाजार चौपड़ पर एक आम सभा का आयोजन किया जाएगा। संघर्ष समिति का नेतृत्व कर रहे निवर्तमान कांग्रेस अध्यक्ष विजय जैन तथा उपमहापौर नीरज जैन ने कहा कि जैन समाज को केंद्र एवं झारखंड सरकार तुरंत राहत प्रदान करें, क्योंकि जैन समाज श्री सम्मेद शिखर जी के विषय में किसी की चीज नहीं मांग रहा बल्कि अपनी चीज को ही जो कि धार्मिक आस्था का केंद्र है, अपना बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहा है।

भारत में मिला ओमिक्रोन एक्सबीबी.1.5 का पहला केस

जयपुर। राजस्थान के जयपुर में कोरोना के ओमिक्रोन एक्सबीबी.1.5 का पहला केस मिला है। चिकित्सा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार संक्रमित व्यक्ति सीकर का रहनेवाला बताया जा रहा है और हाल ही में विदेश से लौटा था। बता दें कि युवक 19 दिसम्बर को अमेरिका से जयपुर आया था और 22 दिसम्बर को मरीज को तेज बुखार आया था जिसके बाद 23 दिसम्बर को कोरोना की रिपोर्ट पॉजिटिव आई थ। वहीं, इसके बाद सैंपल की जीनोम सीक्वेंसिंग कराई गई, जिसमें अमेरिकन वेरिएंट का पता चला। बता दें कि अमेरिका में इस नए वेरिएंट ने कोहराम मचा रखा है। इसकी वजह से ही अमेरिका में कोरोना केस में बढ़ोतरी देखी जा रही है।

पलामू में कड़ाके की ठंड व शीतलहर में भी खुला है आंगनबाड़ी केंद्र

● राज्य के सभी प्राथमिक विद्यालय आठ जनवरी तक बंद किये गये ● आंगनबाड़ी केंद्र के 90 हजार बच्चों को ठंड में नहीं मिला स्वेटर

अजय कुमार पांडेय

मेदिनीनगर। कड़ाके की ठंड एवं शीतलहर के मद्देनजर राज्य के सभी प्राथमिक विद्यालय वर्ग एक से पांच तक के बच्चों का स्कूल आठ जनवरी तक बंद कर दिया गया। किंतु पलामू जिले में 2595 आंगनबाड़ी केंद्रों में स्कूल पूर्व शिक्षा ग्रहण करने वाले तीन वर्ष से छह वर्ष के बच्चों का शिक्षण कार्य चल रहा है। मालूम हो कि आंगनबाड़ी केंद्रों में तीन वर्ष से छह वर्ष के छोटे बच्चे को स्कूल पूर्व शिक्षा दी जाती है। उसके बाद भी बच्चे विद्यालयों में दाखिला लेते हैं। ऐसे में सरकारी स्कूलों में छुट्टी हो गयी किंतु आंगनबाड़ी केंद्रों में स्कूल पूर्व शिक्षा कड़ाके की ठंड के वावजूद जारी है। आंगनबाड़ी केंद्रों में राज्य सरकार द्वारा गर्म वस्त्र(स्वेटर)के लिए राशि उपलब्ध कराने के वावजूद अभीतक स्वेटर की आपूर्ति नहीं हो पाई है। हालांकि जिले के 2595 आंगनबाड़ी केंद्रों के 90 हजार बच्चों के लिए स्वेटर क्रय किये जाने के लिए राज्य सरकार की ओर से तीन करोड़ 67 लाख 61200 रुपए वर्ष 2022 के नवम्बर में ही उपलब्ध करा दिया गया है। राशि उपलब्ध होने के बाद टेंडर के माध्यम से खूंटी के आपूर्तिकर्ता मेसर्स पवन कुमार गुप्ता को स्वेटर आपूर्ति का आदेश दिया गया है। 90 हजार बच्चों के लिए प्रति बच्चा दो स्वेटर की दर से एक लाख 80 हजार स्वेटर आपूर्ति करना है। हालांकि आपूर्तिकर्ता द्वारा स्वेटर टेंडर के नमूने के अनुरूप नहीं दिए जाने के कारण उपायुक्त ने स्वेटर आपूर्ति पर रोक लगा दिया है। आपूर्तिकर्ता को कालीसूची में डालने के चेतावनी के साथ नमूना के अनुरुप 15 दिनों के अंदर स्वेटर आपूर्ति का आदेश दिया गया है। सरकार के विभागीय अवर सचिव ने इस संबंध में पूछे जाने पर आंगनबाड़ी केंद्रों के बंद किये जाने के सम्बंध में कहा कि सरकार का नीतिगत निर्णय है इस सबंध में उच्च स्तर में निर्णय लिया जाता है।

फाइल फोटो

पलामू में ठंड लगने से तीन लोगों की मौत, हाई अलर्ट, कहर का दौर लगातार जारी

मेदिनीनगर। पलामू झारखंड में बढ़ती ठंड को लेकर हाई अलर्ट जारी किया गया है। पलामू में जनवरी के पहले सप्ताह में ठंड ने कहर बरपाना शुरू कर दिया है। पिछले 24 घंटे के अंदर पलामू के विभिन्न इलाकों में ठंड से तीन लोगों की जान चली गई। जिसमें पलामू के सतबरवा थाना क्षेत्र के मेला टांड़ के रहने वाले 80 वर्षीय महावीर मोची, रबदा पंचायत के ठेमी के रहने वाले बरतू भुइयां, और पोंची गांव के गउरा के रहने वाले अवधेश यादव शामिल हैं। बताया जा रहा है कि तीनों बुजुर्गों की ठंड से मौत हुई है। तीनों बेहद ही गरीब परिवार से हैं। जिन लोगों की मौत हुई है। उनके परिवार के कई सदस्य धनकटनी के लिए दूसरे राज्य गए हैं। तीनों मृतकों के शव का परिजनों ने अंतिम संस्कार कर दिया है। घटना के बाद स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने चिंता जताई है। जनप्रतिनिधियों ने पलामू के विभिन्न इलाकों में अलाव की व्यवस्था करने की मांग की है।

पलामू का तापमान पिछले चार दिनों से लगातार गिर रहा है। सोमवार की सुबह के बाद से पलामू में धूप नहीं निकली है। पलामू में मंगलवार को न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस, जबकि अधिकतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है। सोमवार को पलामू का तापमान न्यूनतम 11 डिग्री सेल्सियस जबकि अधिकतम 20 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। बढ़ती ठंड को देखते हुए राज्य सरकार के निर्देश मिलने के बाद पलामू जिला प्रशासन ने पांचवी तक के सभी स्कूलों को बंद करने का निर्देश जारी किया है। ठंड को देखते हुए जिला प्रशासन ने भी लोगों से अलर्ट जारी किया है।

अभी राहत के आसार नहीं

झारखंड में अभी और बढ़ेगी ठंड, पारा गिरेगा

अगले तीन से चार दिनों तक न्यूनतम तापमान में चार-पांच डिग्री सेल्सियस तक की हो सकती है गिरावट

नवीन मेल संवाददाता। रांची

राज्यवासियों को अभी ठंड से राहत नहीं मिलनेवाली है। सर्दी का सितम फिलहाल कम नहीं होगा और अगले तीन से चार दिनों तक न्यूनतम तापमान में चार-पांच डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट हो सकती है। बुधवार को गढ़वा, चतरा, पलामू, लातेहार और लोहरदगा में कोल्ड डे रहा।

मौसम विज्ञान केंद्र रांची ने बताया है कि अगले तीन से चार दिनों तक न्यूनतम तापमान में चार से पांच डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट हो सकती है। अभी कुहासा और बादल का मिलाजुला असर है। देश के उत्तरी हिस्से में चल रही बर्फीली हवाओं ने कनकनी बढ़ा दी है। मौसम खुलने के साथ ही आज से ठंड और सतायेगी। झारखंड में ठंड की बात करें तो पलामू में शीतलहर और कनकनी से लोग परेशान हैं। मौसम केंद्र रांची के पूर्वानुमान के मुताबिक, आनेवाले दो दिनों के दौरान भी यही स्थिति बनी रहेगी। अभी जो बादल छाए हुए हैं, उसके छंटते ही रांची में भी ठंड बढ़ेगी। मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि मकर संक्रांति के बाद ही कुछ राहत मिल सकती है।

दो दिवसीय दौरे पर साहिबगंज पहुंचे सीएम

पतना प्रखंड स्थित धर्मपुर मैदान में जनसभा को किया संबोधित

नवीन मेल संवाददाता। साहिबगंज

अपने दो दिवसीय दौरे पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बुधवार को साहिबगंज पहुंचे। उन्होंने पतना प्रखंड स्थित धर्मपुर मैदान में एक जनसभा को संबोधित किया। श्री सोरेन ने अपने संबोधन में जिलेवासियों को नववर्ष की शुभकामनाएं दीं और कहा कि साहिबगंज जिला और संथाल परगना प्रमंडल का यह क्षेत्र शुरू से ही झारखंड के अन्य क्षेत्रों से अलग एवं पिछड़ा रहा है। यहां के आदिवासी-मूलवासी विकास के क्रम में बहुत पीछे हैं। हमारी सरकार ने अपने कार्यकाल के तीन वर्ष पूरे किए हैं आनेवाले दो वर्षों में संथाल परगना का यह क्षेत्र और जिला झारखंड के विकास में अग्रणी होगा। इस मौके पर राजमहल सांसद विजय हांसदा सहित पार्टी के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और ग्रामीण उपस्थित थे। इससे पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का तलबड़िया फुटबॉल ग्राउंड में स्वागत हुआ। फुटबॉल मैदान स्थित हेलिपैड में साहेबगंज जिला प्रशासन द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। वहं से श्री सोरेन पार्टी कार्यक्रम के लिए पतना आवास रवाना हुए। साहेबगंज भ्रमण के क्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बरहेट में लोगों की समस्याओं से अवगत हुए और पदाधिकारियों को उसके निराकरण का निर्देश दिया। इस दौरान उपायुक्त रामनिवास यादव, एसपी अनुरंजन किस्पोट्टा, डीआईजी सुदर्शन मंडल, विधायक दिनेश मरांडी, झामुमो जिला अध्यक्ष शाहजहां अंसारी, केंद्रीय समिति सदस्य नजरुल इस्लाम, जीप अध्यक्ष मोनिका किस्कू, समेत अन्य ने स्वागत किया।

आठ माह बाद पूजा सिंघल जेल से रिहा

सुप्रीम कोर्ट से मिली है शर्तों पर अंतरिम जमानत

नवीन मेल संवाददाता। रांची

सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने के बाद मनी लांड्रिंग मामले में आरोपित निलंबित आईएस पूजा सिंघल को करीब आठ माह बाद शनिवार को बिरसा मुंडा केंद्रीय कारावास से रिहा कर दिया गया। कोर्ट का आदेश जेल पहुंचा और सारी प्रक्रिया पूरी करने के बाद पूजा सिंघल को जेल से रिहा कर दिया गया। उन्हें लेने उनके पति अभिषेक झा पहुंचे थे, जिसके साथ वह कार में बैठकर जेल से बाहर निकल गई। इस दौरान पूजा सिंघल के अधिवक्ता ने कहा कि वह सुप्रीम कोर्ट के आदेश अनुसार झारखंड छोड़ देंगी, लेकिन उन्हें कुछ समय दिया जाए।

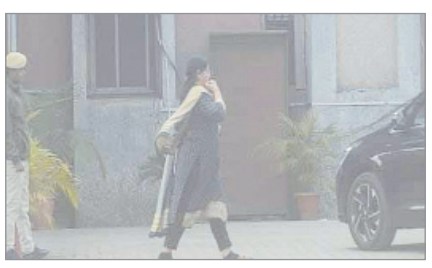

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने पूजा सिंघल को एक माह की अंतरिम जमानत दी है। अदालत ने यह शर्त लगाई है कि वह अपनी बेटी के इलाज के लिए उसके साथ रह सकती है। लेकिन वो रांची नहीं आएंगी जब तक की उनके मामले में कोर्ट में सुनवाई ना हो। सुप्रीम कोर्ट का आदेश ईडी कोर्ट में पेश किया गया। जहां से ईडी कोर्ट ने पूजा सिंघल को रिलीज करने का आदेश दिया।

तीन महिला नक्सली समेत आठ ने किया आत्मसमर्पण

नवीन मेल संवाददाता। रांची

भाकपा माओवादियों के एक करोड़ के इनामी माओवादी मिसिर बेसरा और पतिराम मांझी को बड़ा झटका लगा है। दोनों शीर्ष माओवादियों के मारक दस्ते के आठ सदस्यों ने पुलिस व सीआरपीएफ के समक्ष सरेंडर किया है। सरेंडर करनेवालों में पश्चिमी सिंहभूम का जयराम बोदरा, खरसांवा की सरिता उर्फ मुंगली सरदार, तमाड़ सोमवारी कुमारी उर्फ टोनी, गोईलकेरा का मारतम अंगरिया, टोन्टो का तुंगीर पूर्ति, पातर कोड़ा, कुसनू सिरका और संजू ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

तीन वर्षों में मुठभेड़ के दौरान 31 उग्रवादी ढेर, 56 ने डाला हथियार

झारखंड सरकार की आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर कई नक्सली आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में जुड़ रहे हैं। आईजी ऑपरेशन एवी होमकर ने कुछ आंकड़े साझा करते हुए बताया कि राज्य में नक्सल विरोधी अभियान में अबतक 1300 से अधिक नक्सली गिरफ्तार किए गए हैं जिनमें से 106 इनामी बड़े इनामी नक्सली भी शामिल रहे हैं। पिछले तीन वर्षों में मुठभेड़ के दौरान 31 उग्रवादी ढेर कर दिये गए जबकि 56 नक्सलियों ने हथियार डालते हुए पुलिस और सुरक्षाबलों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। आईजी ऑपरेशन ने बताया कि नक्सलियों का गढ़ समझे जानेवाले 40 से अधिक इलाकों को मुक्त कराकर उन्हें जन कल्याण केंद्र के रूप में स्थापित किया गया है।

अमित शाह छह को पहुंचेंगे रांची

- प्रदेश प्रभारी 7-10 जनवरी तक करेंगे झारखंड प्रवास

- भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेयी 7 जनवरी से चार दिवसीय सांगठनिक प्रवास पर

- लातेहार, पलामू, गढ़वा और चतरा की सांगठनिक बैठकों में होंगे शामिल

नवीन मेल संवाददाता। रांची

झारखंड भाजपा के मिशन 2024 को लेकर भाजपा रेस हो गई है। चाईबासा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दौरे को लेकर पार्टी की तैयारी पूरी हो गई है। अमित शाह छह जनवरी की शाम रांची पहुंच जाएंगे। यहां वह पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक करेंगे, रात्रि विश्राम के बाद सात जनवरी की सुबह 10 बजे वह चाईबासा के लिए रवाना होंगे। चाईबासा में कार्यक्रम में शरीक होने के बाद वह उसी दोपहर वापस रांची लौटकर दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे। चाईबासा में बैठक में पार्टी के सभी पदाधिकारियों, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्यों को शामिल होने का निर्देश दिया गया है।

शाह के जाने के बाद प्रदेश प्रभारी चार दिन करेंगे कैंप : अमित शाह के लौटने के बाद झारखंड प्रदेश प्रभारी व राज्यसभा में भाजपा के मुख्य सचेतक, पार्टी के प्रदेश प्रभारी सांसद डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेयी 7 जनवरी से झारखंड के चार जिलों में सांगठनिक ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

महात्वाकांक्षी ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को मंजूरी

आठ लाख करोड़ का सीधा निवेश होगा

छह लाख नई नौकरियां होंगी सृजित

एजेंसियां। नयी दिल्ली

भारत ग्रीन हाइड्रोजन का हब बने, इसको लेकर केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि साल 2021 में ग्लासको में पीएम ने भारत की ओर से महात्वाकांक्षी योजना की बात कही थी। 2021 में 15 अगस्त को ग्रीन हाइड्रोजन को लेकर घोषणा की थी। नए जॉब की बात भी कही थी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को मंजूरी दे दी है। भारत में लो कास्ट ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन पर इंसेटिव दिया जाएगा। देश में ग्रीन हाइड्रोजन को बढ़ावा देना का हरसंभव प्रयास किया जाएगा। सन 2047 तक ऊर्जा को लेकर आत्मनिर्भर बनने का लक्ष्य रखा गया है। देश में अलग-अलग सेक्टर में ग्रीन हाइड्रोजन का उपयोग बढ़ाने के लिए मिशन डायरेक्टर ऐसे व्यक्ति को लिया जाएगा जो इस सेक्टर में जानकारी रखता हो। ठाकुर के अनुसार, भारत ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन में ग्लोबल हब के रूप में उभर सकेगा। साल 2030 तक ग्रीन हाइड्रोजन मिशन में 8 लाख करोड़ डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट होगा। इससे छह लाख जॉब क्रिएट होंगे। केंद्रीय कैबिनेट ने हिमाचल प्रदेश में 382 मेगावाट के सुन्नी हाइड्रोजन इलेक्ट्रिक डैम को मंजूरी दी है। इसकी क्षमता 382 मेगावाट की है। यह पांच साल तीन महीने में पूरा होगा। इससे हिमाचल में हजारों की जॉब क्रिएट होंगे। इससे हिमाचल को 13 प्रतिशत बिजली मुफ्त में मिलेगी। ठाकुर ने बताया कि देश में प्रतिवर्ष 50 लाख टन ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन होगा। 60-100 गीगावाट की इलेक्ट्रोलाइजर क्षमता को तैयार किया जाएगा। इलेक्ट्रोलाइजर की मैन्युफैक्चरिंग और ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन पर 17,490 करोड़ प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। ग्रीन हाइड्रोजन के हब को विकसित करने के लिए 400 करोड़ का प्रावधान किया है। इससे 6 लाख नौकरियां मिलेंगी।

आतंकी हमले के इनपुट के बाद गृह मंत्रालय अलर्ट

पुंछ-राजौरी भेजे जा रहे 1800 सीआरपीएफ जवान

एजेंसी। नयी दिल्ली

जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले के इनपुट मिलने के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने यहां केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 18 कंपनियां भेजेने का फैसला लिया है। राजौरी और पुंछ में हुए आतंकी हमलों में आम नागरिकों को निशाना बनाए जाने के बाद यह फैसला लिया गया है। सीआरपीएफ की 18 कंपनियों में लगभग 1,800 कर्मियों को मुख्य रूप से पुंछ और राजौरी जिलों में तैनाती के लिए जम्मू भेजा जाएगा। इनपुट्स के मुताबिक, सीआरपीएफ की आठ कंपनियां जल्द ही जम्मू-कश्मीर में तैनाती के नजदीकी स्थानों से तैनात की जाएंगी, जबकि सीआरपीएफ की 10 कंपनियां दिल्ली से भेजी जा रही हैं। सूत्र ने कहा कि जम्मू क्षेत्र में आतंकी ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

NEWS इन ब्रीफ

सुखाड़ राहत के नाम पर किसानों की उम्मीदों पर फेरा पानी

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद व्यापार मंडल अध्यक्ष कृष्णा बैठा ने कहा है कि किसानों के लिए महत्वकांक्षी योजना सुखाड़ राहत योजना से किसानों को उम्मीद जगी थी। जिससे सुखाड़ से ग्रसित विपरीत परिस्थितियों में इस योजना का लाभ मिलेगा। लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। बड़ी उम्मीद के साथ सभी किसान दिन रात जागकर आवेदन किया था। मात्र पांच प्रतिशत किसान को ही पैसा खाता में आया है। बाकी अन्य लोगों का रिजेक्ट या पेंडिंग कर दिया गया है। जिसके कारण किसान काफी आहत हैं। सरकार सिर्फ सुखाड़ के नाम पर किसानों को ठगने का काम कर रही है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि सरकार अगर सभी आवेदन पर विचार करते हुए किसानों को पैसा नहीं देती है, तो बाध्य होकर सरकार के दोहरी नीति के खिलाफ किसानों के साथ विरोध प्रदर्शन करेंगे।

बढ़ती ठंड को देखते हुए 20 सूत्री सदस्य ने की अलाव की मांग

मेदिनीनगर। सदर प्रखंड के 20 सूत्री सदस्य प्रेम प्रकाश ठाकुर ने मेदिनीनगर शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जगह जगह एवं चौक चौराहों पर अलाव की व्यवस्था करने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि जगह- जगह पर अलाव की व्यवस्था करने से गरीब गुरुबों, बुजुर्गों को राहत मिलेगी। श्री ठाकुर ने कहा है कि ग्रामीण क्षेत्र हो या शहरी क्षेत्र, कहीं भी अलाव की व्यवस्था जिला प्रशासन के द्वारा नहीं की गई है। हम जिला प्रशासन के साथ-साथ समाजसेवी संगठनों से भी आग्रह करेंगे कि यथाशीघ्र जगह जगह पर अलाव की व्यवस्था की जाए। ताकि गरीब, लाचार, बेसहारा लोगों को राहत मिल सके। अभी फिलहाल कड़ाके की ठंड को देखते हुए अलाह की मांग लोग कर रहे हैं। इसके बाद भी जिला प्रशासन के द्वारा अलाव की व्यवस्था ग्रामीण क्षेत्रों में नहीं के बराबर की जा रही है।

क्षेत्र में अवैध महुआ शराब, धंधेबाजों को बख्शा नहीं जायेगा : एसडीपीओ

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। अनुमंडल थाना क्षेत्र में अवैध महुआ शराब बनाने वाले धंधेबाजों को किसी भी कीमत पर नहीं छोड़ा जायेगा। उक्त बातें हुसैनाबाद एसडीपीओ पूज्य प्रकाश ने प्रेस वार्ता में कहीं। उन्होंने कहा कि पलामू पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार सिन्हा के निर्देश पर पूरे पलामू के सभी थाना क्षेत्रों में अवैध महुआ शराब के खिलाफ अभियान चलाया गया था। इस कड़ी में हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के दरुआ, घोड़बंधा, इटबांध, कोदवारिया, हीरा सिकनी समेत कई ग्रामीण क्षेत्रों मे पुलिस ने

अभियान चलाकर 1500 क्विंटल जावा महुआ शराब को नष्ट किया । वहीं इस धंधे में संलिप्त लोग पुलिस को देखते फरार हो गये थे। एसडीपीओ ने कहा कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। पकड़े जाने पर उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जायेगी। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा की जिस थाना क्षेत्र में अवैध महुआ शराब बनाया जा रहा है, उसकी सूचना तत्काल संबंधित थाना क्षेत्र के थाना प्रभारी को दें।

पाटन पुलिस ने अवैध जावा महुआ शराब को किया ध्वस्त

पाटन। थाना अंतर्गत पुलिस प्रशासन द्वारा आजकल महुआ शराब भट्टी बनाने वालो पर पैनी नजर रख रही है। ज्ञात हो कि कुछ दिन पहले पाटन थाना प्रभारी गुलशन गौरव द्वारा क्षेत्र में गस्ती कर घर-घर सर्च अभियान चलाकर बसदह भुईयां टोला,कुन्दरी के भुईयां व मोची टोला,सेमरी,केल्हार,पाण्डेय पुरा व सहदेवा में सैकड़ो लिटर कच्ची शराब को नष्ट किया गया। वहीं बुधवार को किशुनपुर ओपी क्षेत्र में ओपी प्रभारी कुमार नीरज द्वारा सर्च अभियान चलाकर किशुनपुर के पूर्णा टोली मे दो क्विंटल महुआ शराब बनाते वक्त नष्ट किया गया।साथ ही शराब बनाने वाला भट्टी बर्तन को भी तहस नहस किया गया। मौके पर प्रभारी नीरज ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई है।अभी क्षेत्र में अभियान के तहत अवैध शराब बनाने वालो पर पुलिस लगाम लगाएगी।

सुसराल में ऋण की राशि की मायका से रिकवरी, जांच में जुटी पुलिस

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर। थाना क्षेत्र के भलूआनी से बुधवार को एक मामला संज्ञान में आया है। जिसमे क्षेत्र में संचालित एक निजी महिला स्वयं सहायता समूह के लोगो के द्वारा राशि रिकवरी के नाम पर उनकी दबंगई सामने आई है। पीड़िता जमुनी देवी के अनुसार अपनी छोटी बेटी व आठ महीने की पोती को छोड़ कर वह दैनिक मजदूरी करने घर से बहार गई हुई थी। तभी अचानक उनके घर के अंदर छः महिलाये व दो पुरुष की प्रवेश होती है। और अचानक तीखी नोक झोंक करते हुए पैसे की मांग की जाती है। जिसपर घर में मौजूद छोटी बेटी सरिता विरोध करती है कि किस बात के पैसे चाहिए नही है पैसे। जिसपर मौजूद

सभी लोगों द्वारा अभद्र व्यवहार करते हुए घर के एक कमरे में रखे बक्से से ताला तोड़कर उसमें रखे बीस हजार रुपए ले लिए जाते है। वहीं शाम को इसकी जानकारी सरिता अपनी मां जमुनी देवी को देती है। जिस पर मां चीख चीख कर रोने लगती है। आखिर मेरी गलती क्या है। जो इस तरह मेरे गैर हाजरी में घर के अंदर आकर मेरे मेहनत के पैसे को कोई और कैसे ले जा सकता है। जिसकी जानकारी महिला ने लिखित आवेदन के माध्यम से विश्रामपुर पुलिस को दी है। जिस पर पुलिस घर में घुसे सभी लोगो को थाने लाकर पूछ-ताछ कर रही है। वहीं दूसरे पक्ष के अनुसार, पीड़ित महिला जमुनी देवी पति मंतु भुइया की बड़ी बेटी व उसके पति अमरेश भुइयां जो की नवगढ ओपी अंतर्गत ब्रह्मोड़िया के मिशीडीह गांव का रहने वाला है। जिसने कुछ माह पूर्व समूह से ऋण पर पैसे लिए थे। जो की पिछले कुछ महीनों से किस्त नहीं जमा कर रहा था। समूह के अन्य लोगो ने जब उसके घर जाकर पता किया तो मालूम हुआ कि वह घर छोड़ कर कही बाहर भाग गया है। जिससे परेशान समूह के अन्य महिलाए व कर्मचारी उस महिला को ढूढते ढूंढते उसकी मायका भलुआनी आये थे।

थाना में स्वागत सह विदाई समारोह आयोजित

नवीन मेल संवादाता

पांकी। थाना परिसर मे नवपदस्थापित थाना प्रभारी रंजीत प्रसाद यादव का स्वागत एवं पूर्व मे पांकी थाना प्रभारी रहे अमित कुमार सोनी की विदाई समारोह आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता व संचालन समाजसेवी उपेंद्र गुप्ता ने की। मौके पर पंचायत प्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या मे स्थानीय लोग उपस्थित रहे। मौके पर पूर्व थाना प्रभारी अमित कुमार सोनी ने कहा सेवा काल मे ट्रांसफर, पोस्टिंग एक सतत प्रक्रिया है। पांकी मे 16 माह के पुलिसिंग के दौरान स्थानीय लोगों ने काफी सहयोग किया। पांकी से काफी प्यार और स्नेह मिला है। इसे

भुलाया नहीं जा सकता है। नवपदस्थापित थाना प्रभारी रंजीत प्रसाद यादव ने कहा कि थाना क्षेत्र मे आने वाले समस्याओं का निराकरण स्थानीय लोगों के विवेकानुसार व विधिसम्मत की जाएगी। जरूरतमंद लोग सीधे तौर पर अपनी बातें रखें। पैरवी की आवश्यक कभी नहीं होने दी जाएगी। मधुसूदन प्रसाद ने कहा स्वागत बड़ा ही शोभायमान शब्द होता है।परंतु विदाई शब्द हृहृदय विदारक होती है। सेवा काल मे ट्रांसफर पोस्टिंग निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। मौके पर, भाजपा महिला मोर्चा के प्रदेश प्रवक्ता लवली गुप्ता, प्रोफेसर बच्चन ठाकुर, संजय चंद्रवंशी, भाजपा नेता अजय प्रसाद गुप्ता, अनूप गुप्ता, शंकर प्रसाद गुप्ता, केश्वर यादव, निरंजन यादव, मुखिया प्रदुमन सिंह, श्याम नंदन ओझा, मौनटी कुमार, आनरिक राम, अशोक सिंह युवा समाज सेवी, संस्कार सोनी, सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

पुलिस ने सड़क सुरक्षा को लेकर कर लोगों को किया जागरूक

नवीन मेल संवाददाता

हरिहरगंज। सड़क सुरक्षा को लेकर लोगों को जागरूक करने के लिए हरिहरगंज थाना की पुलिस ने बुधवार को शहर में जागरूकता अभियान चलाया। इसमें यमराज के रूप में लोगों को बताया गया कि अगर सड़क सुरक्षा की पालन नहीं करेंगे तो वैसे लोगों को यमराज ले जायेंगे। यह अभियान एनएच 98 पर थाना से लेकर बाजार मोड़, कॉलेज मोड़ सहित कई स्थानों पर चलाया गया। इस अभियान में थाना प्रभारी सुदामा कुमार कुमार दास, एसआई प्रकाश कुमार, एएसआई विक्रम सिंह,

संजय कुमार सिंह सहित कई पुलिस बल शामिल थी। वहीं युवा समाजसेवी राजीव रंजन ने यमराज का रूप धरे एएसआई विक्रम सिंह को मेडल देकर सम्मानित किया। इस मौके पर राजीव रंजन ने कहा कि सड़क सुरक्षा को लेकर पुलिस का प्रयास सराहनीय है। मौके पर मनोज मेहता, शंभू यादव, विजय प्रजापति आदि मौजूद थे।

मध्य विद्यालय मुरमा में शैक्षणिक किट का वितरण

मेदिनीनगर। पंडवा प्रखंड अंतर्गत मध्य विद्यालय मुरमा के बच्चों के बीच पंचायत की मुखिया कमला देवी ने बुधवार को शैक्षणिक किट का वितरण किया। मौके पर मुखिया कमला देवी ने कहा कि सरकार विद्यालय में पढ रहे बच्चों को निःशुल्क कलम, पेंसिल, कटर, रबड़ आदि उपलब्ध करा रही हैं। सरकारी विद्यालय में पढ़ने वाले गरीब के बच्चे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सकें यही सरकार का लक्ष्य है। उन्होंने बच्चों को ध्यान लगाकर पढ़ाई करने की नसीहत दी। कहा कि पढ़ाई ही बेहतर जीवन बनाने का एक साधन है। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक अनिल कुमार सिन्हा, पंसस प्रतिनिधि सह भाजपा नेता निरंजन प्रसाद, समाजसेवी अशोक प्रसाद, शिक्षक मिथलेश दुबे, राजीव तिवारी, बिनय राम, छाया कुशवाहा, राजीव रंजन कुमार, सत्येंद्र बैठा उपस्थित थे।

विद्यालय की संकुल स्तरीय समीक्षा बैठक सम्पन्न

नवीन मेल संवाददाता

नावा बजार। भंडार पंचायत अंतर्गत मध्य विद्यालय में बुधवार को संकुल स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजन की गई। इस बैठक में मुख्य रूप से झारखंड शिक्षा परियोजना द्वारा निर्धारित कार्यक्रम को ससमय पूर्ण करने की बात कही गई । इस बैठक में सीआरसी भंडार के 16 विद्यालय के प्रभारी उपस्थित थे। वहीं विद्यालय की बात रखते हुए स्कूल प्रभारियों को दिशा निर्देश दिया गया। विद्यालय का रंग रोगन ठीक ढंग से समय समय पर पूर्ण कराना, वन टू क्लास के बच्चे को ड्रेस वितरण करना, विद्यालय में पढ़ रहे 1 से 8 क्लास छात्रों के बीच स्कूली किट का वितरण कराना, विभाग के द्वारा राशि रिलीज कर दी गई है। किसी भी तरह का लापरवाही नहीं बरतने की बात कही गई। लापरवाही बरतने पर विभागीय कार्रवाई करने की बात कहीं गयी। सभी कागजात समय पर पूर्ण करने का दिशा निर्देश भी दिया गया। इस बैठक में प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मनी पांडे, बीआरपी मनोज पाठक, बीआरपी अखिलेश दुबे ,जेई संजय कुमार बीआरसी, लेखापाल मनीष प्रसाद ,सीआरपी संजय कुमार दुबे उपस्थित थे।

सीओ के खिलाफ छतरपुर में भाकपा माले ने निकाला प्रतिरोध मार्च

नवीन मेल संवाददाता

छतरपुर। भारतीय कम्युनिष्ट पार्टी(मार्क्सवादी-लेलीनवादी) लिबरेशन के कार्यकताओं ने बुधवार को पलामू के छतरपुर सिटी में प्रतिरोध मार्च निकाला। इसके माध्यम से मंगलवार की देर शाम में माले कार्यकर्ताओं के साथ छतरपुर के अंचल पदाधिकारी मुदस्सर नजर मंसूरी के साथ हुई नोंक-झोंक की तीखी निंदा की गई। नेशनल हाइवे-139 के बारा मोड़ से सोनार मोहल्ला मोड़ तक प्रतिरोध मार्च निकालने के बाद माले कार्यकर्ता लौटकर सरईडीह मोड़ पहुंचे जहां नुक्कड़ सभा कर घटना का प्रतिरोध किया। साथ ही छतरपुर क अंचल अधिकारी के खिलाफ अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार प्रतिरोध कानून के तहत मुकदमा करने और माले कार्यकताओं पर किये गए मुकदमा को वापस लेने की मांग की गई। भाकपा माले कार्यकताओं ने नुक्कड़ सभा में कहा कि तीन जनवरी को छतरपुर अंचल के पुराने भवन परिसर में दीवार लेखन किया जा रहा था। भाकपा माले का पटना में तय राष्ट्रीय महाधिवेशन की तैयारी के तहत दीवार लेखन किया जा रहा था। इसी दौरान छतरपुर के अंचल पदाधिकारी ने दीवार लेखन कर रहे माले कार्यकताओं को गाली देते हुए मारपीट शुरू कर दी। सीओ की पिटाई से माले कार्यकर्ता लालमोहन प्रजापति घटना स्थल पर ही गिर पड़े। माले नेता रामराज पासवान ने बीच-बचाव की। परंतु अंचल पदाधिकारी उनसे भी उलझ गए। भीड़ होन जाने और अपनी स्थिति कमजोर पाते हुए अंचल पदाधिकारी ने छतरपुर थाना को फोन कर पुलिस बुला ली और रामराज पासवान, कपिल देव प्रजापति और लालमोहन प्रजापति को छतरपुर थाने को सौंप दिया। छतरपुर थाना में छह घंटे तक माले कार्यकताओं को बैठाये रखने के बाद उन्हे 10:30 रात में घर जाने के लिए छोड़ दिया गया। यह अमानवीय कृत्य है। प्रतिवाद मार्च में राज्य कमेटी सदस्य रवींद्र भुइयां, महाराज पासवान, अनिल मोची, सिंटू कुमार, मदन पासवान, संगीता देवी, अनीता देवी, उषा देवी, ममता देवी, सरिता देवी आदि शामिल हुए।

धर्मरक्षक भागिरथ पांडेय ने तोलरा विष्णु निर्माण कमिटी को टाईल्स दिया

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर। त्रेता में भागीरथी ने कठिन तपस्या कर पतित पावन गंगा को धरती पर लाकर अपने पूर्वज का उद्धार किया था। कलयुग में ऐसे ही एक व्यक्ति कुंण्डी निवासी भागीरथ पांडे उर्फ संजय पांडे ने बरसों से अधूरा पड़े तोलरा विष्णु मंदिर को पूर्ण कराने का जिम्मा लिया। संजय पांडे ने बताया कि यह मंदिर का प्रारूप आसपास के क्षेत्रों में ऐतिहासिक होगा जो आने वाले कुछ वर्षों तक लोग इस मंदिर का स्मरण करेंगे तथा नाम याद करेंगे । उन्होंने कहा कि भगवान विष्णु का यह मंदिर कई मायनों में प्रथम होगा । स्वामी देवनारायण आचार्य के मुताबिक कोयल नदी जो स्वामी जी कोकिला नदी से संबोधित कर रहे थे कोकिला नदी के तट पर बना यह मंदिर कलयुग में आसपास के लोगों के लिए मोक्ष दायक होगा । ज्ञातव्य हो कि विष्णु मंदिर निर्माण कमेटी के दर्जनों लोग पिछले 13 वर्षों से मंदिर निर्माण के लिए दर दर की ठोकर खा रहे थे । जिसके बाद झारखंड के प्रख्यात चेहरा गुरु पांडे के द्वारा गुंबज का निर्माण कराया गया था । फिर भी लाखों रुपए खर्च कर टाइल्स का निर्माण कराया जाना था। जिसके लिए कमेटी दिन-रात लगी थी। इसकी खबर लगते हैं धर्म रक्षक भागीरथ पांडे उर्फ संजय पांडे ने टाइल्स देकर गांव के लोगों के साथ आसपास के क्षेत्रों को गौरवान्वित किया । तोलरा के ग्रामीणों ने इसके लिए साधुवाद दिया है। इनमें मंदिर कमेटी के अध्यक्ष तुलसी तिवारी सचिव रासबिहारी तिवारी भाजपा नेता अमरेश तिवारी महिला नेत्री श्यामा देवी नूतन देवी विश्व सनातन संघ के राष्ट्रीय प्रवक्ता रामनिवास तिवारी झारखंड पत्रकार संगठन के पलामू जिला अध्यक्ष योगेंद्र कुमार मिश्रा पंचायत के मुखिया रोहित कुमार तिवारी उप मुखिया कुश तिवारी सम्मिलित हैं।

उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, पलामू। (कौशल विकास शाखा)

अति अल्पकालिन निविदा

1. विज्ञापनदाता का पदनाम :– उपायुक्त, पलामू।
2. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय :– 11.01.2023 को 1:00 बजे अपराहन तक
3. निविदा खोलने का स्थान :– समाहरणालय सभागार, ब्लॉक–A, पलामू।
4. निविदा खोलने का तिथि एवं समय :– 11.01.2023 को 4:00 बजे अपराहन
5. निविदा जमा करने का स्थान :– सहायक श्रमायुक्त का कार्यालय, 2न0 टाउन, रेड़मा, मेदिनीनगर, पलामू।

श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, झारखण्ड सरकार के अंतर्गत झारखण्ड कौशल विकास मिशन सोसाइटी, रॉंची के पत्रांक–झा0कौ0वि0मि0 12/2019–995 एवं पत्रांक–झा0कौ0वि0मि0 145/2020–551 के आलोक में संकल्प योजना के तहत पलामू जिला के विभिन्न प्रखण्डों तथा पंचायतो में Skill Awareness Program के अंतर्गत विभिन्न गतिविधिया कराई जानी है।

उपरोक्त के आलोक में निम्नांकित विशिष्टियों के अनुरूप करने हेतू इच्छूक संस्थान/प्रतिष्ठान दिनांक– 11.01.2023 को समय–1:00 बजे अपराहन तक अति अल्पकालिन निविदा निम्नाकिंत शर्तों के अधीन सहायक श्रमायुक्त का कार्यालय, 2न0 टाउन, रेड़मा, मेदिनीनगर, पलामू मे जमा कर सकते है।

उक्त निविदा की नियम एवं शर्ते सहायक श्रमायुक्त का कार्यालय, 2 न0 टाउन, रेड़मा, मेदिनीनगर, पलामू के कार्यालय एवं NIC के वेवसाईट palamu.nic.in पर देखा जा सकता है। निविदा में किसी प्रकार का संशोधन अथवा रद्द करने का अधिकार उपायुक्त, पलामू के पास सुरक्षित होगा।

श्रम अधीक्षक–सह–
जिला कौशल पदाधिकारी, पलामू।

PR 286679 (Labour Employment and Traning) 22-23 (D)

कार्यालय नगर पंचायत मझिऑव

पत्रांक– 11/दिनांक– 03.01.2023

दर आमंत्रण सूचना संख्या 14/2022–23

1. विज्ञापन दाता का नाम :– कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत मझिऑव।
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि एवं समय :– दिनांक 16.01.2023 अपराहन 4:00 बजे तक।
3. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– कार्यालय नगर पंचायत मझिऑव।
4. परिमाण विपत्र का मुल्यः– 1000.00 रूपये का बैंक ड्राफ्ट, जो कार्यपालक पदाधिकारी,नगर पंचायत मझिऑव के नाम से मझिऑव में भुगतेय होगा।
5. निविदा/ कोटेशन प्राप्ति का स्थान, तिथि एवं समय :– कार्यालय नगर पंचायत मझिऑव में दिनांक– 17.01.2023 को अपराहन 2:00 बजे तक।
6. निविदा/ कोटेशन खोलने का स्थान, तिथि एवं समय :– कार्यालय नगर पंचायत मझिऑव में दिनांक– 17.01.2023 को अपराहन 02:30 बजे से।

नगर पंचायत मझिऑव क्षेत्रांतर्गत अधिश्ठापित Street Light / High Mast Light की मरम्मति हेतु आवश्यक सामग्रियों का कय किया जाना है, जो निम्नवत है।

क0 सं0	सामग्री का विवरण	संख्या	दर प्रति अदद	कुल राशि
1	Bajaj LED Driver - 150 watt Model- SS-150H-42B Input- 100-277V 2.0A Output- 24-42V 2.5-4.55A	35 Pcs.		
2	PC Fuse	35 Pcs.		
3	SMD Plate	20 Pcs.		
4	Hovels LED Driver 150 watt Model EDC-150S105SV-3002 input range 140-305V AC rated input 220-240V AC 0.91A max output 150W max 97-158V DC 0.950A max	48 Pcs.		
5	PC Fuse (item code- LSSCRX2369 rating - 300V AC	48 Pcs.		
6	SMD Plate	28 Pcs.		
7	Syska LED Driver 150 Watt Model- PJF1.50W input- AC 85-305V 0.5A output- DC 24-36V 1400mA+5%	42 Pcs.		
8	PC Fuse	42Pcs.		
9	SMD Plate	15 PCs.		
10	MCB 32 Amp. Triple pole	6 Pcs		
11	Wire 2.5 mm 3 phase	100 mtr.		
12	PVC tape	30 Packet		
13	Solding iron	01 pcs.		
14	Ranga	10 Mtr.		
15	Pest	05 Pcs.		
16	16 mm cable wire	200 mtr		

कोटेशन / निविदा से संबंधित विस्तृत नियम एवं शर्तें कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक पदाधिकारी,
नगर पंचायत मझिऑव।

PR 286616 Urban Development(22-23)D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल सं०–02, गढ़वा

अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा सूचना संख्या–RWD/SD/GARHWA/14/2022-23

1.कार्य की विस्तृत विवरणी:

क्र.सं.	कार्य का नाम	प्रशासनिक स्वीकृति की राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	गढ़वा जिला अंतर्गत भण्डरिया प्रखण्ड के ग्राम कंजीया में अण्डा महुआ से कंजीया जाने वाला पथ में सरस्वतीया नदी पर पुल निर्माण।	3,85,67,500.00	7,71,500.00	10000.00	18 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 03.01.2023
3. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय – 19.01.2023 अपराह्न 5:00 बजे तक।
4. कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल सं0–02, गढ़वा/मुख्य अभियंता कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रक्षेत्र, एफ.एफ.पी. भवन, राँची में निविदा शुल्क, अग्रधन की राशि, Bank Credit Certificate एवं Affidavit जमा करने की तिथि एवं समय 20.01.2023 अपराह्न 5:00 बजे तक।
5. निविदा खोलने का स्थान – मुख्य अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रक्षेत्र, एफ.एफ.पी. भवन, राँची।
6. निविदा खोलने की तिथि एवं समय –21.01.2023 अपराह्न 2:00 बजे।
7. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल सं0–02, गढ़वा।
8. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 7004019730
9. निविदा शुल्क राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा निर्गत ड्राफ्ट या बैकर्स चेक जो कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल सं0–02, गढ़वा के पदनाम से देय हो देना होगा।
10. प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल सं0–02,गढ़वा

PR 286674 Rural Development(22-23).D

NEWS इन ब्रीफ

आज इप्टा की गोष्ठी

मेदिनीनगर। शहर में इप्टा के द्वारा सफदर हाशमी सहादत सप्ताह के तहत स्थानीय इप्टा कार्यालय में शाम गुरूवसर को 4 बजे से गोष्टी का आयोजन किया जाएगा। जिसका विषय अभिव्यक्ति पर हमला संस्कृतिकर्म है। इप्टा के द्वारा एक जनवरी से 8 जनवरी तक सहादत सप्ताह के रूप में मनाया जा रहा है। जिसमे सभी कलाकारों के द्वारा नुक्कड़ नाटक और जनगीत के माध्यम से प्रचार प्रसार भी किया जा रहा है। आगामी 8 जनवरी को कवि सम्मेलन सह मुशायरा का भी आयोजन किया जाएगा।

श्रीराम सेना ने ठंड में अलाव की व्यवस्था कराई

मेदिनीनगर। पलामू में अत्यधिक कंपकपाती हुई ठंड को देखते हुए मेयर प्रत्याशी सह श्रीराम सेना के राज्य प्रमुख पंकज कुमार जायसवाल के द्वारा नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न चौक चौराहों पर अलाव के लिए सुखी लकड़ी की व्यवस्था की गई। जिसमें श्रीराम सेना के पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। जिसमें मुख्य रूप से उपस्थित उप राज्य प्रमुख जितेंद्र प्रसाद जायसवाल, चिंटू गुप्ता, गुड्डू गुप्ता, राजेंद्र पासवान, मंटू जायसवाल, वीरेंद्र प्रसाद, दीपक कुमार, गणेश जायसवाल, पंकज प्रसाद, प्रदीप ठाकुर, शंभू चौधरी, पप्पू गुप्ता, अनिल जायसवाल उपस्थित थे। उन्होंने बताया की अधिक ठंड को देखते हुए आगे भी लगातार पूरे शहर में अलाव की व्यवस्था लगातार श्रीराम सेना के सौजन्य से की जाएगी।

कैमिकल पाउडर लदा ट्रैक्टर पलटा

सतबरवा। थाना क्षेत्र एन एच 39 रांची मेदिनीनगर मुख्य मार्ग तुंबागड़ा के तीखे मोड़ पर बुधवार को असंतुलित हो कर कैमिकल पाउडर लदा टैंकर यू पी 64 ए टी 3915 पलट गया। जिसमें टैंकर चालक घायल हो गया। घायल को तुम्बागाड़ा नवजीवन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां इलाज चल रहा है। गाड़ी में चालक के अलावा और कोई नहीं था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बुधवार को करीब 3 बजे रांची की ओर से आ रहे। कैमिकल पाउडर लदा टैंकर यूपी 64,एटी 3915 असंतुलित हो कर पेड़ से टकरा कर पलट गई। जिसमें चालक घायल हो गया। अगर पेड़ नहीं होता गाड़ी सीधे घर में घुस जाती और बडा हादसा हो सकता था।

समाजसेवी ने कंबल का किया वितरण

मनातू। पलामू जिले मनातू प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत चक पंचायत के सभी गाँवो में गरीब असहायों के बीच समाजसेवी सतेन्द्र कुमार साहू ने कंबल वितरण किया। कंबल वितरण के दौरान समाजसेवी साहू ने कहा कि गरीबों व असहायों को मदद करना मेरी नियती में शामिल है। उन्होंने कहा कि मैंने यह निश्चय किया हैं कि जितना हो सके मैं अब असहायों को ठंड से मरने से बचाऊंगा। मैं सार्वजनिक स्थलों पर घूम घूम कर जरूरतमंद असहायों के बीच कंबल का वितरण कर रहा हूं । उन्होंने बताया कि यह कार्य विगत 2 साल से करते आ रहा हूं। समाजसेवी ने बताया कि यह कार्यक्रम आगे भी जारी रहेगा। महादलित टोलों में जाकर भी कंबल वितरण किया जा रहा हैं मौके पर कई लोग मौजूद थे।

चैंपियन ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन

हरिहरगंज। सीता प्लस टू उच्च विद्यालय के मैदान में चल रहे चैंपियन ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट मैच का उद्घाटन बुधवार को युवा समाजसेवी राजीव रंजन ने फीता काटकर किया। इस दौरान खिलाड़ियों व लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल से तन व मन दोनों स्वस्थ रहते हैं। खेल में भी खिलाड़ी अपना कैरियर बना सकते हैं। इस दौरान सतगांवा तथा मंसारा टीम के बीच मैच खेला गया।

पलामू में बढ़ेगी ठंड, दिखेगा मौसम में बदलाव

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू में लगातार तीन दिनों से कुहासे का असर देख जा रहा है। पहले से ठंड में भी इजाफा हुआ है। हवा में कनकनी बढ़ी है। मौसम विभाग

ठंड से जन-जीवन अस्त-व्यस्त

के विशेषज्ञों की माने तो मौसम खुलने के बाद बादल हटने के बाद ठंड और बढ़ेगी। पलामू के आस पास के क्षेत्रों में इसका सबसे ज्यादा असर देखने को मिलेगा। आज के बाद मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। बादल छंटते ही ठंड बढ़ेगी। मौसम विभाग के अनुसार मौसम विज्ञान केंद्र के रिकॉर्ड बता रहे है कि राज्य में कुहासे और उत्तर से आ रही बर्फीली हवाओं के कारण कनकनी में इजाफा होगा। अभी प्रदेश भर में बादल छाये होने के कारण अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे चल रहा है।

ठंड की वजह से हो सकती है पंच बीमारियां

स्थानीय डा. एके गुप्ता ने बताया कि ज्यादा ठंड की वजह से पंच बीमारियां हो सकती है। जिसमें सर्दी कॉमन है। ठंड में अर्थराइटिस पेशेंट्स को सतर्क रहना चाहिए। उनके जोड़ों में दर्द बढ़ सकता है। दूसरी तरफ सर्दियों में सांस की नली में सूजन बढ़ जाती है। सीने में जकड़न और खांसी महसूस होता है। जिससे सांस लेने में परेशानी हो सकती है। उनके अनुसार ठंड में खान पान का ध्यान रखना चाहिए। गर्म खाना लेना चाहिए। गर्म पानी पीने से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है। गर्म पानी पीने से सीने में बलगम जमा नहीं होता और पेट भी साफ रहता है। इससे जोड़ों में अकड़न की समस्या दूर होती है।

ठंड की वजह से 8 जनवरी तक 5वीं तक की कक्षाओं पर रोक

पलामू में मौसम में हो रहे बदलाव के देखते हुए डॉक्टरों की सलाह है कि बच्चों और बुजुर्गों को सतर्क रहने की जरूरत है। मौसम विभाग ने अलर्ट जारी कर दिया है। ठंड की वजह से 8 जनवरी तक प्रशासन ने पांचवी तक की कक्षाओं पर भी रोक लगा दिया है। वही डॉक्टरों का कहना है कि अगर काम ना हो, तो घर से बाहर न निकले। सिरदर्द, सीने में जकड़न और दर्द, मांसपेशियों में दर्द, खांसी जुकाम, सांस लेने में दिक्कत और बुखार को हल्के में न लें। यह ठंढ लगने के लक्षण है।

दुष्कर्म मामले को लेकर डीसी के समक्ष ग्रामीणों ने दिया धरना

नवीन मेल संवाददाता

मेदनीनगर। पलामू जिले के पाटन थाना क्षेत्र के खामही गांव में कुछ दिनों पहले हुए दुष्कर्म मामले में पुलिस के द्वारा अब तक कोई कार्रवाई नहीं होने के की वजह से। बुधवार को विरोधी अभियान के तहत विभिन्न संगठन के लोगों ने विरोध मार्च निकालकर मुख्यमंत्री के नाम पलामू उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा। साथ ही समाहरणालय के समक्ष धरना दिया। प्रदर्शनकारी बताते हैं कि अभी तक इस मामले में पुलिस के तरफ से कोई कार्रवाई नहीं हुई यहां तक कि पीड़ित परिवार वालो को जान से मारने की धमकी और केश वापस लेने को कहा जा रहा है। इसी तरह से जिले

में कई जगहों से दुष्कर्म की घटना का उदभेदन पूरी तरह से नहीं किया गया है। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस प्रशासन पर सवाल उठाते हुए कहा कि पुलिस प्रशासन जल्द से जल्द दोषियों की गिरफ्तारी करें। वहीं सहायक पुलिस अधीक्षक सह सदर एसडीपीओ ऋषभ गर्ग ने बताया कि जल्द ही इस मामले में पुलिस दोषियों को जल्द गिरफ्तार करेगी और जरूरत पड़ी तो जो फरार हैं उनके खिलाफ कोर्ट से वारंट निकालकर कुर्की भी की जाएगी।

न्यूटन कोचिंग में स्मार्ट क्लास की शुरूआत

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। जापान तकनीकी के कंपनी के सहयोग से बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए न्यूटन प्रोजेक्ट क्लासेज आबादगंज के प्रोपराइटर संजीव तिवारी बच्चों को आधुनिक शिक्षा पद्धति से जोड़ते हुए स्मार्ट क्लास की शुरूआत की। नये वर्ष पर कक्षाओं का प्रारंभ होते ही बच्चों को न्यूटन फिजिक्स क्लासेज के द्वारा एक बेहतरीन तोहफा मिला। जिसमें मुख्य भूमिका कृष्ण कन्हैया दुबे ने निभाई। जिन्होंने काफी कम उम्र में बड़े मुकाम हासिल कर लिए है। उन्होंने कहा कि पैसे के अभाव में कोई भी शिक्षण संस्थान या बच्चे उच्चस्तरीय शिक्षा और आधुनिक शिक्षा पद्धति से जुड़ने से छूट ना जाएं इसलिए काफी कम कीमतों पर ना सिर्फ पलामू अपितु झारखंड – बिहार के अलग-अलग शिक्षण संस्थानों को स्मार्ट क्लास की सुविधा उपलब्ध करा रहे हैं। रांची के कई बड़े संस्थान इन्ही के द्वारा आधुनिक शिक्षा पद्धति से जोड़े गए हैं। इसी की एक कड़ी न्यूटन फर्स्ट क्लास आबादगंज के रूप में जुड़ी। देश के बहुप्रतीक्षित यूट्यूब के चैनल द जोश टॉक में जाने वाले एकमात्र शिक्षण क्षेत्र से जुड़े सेकेंड स्कूल इंस्टीट्यूट के निदेशक आईआईटियन ऋषिकेश दुबे की गरिमामयी उपस्थिति में स्मार्ट क्लास की शुरूआत की गई। शुभारंभ समारोह में युवा समाजसेवी कोमल कुमार अंकू ने इसके लिए संजीव, ऋषिकेश और कृष्ण कन्हैया दुबे को विशेष धन्यवाद और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मेट्रो सिटी के बच्चों से प्रतियोगिता करने के लिए सर्वप्रथम उनके स्तर की शिक्षा प्राप्त करना बहुत आवश्यक है।

दलितों पर बढ़ते अत्याचार के खिलाफ उपायुक्त कार्यलय का घेराव व जन प्रदर्शन

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। उत्पीड़न विरोधी अभियान के बैनर तले विभिन्न जन संगठनों व राजनीतिक दलों के सैकड़ों लोगों ने बुधवार को स्थानीय अम्बेडकर पार्क से विशाल व आक्रोशपूर्ण जन प्रदर्शन करते हुए पलामू डीसी व एसपी कार्यालय का घेराव किया। वहीं झारखण्ड क्रांति मंच के संस्थापक सह केन्द्रीय अध्यक्ष शत्रुघ्न कुमार शत्रु की अध्यक्षता में प्रतिरोध सभा में सम्पन्न हो गया। कार्यक्रम का संचालन अखिल भारतीय महिला सभा की प्रभारी दिव्या भगत ने किया। खामही के दलित छात्रा सामुहिक ब्लातकार कांड के सभी अभियुक्तों को शीघ्र गिरफ्तार कर फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से फांसी की सजा देने, पीड़िता के परिजनों को 10 लाख रुपये व सुरक्षा व्यवस्था करने समेत 6 सूत्री मांगों पर जिला प्रशासन को घेरते हुए सभी मांगों को पूरा करने की मांग किया गया। झारखण्ड क्रांति मंच के संस्थापक ने कहा कि 25 दिसंबर के किशुनपुर में आयोजित विशाल जन प्रदर्शन व प्रतिरोध

सभा के बाद भी अभी तक खामही दुष्कर्म कांड के बाकी बचे दो अभियुक्तों की गिरफ्तारी नहीं होना चिंता का विषय है। सभा के बाद उपायुक्त से मिलकर मांग पत्र सौंपा। जिस पर कार्रवाई का उन्होंने भरोसा दिलाया गया। आक्रोशपूर्ण सभा में किसान सभा के प्रदेश अध्यक्ष बीएन सिंह, झारखण्ड बौद्ध महासभा के महिला प्रदेश अध्यक्ष सुषमा बौद्ध, भीम आर्मी के प्रदेश महासचिव नागमणि रजक, जिला परिषद पलामू की पूर्व अध्यक्ष प्रभा देवी, कान्दू मुहल्ला की पीड़िता की मां लालो देवी, झारखण्ड क्रांति मंच के केन्द्रीय सचिव निर्मला कुमारी, नगर अध्यक्ष प्रदीप राम, आईसा की जिला उपाध्यक्ष ममता कुमारी, पूर्व मुखिया लक्ष्मण राम, जय मंगल राम, समाजिक न्याय मंच के रवि पाल, विनय वैद्य, हुल झारखण्ड क्रांति दल के चन्द्रधन मेहता, पूर्व मुखिया बाबूलाल राम, कृष्णकांत बौद्ध, भीम आर्मी के प्रेम कुमार, माले के सरफराज आलम, श्रवण विश्वकर्मा, पवन विश्वकर्मा, राजेन्द्र बौद्ध, सुरेन्द्र राम, मौजूद रहे।

सीटेट परीक्षा की तिथि में बदलाव

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। सीटेट परीक्षा में तिथि का बदलाव किया गया है। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेण्डरी एजुकेशन ने कंबाइंड टीचर्स एलिजिबिलिटी टेस्ट की डेट में बदलाव कर दिया है। परीक्षा के तिथि को लेकर अभ्यर्थी लंबे समय से परीक्षा की डेट बढ़ाने की मांग कर रहे थे। जिसके चलते बोर्ड ने यह फैसला लिया है। पूर्व में परीक्षा 9 जनवरी को आयोजित की जाने वाली थी, जिसे अब आगे बढ़ा दिया गया है। परीक्षा की नई तिथि अब 7 फरवरी किया गया है। इस संबंध में आधिकारिक वेबसाइट पर नोटिस भी जारी किया गया है। नोटिस के माध्यम से जानकरी दी गई है कि 9 जनवरी को होने जा रही सीटेट परीक्षा को अब 7 फरवरी 2023 को आयोजित किया जाएगा। परीक्षा पहले की तरह ही लगभग 211 एग्जाम सिटीज में आयोजित किया जाएगा। गौरतलब है कि सीटेट परीक्षा से केंद्रीय विश्वविद्यालय, नवोदय विद्यालय में अभ्यर्थियों को शिक्षक बनने का मौका मिलता है। प्रत्येक वर्ष होने वाली इस परीक्षा में लाखों अभ्यर्थी भाग लेते हैं।

आम आदमी पार्टी ने किया वनभोज समारोह का अयोजन

मनातू। आम आदमी पार्टी पांकी विधानसभा की ओर से नये साल की शुभ अवसर पर वनभोज सह मिलन सामरोह का आयोजन दिनांक 8-01-2023 दिन रविवार को समय 11 बजे से पांकी पिरी नदी के निकट रखा गया है। जिसमे मुख्य अतिथि प्रदेश प्रवक्ता ओंकारनाथ जायसवाल, पलामू संयोजक चंद्रबली दुबे ,पलामू सचिव सुधीर कुमार, आप के वरीय नेता कौशल किशोर बच्चन, किशोर सिन्हा, संजय राम, राकेश तिवारी, अभय सिंह चेरो शामिल होंगे जिसमे आप सभी पांकी विधानसभा के जनता को इस मिलन समारोह मे उपस्तिथ होकर कई लोग पार्टी में शामिल होंगे।

बढ़ती ठंड को देखते हुए वार्ड पार्षद ने अलाव की व्यवस्था की

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। चैनपुर प्रखंड अंतर्गत नगर निगम क्षेत्र शाहपुर के चौक चौराहे पर पार्षद सह जोन अध्यक्ष प्रमिला देवी एवं सांसद प्रतिनिधि भोला पांडेय के सौजन्य से कड़ाके की ठंड को देखते हुए पिछ्ले तिन दिनो से अलाव की वयवस्था किया जा रहा है। मौके पर पार्षद प्रमिला देवी ने कहा की पिछले कुछ दिनो काफी ठंड पड़ रही है। वहीं गरिब मजदूर एवं राह गिर भाईयों को कफी कठिनाई हो रही थी।

उसी को देखते हुए व्यवस्था कराई गई है। जप तक इस प्रकार के मौसम बनि रहेगी। हमारे निजी सहयोग से अलाव की वैवसता करती रहूंगी। अभी इन चौको पर उपलब्ध कराई जा रही है। सयसे हरिजन मोहल्ला चौक, नई मौहल्ला शाहपुर चौक, गढ़वा रोड में पीपल चौक, गैस गोदाम रोड सहित अन्य मौके पर उपस्थित धनु खान, राकेश जैसवाल, अवध बिहारी गुप्ता, मिलु जैस्वाल, कलाम कुरैशी, अफताब मनोज बबलू, हादी हुसैन, रसीद फलीफा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

मालगाड़ी का गेट टूट कर ट्रैक पर गिर

विश्रामपुर। पलामू जिले के गढ़वा रोड रेलवे स्टेशन के यार्ड में मालगाड़ी का गेट टूट कर ट्रैक पर गिर गया। बाद में गुजर रही मालगाड़ी के पहिए में गेट फंस गया। मालगाड़ी के पहिए में गेट फसने के बाद करीब दो घंटे से आप और डाउन लाइन पर परिचालन ठप है। रेलवे का परिचालन ठप होने से गरीब रथ, एक्सप्रेस शक्तिपुंज, रांची वाराणसी इंटरसिटी एक्सप्रेस समेत कई ट्रेन स्टेशन पर खड़ी हो गई है। जानकारी के अनुसार रेलवे द्वारा गैस कटर के माध्यम से गेट को काटकर चक्के से बाहर निकालने का प्रयास किया गया। लेकिन इसमें सफलता नहीं मिली। समाचार लिखे जाने तक रेलवे ने बरवाडीह रेलवे स्टेशन से क्यूआरटी टीम को बुलाया था। क्यूआरटी टीम क्रेन के माध्यम से मालगाड़ी बोगी को ऊपर उठाएगी और गेट बाहर निकालेगी। जानकारी के अनुसार गढ़वा रोड स्टेशन पर एक दूसरे मालगाड़ी का गेट टूटकर ट्रैक पर गिरा हुआ है। डालटनगंज के तरफ से जा रही मालगाड़ी टूटे गेट के चपेट में आ गई। मालगाड़ी गढ़वा रोड में यार्ड में जा रही थी। उसके चक्के गेट में फंस गये। जिस कारण अप और डाउन लाइन पर परिचालन बाधित हो गया। करीब दो घंटे से रेलवे का परिचालन बाधित है। घटना की जानकारी मिलने के बाद वरीय अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं और राहत और बचाव का कार्य शुरू कर दिया है।

प्रखंड परिसर में विशेष दिव्यांग कैंप कल

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हैदरनगर प्रखंड परिसर में छह जनवरी को दिव्यांग लोगों के विशेष शिविर का आयोजन किया जायेगा। इसमें उनकी स्वास्थ्य जांच के बाद जरुरतमंद दिव्यांग को प्रमाण पत्र दिया निर्गत किया जायेगा। पलामू सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि शुक्रवार को प्रखंड परिसर में दिव्यांग के विशेष शिविर में उनकी स्वास्थ्य की जांच उपरांत दिव्यांग प्रमाण पत्र दिया जायेगा। यह शिविर शुक्रवार को सुबह 10 से शाम चार बजे तक लगेगा। बीडीओ धीरज कुमार ठाकुर ने हैदरनगर प्रखंड के तमाम जनप्रतिनिधि, सेविका, सहायिका, सहिया और स्थानीय ग्रामीणों से संबंधित क्षेत्रों में भ्रमण कर दिव्यांग लोगों के बीच इस बावत प्रचार प्रसार बढ़ाने व उन्हें प्रमाण दिलाने में सहयोग करने की अपील की है। जिससे अधिक से अधिक दिव्यांग लोगों का प्रमाण पत्र मिल सकें।

माले नेता ने मुकदमा दर्ज कराया, नेताओं पर भी मुकदमा

नवीन मेल संवाददाता

मेदनीनगर। पलामू अपने तल्ख अंदाज और अलग किस्म की कार्यशैली से हमेशा चर्चा में रहने वाले छतरपुर सीओ मोदस्सर नजर मंसूरी पर भाकपा माले नेता रामराज पासवान ने छतरपुर थाना में एससी/एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कराया है। सीओ ने भी उक्त माले नेता सहित तीन लोगों पर सरकारी कार्य में बाधा डालने और सरकारी बिल्डिंग पर दीवार लेखन करने को लेकर मुकदमा दर्ज कराया है। इसमें माले नेता रामराज पासवान, कपिलदेव प्रजापति और लालमोहन प्रजापति को आरोपी बनाया गया है। माले नेताओं ने घटना के विरोध में जिला मुख्यालय और छतरपुर में प्रतिवाद मार्च भी निकाला और छतरपुर सीओ को सस्पेंड करते हुए गिरफ्तार करने की मांग की।

क्या है मामला : बीते मंगलवार की शाम छतरपुर प्रखंड कार्यालय के सामने पुराने और जर्जर बिल्डिंग पर माले नेताओं द्वारा दीवार लेखन किया जा रहा था। दीवार लेखन में छतरपुर की स्थानीय समस्याओं से सम्बद्ध नारे लिखे गये थे। एक पुरानी बिल्डिंग प्रखंड कार्यालय के मुख्य दरवाजे के ठीक सामने है। इस जर्जर बिल्डिंग की दीवार पर चूना पोतकर जब माले नेता दीवार लेखन कर रहे थे तभी सीओ मोदस्सर नजर मंसूरी गेट के बाहर निकले। दीवार लेखन को देखा और लेखन कर रहे लोगों को दीवार पर लिखने से यह कहते हुए मना किया कि यह सरकारी दीवार है। सीओ के मना करने के बाद दोनों ओर से शुरू हुई बातें तल्ख होने लगी। भुक्तभोगी माले नेताओं का कहना है कि दीवार लेखन की बात शुरू हुई तो सीओ तुरंत गुस्से में हो गये। उनकी बोली लगातार बिगड़ने लगी। माले नेताओं ने इसका प्रतिवाद किया तो कथित रूप से सीओ ने न सिर्फ गालियां बकनी शुरू कर दी बल्कि उनके एक साथी पर हाथ भी चला दिया। उनके एक साथी का सिर भी फट गया है। इसी बीच सीओ ने छतरपुर थाना से पुलिस भी बुलवायी। पुलिस माले नेता रामराज पासवान, कपिलदेव प्रजापति और लाल मोहन प्रजापति को पकड़कर ले गयी। देर रात तक इन्हें थाने में बिठाया गया और बाद में छोड़ दिया गया। जबकि इस बावत सीओ मोदस्सर नजर मंसूरी ने माले नेताओं के आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए कहा है। उनके पास पुख्ता सबूत हैं तो जिन्हें वे उचित फोरम पर रखेंगे। इसी बीच कुछ लोगों ने मध्यस्थता करने की कोशिश की लेकिन बात नहीं बन पायी। नेता मुकदमा दर्ज करने की अपनी जिद पर अड़े रहे। छतरपुर बाजार से लेकर थाना तक प्रतिवाद मार्च भी निकाला जिसमें अन्य लोग भी शामिल थे। आखिरकार बुधवार को दोपहर बाद दोनों तरफ से मुकदमा दर्ज किया गया।

प्लस टू | चोरो ने दूसरी बार दिया घटना को अंजाम

विद्यालय से प्रोजेक्टर सहित अन्य सामग्री की चोरी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। नावा बाजार प्रखंड मुख्यालय से एक किलोमीटर दूर स्थित डाली सिवान के समीप टेन प्लस टू उच्च विद्यालय नवा बाजार से मंगलवार की रात अज्ञात चोरों द्वारा चार ताला तोड़कर विद्यालय के स्मार्ट क्लास से प्रोजेक्टर मशीन, डीवीडी, सीपीयू, पानी वाला स्टार्टर मशीन सहित कई अन्य सामग्री लेकर हुए फरार। जानकारी के अनुसार विद्यालय के प्रधानाध्यापक स्वामी प्रसाद बुधवार को निर्धारित समय पर विद्यालय पहुंचे जहां विद्यालय का चारदीवारी गेट का ताला व मेन गेट का ताला टूटा देखकर चोरी की घटना से प्रतीत होकर स्थानीय जनप्रतिनिधि जानकारी दी। सूचना पाकर नावा बाजार प्रखंड उपप्रमुख मीर खुर्शीद आलम,भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला महामंत्री सह जमीन दाता जमालूदिन खान, प्रबंधन समिति के अध्यक्ष पति मिर वारिस, युवा कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष मिर आरीज

आलम, पूर्व उप मुखिया मीर आशिक, वार्ड सदस्य राजदेव यादव घटनास्थल पर पहुंचकर चोरी की जानकारी ली। घटना की जानकारी प्रधानाध्यापक स्वामी प्रसाद ने नावा बाजार थाना को लिखित आवेदन देकर अज्ञात चोरों के विरुद्ध कार्रवाई हेतु दिया। मौके पर मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक अशोक कुमार टूटी, शिक्षक अरशद अहमद, मनोज मेहता, रिंकू खान सहित कई लोग मौजूद थे।

चोरी की घटना विद्यालय में दोबारा हुई है : लोग प्रखंड मुख्यालय में शिक्षा संचालित को अवरुद्ध करना चाह रहे हैं। गांव के ही नशाखोर, शराबी, मनचले युवक लड़कियों के दुर्व्यवहार के साथ-साथ चोरी की घटना को अंजाम दे रहे हैं। एक वर्ष पूर्व में रात्रि प्रहरी यहां पर रहता था जिसका वेतन हम लोग चंदाकर देते थे लेकिन वर्तमान में रात्रि प्रहरी नहीं रहने के कारण विद्यालय असुरक्षित है। इस विद्यालय में बिजली की समस्या गंभीर है विद्यालय में बिजली संचालित के लिए नवा बाजार वीडियो, स्थानीय विधायक, बिजली कनीय अभियंता, उपायुक्त पलामू को जानकारी दी गई लेकिन अभी तक बिजली आपूर्ति यहां पर बहाल नहीं हुआ है जिस कारण चोरों ने घटना को अंजाम देने में सफल रह रहे हैं।

साप्ताहिक मेला की तैयारी को लेकर बैठक

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। प्रखंड के दंगवार में सोन नदी तट स्थित सूर्यमन्दिर परिसर में मंकर संक्रांति के अवसर पर लगने वाला साप्ताहिक मेला को लेकर ग्रामीणों की बैठक हुई। बैठक में मेला को शांति पूर्वक संचालन पर विस्तृत विचार विमर्श की गयी। इसको लेकर कमेटी का गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से वकील सिंह को अध्यक्ष, विवेक प्रसाद गुप्ता को उपाध्यक्ष, संतोष राम को सचिव, दिलीप चौधरी को उपसचिव, संतोष कुमार सिंह को कोषाध्यक्ष,अंकित कुमार सिंह को उपकोषाध्यक्ष, मनोज प्रसाद गुप्ता, कमलेश साह, अनुज प्रसाद गुप्ता को व्यवस्थापक, गोविंदर सिंह ,मुकेश साह, विवेक, सोनू, सूरज, पवन, गोपाल, चंद्रकांत को संगठन मंत्री मनोनीत किया गया। इसके

अलावा विश्वजीत कुमार, मुन्ना, श्याम, अंकुश, बादल, दीपक, अमन, अजित, विश्वजीत को सक्रिय सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया। इस संदर्भ में पंसस सह मेला समिति के सचिव संतोष ने बताया कि इस वार्षिक मेला का आयोजन एक सप्ताह तक चलता है। जिसमे झारखंड व बिहार राज्य के कई गांवों के लोग पहुंचते हैं। मेला का शांति पूर्ण से संचालित करने के लिए कमेटी के लोग सक्रिय रहेंगे। मेला की शुरूआत मंकर संक्रांति से होगी।

NEWS इन ब्रीफ

लड़की के भगाने के आरोप में एक गिरफ्तार पुलिस ने भेजा जेल

गढ़वा। थाना क्षेत्र के कल्याणपुर गांव निवासी जैनुल अंसारी का पुत्र इरफान अंसारी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी लक्ष्मीकांत ने बताया कि इरफान पर गांव के ही एक लड़की को बहला-फुसलाकर भगाने का आरोप लगाते हुए लड़की के पिता ने थाने में प्राथमिकी दर्ज कराया था। उसके आलोक में आज इरफान को जेल भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि इरफान का शादी 5 वर्ष पहले ही हो गया था और उसके दो बच्चे भी हैं

टेंपो की चपेट में आने से महिला घायल

गढ़वा। सदर थाना क्षेत्र के चिनिया मोड़ के समीप टैंपू के चपेट में आने से रमुना थाना क्षेत्र के मडवनिया गांव निवासी भोला चौधरी की पत्नी प्रमिला देवी घायल हो गई। उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि वह अपने रिश्तेदार से चिनिया रोड स्थित एक निजी क्लीनिक में मिलने गई थी। वहां सुबह मिल कर लौट रही थी। उसी दौरान चिनिया मोड़ पर वह एक टेंपो के चपेट में आ गए। जिसमें वह घायल हो गए स्थानीय लोगों की मदद से उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

पांच जनवरी को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन

श्री बंशीधर नगर। प्रखण्ड के सभी मतदान केन्द्रों पर 5 जनवरी को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जायेगा। उक्त आशय की जानकारी देते हुये बीडीओ श्रवण राम ने बताया कि बीएलओ पर्यवेक्षक के माध्यम से सभी मतदान केन्द्रों के बीएलओ को मतदाता सूची उपलब्ध करा दिया गया है.मतदाता अपने अपने मतदान केंद्रों पर जाकर मतदाता सूची में अपना नाम देख सकते है।

ट्रक की चपेट में आने से एक व्यक्ति घायल

गढ़वा। श्री बंशीधर नगर एन एच 75 पर जतपुरा के समीप ट्रक के चपेट में आने से एक व्यक्ति घायल हो गया उसे इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया घायल व्यक्ति श्री बंशीधर नगर थाना क्षेत्र के पाल है। गांव निवासी मनोज कुमार बताया जा रहा है। घटना के संबंध में बताया गया कि वह दुकान बंद कर साइकिल से अपने घर जा रहा था इसी बीच जेतपुरा के समीप ट्रक ने धक्का मार दिया। जिससे वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया जब इस बात की सूचना घरवालों को हुआ तो घायल अवस्था में उसे उठाकर सदर अस्पताल में इलाज के लिए लाया है। घायल के माथे में गंभीर चोट लगी है।

गंदगी: सदर अस्पताल सहित निजी क्लिनिक में कचरा निस्तारण का अभाव

हर ओर गंदगी, बीमारी तो फैल सकती है!

विभाग की ओर से अब तक नहीं किया जा सका स्थायी समाधान

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा जिले के सदर अस्पताल सहित निजी क्लिनिक में कचरा निस्तारण की व्यवस्था नहीं है। ऐसे में सदर अस्पताल सहित निजी क्लीनिक के प्रबंधक मेडिकल वेस्ट को तैसे फेकवाने में लगे रहते हैं। जिला मुख्यालय में संचालित 12 निजी अस्पताल को छोड़कर बाकी सभी निजी अस्पताल मेडिकल वेस्ट को नदी नाले में फेंकबाते हैं। उसे बीमारी फैलने की आशंका बना रहता है वह सदर अस्पताल की बात करें तो मेडिकल वेस्ट को जहां-तहां फेंका जा रहा है। इसका स्थायी समाधान विभाग की ओर से आज तक नहीं किया जा सका। जबकि अस्पताल में आनेवाले मरीजों के इलाज के बाद बड़ी मात्रा में मेडिकल वेस्ट निकलता है। अब कोरोना के विश्वव्यापी मौजूदा कहर के बाद भी स्वच्छता का जब ख्याल नहीं रखा जा रहा है तो इसका खामियाजा भी जनमानस को भुगतना पड़ सकता है।

बायोवेस्ट को निस्तारण के लिए लोहरदगा भेजा जाता है। वही जनरल कचरा को नगर परिषद के माध्यम से निस्तारण करवाया जाता है।

-अवधेश कुमार सिंह, अस्पताल उपाधीक्षक, गढ़वा।

गौरतलब है कि सदर अस्पताल का मेडिकल वेस्ट का निस्तारण को लेकर विभाग की ओर से कोई ठोस पहल नहीं की जा सकी है। यहां तक कि मेडिकल वेस्ट पर्यावरण के साथ खिलवाड़ भी है। इससे प्रदूषण का खतरा तो रहता है ही बीमारियां भी फैल सकती हैं। अस्पताल में इलाजरत मरीजों के लिए भी यह नुकसानदेह है। अस्पताल से निकलनेवाले कचरों के लिए अस्पताल परिसर में ठोस कचरा प्रबंधन का इंतजाम रहने के बाद किसी को यह फुर्सत नहीं कि उस पिट से समय पर कचरा निकाल कर उसे सुरक्षित क्षेत्र में निस्तारित कर दिया जाए। हालांकि विभाग का कहना है कि मेडिकल वेस्ट को पिट में फेंका जाता है। पिट भरे रहने के कारण जानवरों के मेडिकल वेस्ट को जहां-तहां फैला दे रहा है।

ऐसे भी होता निस्तारण

अस्पताल के कचरा में इंजेक्शन, निडिल और ऑपरेशन के लिए इस्तेमाल किए जानेवाले ग्लब्स फेंके हुए हैं। ये अस्पताल परिसर में संक्रमण बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचाने का काम कर रहा है। यहां तक कि पिट कचरा से भर जाने के बाद उसे अस्पताल प्रबंधन आग के हवाले कर देता है। इससे जहरीला धुआं भी चारों तरफ फैलता है।

काफी मात्रा में निकलता है मेडिकल वेस्ट

बताया जाता है कि अनुमानित प्रतिबेड प्रति अस्पताल में एक-दो किलोग्राम कचरा निकलता है। अगर कोई सौ बेड का अस्पताल है तो हर दिन वहां से सौ किलो से ज्यादा मेडिकल कचरा उत्पन्न होता है। इनमें करीब पांच से दस प्रतिशत मेडिकल वेस्ट घातक और संक्रामक होता है।

सदर अस्पताल के कचरा निस्तारण के लिए कचरा निस्तारण मशीन भी लगा हुआ है और उसका उपयोग खरीदने के बाद से नहीं किया जा रहा है सदर अस्पताल में देखने को मिल रहा है। उसके कारण अस्पताल कचरे को जैसे तैसे फेंका जा रहा है।

इंश्योरेंस कैंप लगा कर दी जायेगी जानकारी: बीपीएम

नवीन मेल संवाददाता

केतार। जेएसएलपीएस के द्वारा अपने समुह के महिला सदस्यों के लिए पंचायतवार इंश्योरेंस कैंप पांच जनवरी से लगाया जायेगा। इसकी जानकारी देते हुए जेएसएलपीएस के प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी प्रियंका कुमारी ने बताया की 5 जनवरी को परती कुशवानी पंचायत सचिवालय, 11 जनवरी को पाचाडुमर पंचायत सचिवालय में, 12 जनवरी को बलिगढ़ पंचायत सचिवालय, 13 जनवरी को केतार पंचायत सचिवालय,14 जनवरी को परसोडीह पंचायत सचिवालय,15 जनवरी को मुकुन्दपुर और 20 जनवरी को लोहरगाडा. पंचायत सचिवालय में इंश्योरेंस कैंप लगाया जायेगा।

418 महिला स्वयं सहायता समूह संचालित

कैंप के माध्यम से महिलाओं को इंश्योरेंस से होने वाले लाभ एवं बैंक से मिलने वाली सहायता के बारे में विस्तृत जानकारी दी जायेंगी। उन्होंने बताया की अभी प्रखंड में 418 महिला स्वयं सहायता समूह संचालित है। इनमें 377 महिला स्वयं सहायता समूह को 1.5 लाख रुपए तक की राशि स्वरोजगार के लिए दी गई है। जबकि 11 स्वयं सहायता समूहों को 3 लाख रुपए और दो समुहों को 6 लाख रुपए आवंटित की गयी है। प्रखंड क्षेत्र में जेएस एलपीएस की दीदीयां बेहतर कार्य कर समुह का संचालन कर रही है। इसके लिए समय समय पर दीदीयों को प्रशिक्षण देकर स्वावलंबी बनाने का कार्य किया जा रहा है।

मनरेगा योजना अंतर्गत प्रखंड स्तरीय सोशल ऑडिट किया

नवीन मेल संवाददाता

कांडी। प्रखंड कार्यालय के सभागार में बुधवार को प्रखंड के दो पंचायत खुटहेरिया व गड़ाखुर्द पंचायत के सत्र 2020 -21का मनरेगा योजना अंतर्गत प्रखंड स्तरीय सोशल ऑडिट किया गया। जिसमें ज्यूरी के रूप में प्रखंड प्रमुख सतेंद्र पाण्डेय उर्फ पिंकू पाण्डेय, मनरेगा लोकपाल सुशील तिवारी,सोशल ऑडिट बीआरपी सुनील तिवारी, जेएसपीएस सत्या देवी ने दोनों ही पंचायत के विभिन्न योजनाओं का जनसुनवाई किया। जिसमें बीआरपी एफसी अमित कुमार यादव ने सभी मुद्दों को प्रस्तुत किया । जिसमें बिल वॉउचार का नही होना, तकनीकी व प्रशासनिक स्वीकृति,तीन चरणों का फोटो, एफटीओ, एमआर, एमबी, योजना धरातल पर नही होना का मुद्दा सामने आया। जिसमें सभी दस्तावेज पर 100 रुपया प्रति दस्तावेज जुमार्ना लगाया गया।

निकासी राशि का 20 प्रतिशत वसूली क्रियान्वयन समिति से किया गया। साथ ही 194 तो किसी योजना में इससे भी अधिक रुपया अधिक निकासी किया गया का मामला सामने आया, जिसको जिला सुनवाई के लिए अग्रसारित किया गया। इसमें 367 योजना का 1 लाख 14 हजार 930 रुपया का मामला था ,जिसे जिला सुनवाई के लिए अग्रसारित किया गया। मौके पर बीडीओ मनोज कुमार तिवारी,मनरेगा बीपीओ कमलेश राम, पंचायत सेवक संतोष कुमार सिंह व रोजगार सेवक उपस्थित थे।

नया उजाला बैडमिंटन टूर्नामेंट का उद्घाटन

नवीन मेल संवाददाता

मंझिआंव/गढ़वा। नगर पंचायत के मेन बाजार भारतीय स्टेट बैंक के पीछे गढ़ प्रांगण में नया सवेरा नया उजाला के तत्वधान में खेला जाने वाला बैडमिंटन टूर्नामेंट का उद्घाटन मुख्य अतिथि विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक चंद्रशेखर दुबे उर्फ ददई दुबे एवम राधा कृष्ण मंदिर के महंत बाबा केशव नारायण दास ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित एवं फीता काटकर किया। ततपश्चात सभी टीम के खिलाड़ियों से ग्राउंड में जाकर परिचय प्राप्त किया। नया सवेरा नया उजाला बैडमिंटन टूर्नामेंट के आयोजन कर्ता, युवा समाजसेवी, नगर पंचायत अध्यक्ष पद के भावी प्रत्याशी मारुति नंदन सोनी के द्वारा माननीय पूर्व विधायक चंद्रशेखर दुबे एवं राधा कृष्ण मंदिर के पुजारी बाबा केशव नारायण दास सम्मानित

लोगों एवं प्रबुद्ध नागरिकों को माल्यार्पण एवं बुके देकर सम्मानित किया। लोगो को मारूत नंदन सोनी ने संबोधित करते हुए कहा कि खेत हम सभी के लिए जीवन का एक हिसा है जो शरीर को मानसिक, शारिरिक, बौद्धिक विकास करता है। वहीं सोनी ने खिलाड़ियों से अपील किया कि खेल शांतिप्रिय एवं सुसजित ढ़ंग से खेले। मौके पर उदय जॉनसन,ककू जयसवाल सुचित कमलापुरी, नीरज कमलापुरी, नौशाद खान सहित दर्शक उपस्थित थे।

सभी विद्यालयों के एक-एक रसोईयों की प्रतियोगिता आयोजित

लॉटरी के माध्यम से विजेता का चयन

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। संकुल संसाधन केन्द्र उच्च विद्यालय चितविश्राम में बुधवार को सीआरसी स्तरीय सभी विद्यालयों के एक- एक रसोईया का प्रतियोगिता कराया गया। प्रतियोगिता में सभी रसोईया के द्वारा मेनू के अनुसार स्वादिष्ट भोजन बनाया गया। सभी रसोईया ने मेहनत व लगन से भोजन तैयार किया रसोईया के चयन के लिए कमिटी गठित कर चयन किया गया। कमिटी में शिक्षक राजनाथ राम, अखिलेश प्रसाद अखौरी प्रवीण सिन्हा, सुग्रीव राम, सुभाष राम शामिल थे। सभी रसोईया द्वारा बच्चों को अपना अपना बनाया हुआ भोजन खिलाया गया। सभी बच्चों ने कहा कि सभी रसोईया के द्वारा बनाया गया भोजन स्वादिष्ट है। कमिटी के सदस्यों ने भी सभी रसोईया द्वारा बनाएं गए भोजन को चखा। कमिटी के सभी सदस्यों ने कहा कि सभी रसोईया

के द्वारा बनाएं गए भोजन बहुत ही स्वादिष्ट है।

कमिटी में उपस्थित सदस्यों ने निर्णय लिया कि सभी रसोइयों में विजेता व उप विजेता का चयन लॉटरी के माध्यम से किया जाय। विजेता के लिए मध्य विद्यालय मंगरदह से विन्दा देवी व उपविजेता के लिए मध्य विद्यालय बरडीहा के निर्मला देवी का चयन किया गया। विजेता व उपविजेता रसोईया को सीआरपी संजय कुमार सिंह, शिक्षक अखिलेश प्रसाद, राजनाथ राम के द्वारा संयुक्त रूप मेडल प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। सीआरपी द्वारा बताया गया कि विभाग के आदेश के तहत आप दोनों को पुरस्कार राशि देकर भी सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम सीआरपी संजय कुमार सिंह, वरिष्ठ शिक्षक द्वारिका नाथ पांडेय, कमलेश पांडेय, नरेंद्र श्रीवास्तव के देखरेख में संपन्न कराया गया। मौके पर सीआरसी के आये हुए रसोईया, शिक्षक नरेश राम, प्रियंका पांडेय, पूनम पांडेय, संजय कुमार ,संजय कुमार शुक्ल सहित बड़ी संख्या में छात्र -छात्राएं उपस्थित थे।

भ्रष्टाचार: पीएम आवास के नाम पर फर्जी निकासी का मामला

कई बिंदुओं पर पदाधिकारियों ने की जांच

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर। प्रखंड क्षेत्र के पंडरिया पंचायत के करमाहि में फर्जी तरीके से पूर्व के बिरसा आवास निर्मित भवन को दोबारा प्रधानमंत्री आवास निर्माण के नाम पर फर्जी निकासी के मामले में अखबार में प्रमुखता से बीते आठ अक्टूबर को खबर छपने के बाद दो महीने के बाद गढ़वा से डीआरडीए दिनेश सूरीन, रणजीत कुमार मनरेगा व बीडीओ जयपाल महतो ने मामला की जांच बुधवार को किया।

जांच के क्रम में अधिकारियों ने बताया कि पूर्व में बने बिरसा आवास व वर्ष 16 से 17 में बने प्रधान मंत्री आवास के डिजाइन में एक रूपता होने के कारण पता नही चल पा रहा है कि लाभुकों के द्वारा कौन से आवास में फर्जी निकासी की गई है। साथ ही जांच टीम के समक्ष सभी लाभुक स्थल पर नही

रहने के कारण जांच में कठिनाई हुई। ऐसा प्रतीत होता है कि जांच टीम आने की भनक होते ही बिचौलिया के द्वारा सभी लाभुकों को सूचित करते हुए फरार कर दिया हो। परन्तु इसमें बुधनी कुंवर के निर्मित आवास को देखने से प्रतीत हो रहा है कि यह बिरसा आवास के नाम पर ही प्रधान मंत्री आवास निर्माण के नाम पर फर्जी तरीके से एक लाख तीस हजार की निकासी कि गई है। बताते चले कि बीते आठ अक्टूबर को राष्ट्रीय नवीन मेल में प्रमुखता से पंडरिया पंचायत के करमाहि में आधा दर्जन लाभुकों को बिचौलियों व प्रखंड कर्मी के मिलीभगत से पूर्व में बने आदिम जनजाति के बिरसा आवास को वर्ष 17 में मिला प्रधानमंत्री आवास के नाम पर पुराने भवन को मरम्मती कर फर्जी तरीके से एक लाख तीस हजार रु निकासी कर लिए गई थी। खबर छपने के बाद बीडीओ जयपाल महतो ने 9 अक्टूबर को करमाहि पहुंच कर सभी लाभुक सोमारू कोरवा, राजेश कोरवा, श्यामलाल कोरवा, रामचन्द्र कोरवा, गणेश कोरवा, लखन कोरवा, अनिल कोरवा, चयनी कुंवर, बुधनी कुंवर,का आवास जांच किया था। जिसमे मामला सत्य पाया गया था। जिसके आलोक में बीडीओ ने आवास कोऑर्डिनेटर सिराज अहमद से स्पष्टीकरण पूछा गया था।

प्रखंड साक्षरता समिति की बैठक, अभियान को सफल बनाने पर बनी रणनीति

मेराल। प्रखंड साक्षरता समिति के सदस्यों की बैठक बुधवार को प्रखंड के सभागार में वीडियो सह साक्षरता समिति के अध्यक्ष प्रवेश कुमार साव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। उपायुक्त के निदेर्शानुसार बैठक में प्रखंड समिति का पुनर्गठन किया गया। वीडियो प्रवेश कुमार साव ने साक्षरता समिति के सदस्यों के साथ 15 से 35 आयु वर्ष के लोगों को साक्षर बनाने के अभियान को सफल बनाने के रणनीति तैयार की। उन्होंने बैठक में उपस्थित बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षिका एकता नाथ तथा स्वास्थ्य विभाग के बीपीएम चंचल कुमार से आंगनबाड़ी सेविका, सहायिका तथा स्वास्थ्य सहिया को भी उक्त अभियान से जोड़ने को कहा। वीडियो ने कहा कि मनरेगा सहित सभी योजनाओं के लाभुकों को हस्ताक्षर करना अनिवार्य किया जाएगा ताकि वे निरक्षर साक्षर बन सके। साक्षरता विभाग के बीपीएम भोलाराम द्वारा नव भारत साक्षर कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। बैठक में बीपीओ पूनम श्री, पर्यवेक्षिका पुष्पा राणा शिक्षा साक्षरता सामुदायिक कार्य के ब्रजेश कुमार मिश्र,मेराल हाई स्कूल के प्रधानाध्यापक लालता पटेल ,मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक गंगेश पांडे, विधायक प्रतिनिधि हेमंत कुमार सिंह सांसद प्रतिनिधि रुपू महतो रामा शंकर चौबे, महिला स्वयं सहायता समूह की बिंदा देवी,हरिकृष्ण मेहता इत्यादि उपस्थित थे।

थाना प्रभारी ने चौक-चौराहों पर अलाव की करायी व्यवस्था

धुरकी। प्रखंड मुख्यालय स्थित चौक पर शाम के पाच बजे थाना प्रभारी सदानंद कुमार के नेतृत्व में अलाव की व्यवस्था की गई जिसमें लकड़ी जलाकर ठंड से लोगों को राहत दिलाने का प्रयास किया है। मालूम हो कि विगत कुछ दिनों से झारखण्ड के अन्य जगहों की तरह धुरकी प्रखंड में भी ठंडी हवा तथा कनकनी बढ़ जाने के कारण लोगों की दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो गयी है। ऐसे में लोगों के लिए सार्वजनिक स्थल पर पुलिस प्रशासन द्वारा अलाव की व्यवस्था किए जाने से लोगों में थोड़ी राहत मिली है। इस कार्य को करने मे वन विभाग का भी भागीदारी रही। इस अवसर पर ग्रामीण तेजू करवा, श्याम किशोर विश्वकर्मा, नबी अंसारी, मुसाहेब अंसारी, मुन्ना राम,आदि उपस्थित थे।

पाचाडुमर बालू घाट चार दिनों से बंद बालू कि किल्लत

केतार। केतार प्रखंड के पाचाडुमर गांव स्थित जेएसएमडीसी द्वारा संचालित सरकारी बालू घाट पिछले चार दिनों से बंद है।इस कारण प्रखंड क्षेत्र में बालू की काफी किल्लत हो गयी है। बालू की किल्लत के कारण प्रखंड क्षेत्र में सरकारी और गैर सरकारी कार्य ठप पड़ी हुई है। उल्लेखनीय है की पाचाडुमर बालू घाट पर अभी भी हजारो सीएफटी बालू डंप पड़ा हुआ है। पाचाडुमर सरकारी घाट ज्यादातर विवादों के कारण बंद रहता है। जिसके कारण सोन नदी में बालू का अकुत भंडार रहने के बावजूद यहां के लोगों को बालू के लिये तरसना पड़ता है। बालू घाट क्यों बंद है इसकी जानकारी भी अधिकारीयों द्वारा नहीं दी जा रही है। इस सम्बन्ध में बालू घाट प्रभारी संजय पांडे ने बताया की वरीय पदाधिकारी के आदेश के बाद बालू घाट बंद किया गया है, बालू घाट क्यों बंद है और कब तक खुलेगी इसकी जानकारी हमें नहीं है।

अनियंत्रित होकर बाईक पलटी, एक घायल

भवनाथपुर। काण्डी मुख्य पथ के फुलवार मोड़ के समीप एक पुलिया में अनियंत्रित होकर बाईक पलटने से मंगर्दह निवासी अनुज भुइंया पिता स्व सुरेश भुइंया गम्भीर रूप से घायल हो गया। गनीमत रही मौके बीडीओ जयपाल महतो क्षेत्र भर्मण में निकले थे। अविलम्ब उन्होंने घटना स्थल से बीपीओ दयानन्द प्रजापति के साथ अपनी गाड़ी से भवनाथपुर सामुदायिक स्वास्थ केन्द्र में इलाज के लिए भर्ती कराया जहां आयुष चिकित्सक नीतीश भारती ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए गढ़वा रेफर कर दिया है। घटना के बारे में अनुज भुइँया ने बताया कि मै अपने गांव मंगर्दह से अपने बाइक से टाउनशिप आ रहे थे कि फुलवार मोड़ के पास पुलिया में सड़क कच्ची होने के कारण बाईक अनियंत्रित होकर पुलिया से टकरा गई। जिससे मैं घायल हो गया। पुलिस को सूचना मिलने के बाद दुर्घटना ग्रस्त बाइक को सुरक्षा के लिए थाना लाया गया है ।

दहशत: चिनियां के ग्रामीणों में तेंदुए को लेकर दहशत का माहौल

दिन के उजाले में ही पालतू पशु को बनाया निवाला

नवीन मेल संवाददाता

चिनियां। थाना क्षेत्र के बेता पंचायत के तुरी मुंडा गांव के सटे जंगलों में बुधवार को दिन के करीब 4:00 किसी अज्ञात जंगली जानवर के द्वारा पालतू पशु बकरे के ऊपर हमला कर उसे मार डाला गया है, जिसके कारण ग्रामीणों में भय का माहौल व्याप्त होता है।

आदमखोर तेंदुए की दहशत व्याप्त

ग्रामीणों ने बताया कि यह हमला जंगली जानवर का नहीं बल्कि आदमखोर तेंदुए के द्वारा किया गया है।

बता दें कि थाना क्षेत्र के बिलैतीखैर गांव में भी बीती रात एक पालतू पशु बकरे के ऊपर जंगली जानवर ने हमला कर उसे मार दिया था। जहां ग्रामीणों ने भी तेंदुए के द्वारा ही पशु के ऊपर हमला कर मारने की बात कही थी।

प्रत्यक्षदर्शी की मानें तो..

मिली जानकारी के अनुसार बेता पंचायत के तुरी मुंडा गांव निवासी शह पशुपालक शिव नारायण सिंह ने बताया कि मेरी बेटी गांव के ही सटे जंगलों में बुधवार को अपने बकरियों को चराने गई थी, जहां करीब 4 बजे एक जंगली जानवर ने आकर एक बकरे को उठाकर झाड़ियों में ले गया। वही जानवर के द्वारा बकरे को झाड़ियों में ले जाता देख मेरी बेटी की नजर उस पर गई तो वह दौड़ते हुए जंगलों से बाहर आई तथा खिलाते हुए हो हल्ला की, जहां काफी संख्या में लोग जमा हो गए । जब लोगों ने जाकर देखा तो

बिलैतीखैर गांव में भी पालतू पशु को बनाया निवाला, ग्रामीणों में दहशत

चिनियां। थाना क्षेत्र के बिलैतीखैर गांव में बीती रात किसी अज्ञात जंगली जानवर के द्वारा पालतू पशु पर हमला कर उसे मार डाला। ग्रामीणों का कहना हैं कि यह हमला जंगली जानवर नहीं बल्कि आदमखोर तेंदुए के द्वारा ही हमला कर पशु को मारकर खाया गया है। प्राप्त खबरों के अनुसार बिलैती खैर गांव निवासी अरविंद साह पिता स्वर्गीय मुन्नी साह बीते देर शाम अपने कई पालतू पशुओं को अपने घर में बांधकर रखा हुआ था। जब सुबह पशुओं को निकालने के लिए अपने घर में घुसा तो देखा कि एक पशु गायब है, जब इसकी खोजबीन की गई तो पास के ही खेतों में पालतू पशु के अवशेष व इधर-उधर पशु के मांस तथा जंगली जानवर के निशान भी देखा गया, जिसकी सूचना ग्रामीणों ने त्वरित चिनियां वन विभाग को दे दी है। मामले में चिनियां प्रभारी वनपाल अनिमेष कुमार से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि विलैती खैर गांव में जंगली जानवर के द्वारा पशु पर हमला कर उसे मार डालने की खबर मिली है फुटेज के अनुसार वह तेंदुआ नहीं किसी अन्य जंगली जानवर का निशान लग रहा है। वन विभाग की टीम गांव में पहुंचकर इस घटना की मुवायना करेगी तथा पीड़ित पशूपालक को उचित मुआवजा दिलाने की पूरी कोशिश की जाएगी ।

बकरे का अवशेष तथा मांस के टुकड़े व जंगली जानवर के पैरों के निशान इधर-उधर दिखाई दिए। जिसकी सूचना त्वरित इसके ग्रामीणों ने चिनियां वन विभाग को दे दी है । मामले में प्रभारी वनपाल अनिमेष कुमार से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि बेता पंचायत की तूरी मुंडा गांव में जंगली जानवर के द्वारा बकरे पर हमला कर उसे मार डालने की जानकारी मिली है जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकता है कि वह हमला किसी जंगली जानवर ने किया है या आदमखोर तेंदुआ ने, वहीं क्षेत्र में लगातार जंगली जानवर के द्वारा जान माल का नुकसान पहुंचाया जा रहा है जिससे लोगों में भाई का माहौल व्याप्त है लोग शाम होते ही अपने अपने घरों में दुबक जा रहे हैं ।

NEWS इन ब्रीफ

15 जनवरी से होगा मटलौंग प्रीमियर लीग टूर्नामेंट का आयोजन

लातेहार। प्रखंड के मटलौंग मुखिया मायारानी के द्वारा 15 जनवरी से मटलौंग प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन बजरंग चौक पॉवर ग्रिड के समीप खेल मैदान में किया जायेगा। टूर्नामेंट में प्रथम पुरस्कार जीतने वाले टीम को 10 हजार, द्वितीय पुरुस्कार सात हजार, तृतीय पुरुस्कार तीन हजार तथा चतुर्थ पुरुस्कार के रूप में दो हजार रुपये और शिल्ड दिया जायेगा। टूर्नामेंट को भव्य बनाने के लिए कमिटी के द्वारा तैयारी शुरू कर दी गई है। उक्त आशय की जानकारी टूर्नामेंट कमिटी के अध्यक्ष ललन कुमार ने दी है उन्होंने बताया कि टूर्नामेंट के सभी मैच नॉकआउट के आधार पर खेला जाएगा। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए 6200388285 में संपर्क कर सकते हैं।

आदिम जनजाति परिवारों के बीच कंबल का वितरण

बरवाडीह। बरवाडीह रेलवे आरहोएच शेड के सहायक मडंल यांत्रिक अभियंता जीशान अली द्वारा सीएंडडब्ल्यू के अधिकारी व कर्मियों के सहयोग से मोरवाई पंचायत के ततहा में जरूरतमंद ग्रामीणों के बीच कम्बल के वितरण किया गया। वही इसके अलावा प्रखंड के कई अन्य जरूरतमंदों को भी ग्रामीण क्षेत्र में जाकर कंबल वितरण किया गया। जीशान अली ने बताया कि मानव जीवन में अपनी जरूरत से हटकर लोगों की मदद करना सबसे बड़ा धर्म है और इसी उद्देश्य के साथ मानव सेवा करने का प्रयास कर रहा हूं। मौके पर वरीय अनुभाग अभियंता सरोज सिंह, जुगनू दास, प्रकाश कुमार समेत काफी संख्या में आदिम जनजाति बहुल ग्रामीण मौजूद थे।

दुर्घटना में एक व्यक्ति घायल

गढ़वा। श्री बंशीधर नगर एन एच 75 पर जतपुरा के समीप ट्रक के चपेट में आने से एक व्यक्ति घायल हो गयाद्ध उसे इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायल व्यक्ति श्री बंशीधर नगर थाना क्षेत्र के पाल है। गांव निवासी मनोज कुमार बताया जा रहा है। घटना के संबंध में बताया गया कि वह दुकान बंद कर साइकिल से अपने घर जा रहा था, इसी बीच जेतपुरा के समीप ट्रक ने धक्का मार दिया जिससे वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया जब इस बात की सूचना घरवालों को हुआ तो घायल अवस्था में उसे उठाकर सदर अस्पताल में इलाज के लिए लाया है।

सदर अस्पताल का उपायुक्त ने किया औचक निरीक्षण

मरीजों के साथ लापरवाही हरगिज बर्दाश्त नहीं: डीसी

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। बीते देर रात उपायुक्त अबु इमरान ने सदर अस्पताल पहुंचकर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं और दी जाने वाली सुविधाओं एवं अस्पताल के जीर्णोद्धार को लेकर पूरे अस्पताल का निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा लिया।

सीएस को दिये निर्देश

इस दौरान उन्होंने सदर अस्पताल के रजिस्ट्रेशन काउंटर, रात्रि के चिकित्सकों की ड्यूटी रोस्टर, आयुष्मान कार्ड काउंटर, महिला वार्ड, प्रसुता कक्ष, आईसीयू, एसएनसीयू वार्ड, समेत अन्य वार्डों का निरीक्षण कर संबंधितों को अवश्यक दिशा निर्देश दिये। वहीं इस दौरान उन्होंने सिविल सर्जन डॉ. श्याम नंदन प्रसाद सिंह को निर्देशित करते हुए सदर अस्पताल में इमरजेंसी परिस्थिति से निपटने हेतु आईसीयू वार्ड को सातों दिन 24 घंटे संचालित रखने का निर्देश दिया। साथ ही मूलभूत सुविधाएं यथा पेयजल, शौचालय, अस्पताल एवं वार्ड की साफ-सफाई, मरीजों का रजिस्ट्रेशन, दवा, समय पर इलाज के साथ पोस्टमार्टम, चिकित्सकों की उपस्थिति, समेत अन्य को लेकर कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। वहीं उन्होंने विभिन्न वार्डों में जाकर मरीजों से भी मुलाकात कर उन्हें मिल रही चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी लिया। मौके पर उपायुक्त ने कहा कि अस्पताल का कायाकल्प करने एवं स्वास्थ्य व्यवस्था को दुरुस्त करने को लेकर लगतार असेसमेंट किया जा रहा है। जल्द हीं अस्पताल में सभी व्यवस्थओं को दुरुस्त किया जाएगा।

वनभोज कार्यक्रम, संघ की मजबूती पर हुई चर्चा

मयूरहड़(चतरा)। बुधवार को मयूरहंड प्रखंड क्षेत्र के चोरहा स्थित करकरवा नदी के किनारे प्रखंड डेकोरेशन एसोशिएशन संघ के द्वारा वनभोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें जिप सदस्य देवेंद्र चंद्रवंशी समेत लाइट, साउंड व टेंट संचालक ने शामिल हुवे। इस अवसर पर संघ को मजबूत करने के साथ व्यवसाय के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने के लिये एक दूसरे को प्रेरित किया गया। इसके उपरांत सामूहिक रूप से सभी ने वनभोज का आनंद लिया। इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष महेंद्र नायक, सचिव मुकेश राणा, उदय साव, संजय प्रजापति, प्रेम साव, अजय राणा, अशोक सिंह, धनंजय राणा, मोजामिल अंसारी आदि शामिल थे।

पंचायत समिति के बैठक में विभिन्न मामलों पर हुई चर्चा

शिक्षा विभाग की लापरवाही चरम पर

नवीन मेल संवाददाता

गिद्धौर (चतरा)। बुधवार को गिद्धौर प्रखंड कार्यालय सभागार में पंचायत समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता प्रमुख अनीता यादव व संचालन प्रखंड विकास पदाधिकारी संजीत कुमार सिंह ने किया। बैठक में जानकारी दी गयी कि प्रखंड से छात्रवृति के लिए 82 सौ आवेदन प्राप्त हुआ, जिसमे शिक्षा विभाग द्वारा 53 सौ आवेदन का ही रजिस्ट्रेशन हुआ। जिस पर बीडीओ ने बीआरपी कृष्ण मुरारी पांडेय को जमकर फटकार लगाई। बीडीओ ने शिक्षा सचिव को इसकी लिखित शिकायत कर सम्बंधित कर्मियों के विरुद्ध करवाई करने का प्रस्ताव पारित किया।

लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जायेगी : बीडीओ

बीडीओ ने कहा प्रखंड में शिक्षा विभाग की लापरवाही चरम पर है। शिक्षा विभाग के कर्मियों के लापरवाही से कई विद्यालय में लड़ाई झगड़ा हो रहा है, जो कतई बर्दाश्त नही किया जाएगा। बीडीओ ने कहा कि बारिसाखी उच्च विद्यालय में 11 कम्प्यूटर की चोरी प्रधानध्यापक व प्रबंधन समिति के लापरवाही से हुआ है। बीडीओ ने प्रधानध्यापक व प्रबंधन समिति से बीआरपी को स्पष्टीकरण की मांग का निर्देश दिया।

कई विभाग के कर्मी नहीं पहुंचे

बैठक में बैंक कर्मी, कस्तुरबा बालिका विद्यालय वार्डेन सहित अन्य विभाग के कर्मी नही पहुंचे, जिस पर समिति सदस्यों ने नाराजगी व्यक्त किया। सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार कुशवाहा ने स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों द्वारा कुर्सी पर बैठे रहने, दूसरे को सम्मान नहीं देने का मामला उठाया। बैठक में उपप्रमुख प्रीतम यादव, थाना प्रभारी मनोज कुमार पाल विधायक प्रतिनिधि महादेव दांगी, पंस सदस्य सरिता देवी, लालो साव, रहमती प्रवीण, डॉक्टर सत्य प्रकाश, तेजश्विनी की सन्ध्या कुमारी सहित अन्य उपस्थित थे।

विधिक सेवा प्राधिकार ने किया जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नवीन मेल संवाददता

चतरा। बुधवार को राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के तत्वाधान में विश्व बरेली दिवस के अवसर पर दिव्यांगों के स्वास्थ्य जीवन देने, उनका आत्मसम्मान बनाए रखने, उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करने तथा उनके अधिकारों को प्राप्त करने के मार्ग को सरल करने के उद्देश्य से सदरन प्रखंड के डहुरी स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार राकेश कुमार सिंह एवं सचिव प्रज्ञा बाजपेई एवं प्रभारी न्यायधीश उज्जवल बेग ने उपस्थित दिव्यांगजनों को कपकपाती ठंड से बचने के लिए कम्बल वितरण किया। पीडीजे ने कहा कि दिव्यांग दया के पात्र नहीं, बल्की समाज के अंग हैं इन्हें भी सम्मान पूर्ण जीवन जीने का अधिकार है। साथ ही पीडीजे ने श्रीश्री ठाकुर जी उच्च विद्यालय डहुरी के बालिकाओं को उनके मौलिक अधिकारों, मौलिक कर्तव्यों एवं स्वास्थ्य जीवन जीने के लिए आवश्यक भोजन के बारे में बताया। सचिव श्रीमती बाजपेई ने उपस्थित दिव्यांगजनों से अपील कि, की प्राधिकार के माध्यम से सरकार द्वारा चलाए जाने वाली विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाएं। साथ ही पारा लीगल वालंटियर गोपाल कृष्ण यादव एवं अनिल कुमार दांगी को आदेश दिया कि वे उपस्थित दिव्यांगों का पंजीयन कराएं ताकि उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। कार्यक्रम को सफल बनाने में पीएलबी प्रभु कुमार यादव ने अहम भूमिका निभाया।

छापेमारी अभियान चलाकर चंदवा पुलिस की कार्रवाई

दो किग्रा अफीम के साथ दो तस्कर धराए

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन को मिली गुप्त सूचना के आधार पर चंदवा पुलिस ने दो किलोग्राम अफीम के साथ दो तस्कर को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता प्राप्त की है। थाना परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता में जानकारी देते हुए पुनि सह थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता ने बताया कि पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि सासंग के रास्ते एक ब्रेजा कार में दो लोग अफीम लेकर जा रहे हैं। सूचना के आधार पर छापेमारी दल का गठन किया गया।गठित छापेमारी दल के द्वारा देर रात मीडिल स्कूल के समीप वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया अभियान के क्रम में एक ब्रेजा कार जेएच 01 डी एक्स 1074 को रोककर उसकी तलाशी ली गई, तलाशी के क्रम में गाड़ी में एक काले रंग के बैग में छुपाकर रखे दो किलो अफीम को पुलिस के द्वारा बरामद किया गया। त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके से वाहन समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

गिरफ्तार आरोपी

गिरफ्तार अपराधियों में दिलीप प्रसाद साहु पिता स्व बंशी सार्हू ,प्रदीप कुमार पिता महेंद्र साहू दोनो कुरियाम थाना बालूमाथ जिला लातेहार शामिल हैं। दोनो के पास से 27 हजार एक सौ नगद समेत दो मोबाइल फोन भी बरामद किया है। थाना प्रभारी श्री गुप्ता ने बताया कि गिरफ्तार दोनो व्यक्ति पूर्व में भी अफीम तस्करी में शामिल रहे हैं और जेल भी जा चुके हैं। छापेमारी दल में थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता, बीडीओ विजय कुमार, पुअनि दिव्यप्रकाश, आ0 त्रिलोकी सिंह, निरंजन चौधरी, संतोष कुमार सिंह, राजन कुमार, सैट- 202 सशस्त्र बल चंदवा, चालक आरक्षी विजय नरायन तिवारी शामिल थे।

17 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, गए जेल

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। एसपी राकेश रंजन को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए सदर थाना क्षेत्र के रामटुंडा फुटबॉल मैदन के पास से 17 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार कर बुधवार को जेल भेज दिया। एसडीपीओ अविनाश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना का सत्यापन करते हुवे एक छापामारी टीम का गठन किया गया। उक्त टीम के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए रामटुंडा फुटबॉल टांड के पास देवकांत कुमार दांगी उर्फ मोती दांगी पिता केदार प्रसाद ग्राम गिद्धौर व मो. परवेज पिता आरिफ ग्राम कठौतिया को पकड़ कर तलाशी ली गई तो, उनके पास से 17 ग्राम

अवैध ब्राउन शुगर, दो मोबाइल फोन व एक मोटरसाइकिल बरामद किया गया। उसके बादं दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। छापामारी दल में एसडीपीओ के साथ परिक्ष्यमान पुलिस उपाधीक्षक धनंजय राम, पुअनि प्रकाश सेठ, सअनि रामविनय सिंह व अन्य पुलिस कर्मी शामिल थे।

ट्रक-कार की भीषण टक्कर एक की मौत, पांच घायल

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। मनिका थाना क्षेत्र अंतर्गत देवबार मोड़ के पास बुधवार की सुबह ट्रक और कार में भीषण टक्कर हो गई। घटना में वाहन चालक समेत छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसमें एक 5 वर्षीय बच्ची पाको कुमारी भी शामिल है। इलाज के दौरान वाहन चालक हेरहंज थाना क्षेत्र के मोहनपुर गांव निवासी 34 वर्षीय नागेंद्र यादव ने दम तोड़ दिया। बाकी लोगों का सदर अस्पताल में इलाज किया जा रहा है, जबकि गंभीर रूप से घायल 4 लोगों को बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बालूमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत तासू गांव से मजदूरी करने के लिए बिहार के डिहरी जा रहे थे। इसी बीच मनिका थाना क्षेत्र के देवबार मोड के पास कोहरे के कारण स्विफ्ट वाहन ट्रक से जा भीड़ी। घटना का मंजर इतना खौफनाक था जिसने भी देखें उनके रोंगटे खड़े हो गए। स्विफ्ट वाहन मृतक नागेंद्र यादव का ही था और वह खुद ही वाहन चला रहा था। घायलों में तासू गांव निवासी मजदूर धर्मेंद्र उरांव, परमेश्वर भुइयां, राजमुनी देवी पति परमेश्वर भुइयां उम्र 30 वर्ष, संतोष भुईयां पिता वीरन भुइयां उम्र 28 वर्ष, व पाको कुमारी पिता परमेश्वर भुइयां उम्र 5 वर्ष का नाम शामिल है ।

मवि हरिहरपुर का बीईईओ ने की जांच

हरिहरपुर। कांडी बीईईओ विद्यासागर मेहता ने बुधवार को हरिहरपुर संकुल के अधीन दर्जन भर विद्यालयों का औचक निरिक्षण किया। औचक निरिक्षण के क्रम में विद्यालय का समुचित विकास के संबंध में दिशानिर्देश दिया गया। विद्यालय की साफ सफाई, मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता , रसोईया को ड्रेस का प्रयोग करना, रसोईया को भी दैनिक उपस्थिति बनाने, शिक्षकों उपस्थिति, बच्चों को शत प्रतिशत स्कूली ड्रेस, सहित बिंदुओं पर दिशा निर्देश दिया। क्रम में विद्यालय के सभी शिक्षकों को बताया गया कि बच्चों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा देने का हर समय प्रयास करना होगा । सरकारी स्तर पर शिक्षा विभाग के द्वारा जारी गाईड लाईन का विद्यालय में अक्षरशः पालन करना सभी कर्मियों का दायित्व बनता है ।

पहल : वन संरक्षण को लेकर ग्रामीणों को किया जागरूक

नवीन मेल संवाददाता

बरवाडीह। नीलांबर-पीतांबर विकास सोसाइटी बरवाडीह के तत्वाधान में बेतला नेशनल पार्क के रेंजर शंकर पासवान की मौजूदगी में पलामू टाइगर रिजर्व के बेतला राष्ट्रीय उद्यान अंतर्गत पोखरी कला और केालपुरवा ग्राम में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जंगल बचाने हेतु ग्रामीणों के बीच जागरूकता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम के दौरान नुक्कड़ नाटक के माध्यम से कलाकारों के द्वारा जंगलों में लगी आग को बुझाने, जंगलों और वन्य प्राणियों की सुरक्षा और संवर्धन को लेकर जानकारी दी गई। जहां रेंजर शंकर पासवान ने कहा कि पर्यावरण के क्षेत्र में प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखने

के लिए पूरे मानव समुदाय हेतु वन बहुत आवश्यक हैं। वनों में आग लगने या वृक्षों के कटाव के कारण जानवरों के आश्रयों का विनाश और प्राकृतिक संतुलन बिगड़ जाता है। पृथ्वी पर जीवन को बचाने के लिए वनों का होना बहुत जरूरी है। कार्यक्रम में बेतला फॉरेस्टर उमेश कुमार दुबे एवं संतोष सिंह के साथ साथ केचकी और कचनपुर ग्राम सैकड़ो ग्रामीण मौजूद थे।

सेविका की कथित लापरवाही के कारण बच्चों को नहीं मिल पा रहा है पोषाहार

मनिका। प्रखंड के सिन्जो पंचायत के ग्राम बाड़ी के टोला नयका बांध मे आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 124 में सेविका की लापरवाही के कारण बच्चों को पोषाहार नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीणों ने सेविका सविता देवी के आक्रोश जता रहे है। ग्रामीणों ने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्र में दो गैस सिलेंडर है। गैस सिलेंडर रहने के बावजूद 2 दिनों से आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों के लिए पोषाहार नहीं मिल रहा है। वही ग्रामीणों ने बताया की बच्चे बहुत ही कम संख्या मेंआंगनबाड़ी केंद्र में आते हैं। ग्रामीणों ने बताया की सेविका भी आंगनबाड़ी केंद्र में बहुत कम आती है। ग्रामीणों ने कहा की आंगनबाड़ी केंद्र में सुधार किया जाए एवं बच्चों को पढ़ाई के साथ पोषाहार से वंचित नहीं किया जाए। वहीं सेविका ने बताया की आंगनबाड़ी केंद्र में दो गैस सिलेंडर है और दोनों का गैस खत्म हो गया है। हमारे गलती के कारण बच्चों को 2 दिनों से पोषाहार नहीं मिल पाया है। मौके पर रविता देवी, सरिता कुमारी, पूजा कुमारी, बबीता कुमारी आदि उपस्थित थे।

दो वर्ष से सोलर जलमीनार खराब, ग्रामीण परेशान

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। झारखंड सरकार के द्वारा गांव-गांव में पेयजल की व्यवस्था सोलर आधारित जलमीनार द्वारा बनाकर किया गया। मगर लातेहार जिले के मनिका प्रखंड के सिन्जो पंचायत के ग्राम बाड़ी टोला नयका बांध मे लगाये गये सोलर जलमीनार दो वर्ष से खराब हो चुका है। वहां के ग्रामीणों का कहना है कि टंकी में पानी नहीं चढ़ रहा है। यहां रहने वाले लोगों को पीने के पानी के लिए काफी समस्या हो गई। जिस वजह से यहां के आसपास रहने वाले लोगों को पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है। यह जल मीनार दो वर्ष से खराब पड़ा हुआ है।

क्या कहते है ग्रामीण

ग्रामीणों ने बताया कि जलमीनार खराब होने से यहां के लोगों को पानी के लिए दूर-दूर तक भटकना पड़ता है। यहां तक की यहां रहने वाले लोग दूसरों के घरों से पानी

मांग कर काम चलाना पड़ता है। जलमीनार के माध्यम से आसपास रहने वाले लोगों के साथ पशुओं को भी पीने के लिए पानी मिलती है। यहां का जल मीनार खराब होने से पानी के लिए लोग बहुत ही परेशान हैं। सैकड़ों महिलाओं ने जिला प्रशासन से गुहार लगाई कि यहां पर लगा सोलर जल मीनार को जल्द से जल्द बनवाया जाए ताकि लोगों को पानी के समस्या से निजात मिल सके। मौके पर रविता देवी, सरिता कुमारी, पूजा कुमारी, बबीता कुमारी, प्रकाश सिंह, राजकुमार सिंह, समेत अनेकों महिलाएं उपस्थित थे।

जयंती | झारखंड आंदोलनकारियों ने निकाला जुलूस

सरकारी अवकाश घोषित करें: हसन

नवीन मेल संवाददाता

बरवाडीह। झारखंड आंदोलनकारियों प्रखंड इकाई के तत्वावधान में मंगलवार को जयपाल सिंह मुंडा एवं सावित्रीबाई फुले की जयंती पर जुलूस निकाली गयी। जुलूस का नेतृत्व झारखंड आंदोलनकारी सदस्य अली हसन अंसारी ने किया। जुलूस भ्रमण के उपरांत प्रखंड कार्यालय में एक सभा का आयोजन किया गया। जुलूस में लोगों ने जयपाल सिंह अमर रहे, सावित्री फुले बाई अमर रहे झारखंड आंदोलनकारी की मांगों को पूरा करें आदि का नारा लगाएं।

प्रतिमा पर माल्यार्पण

कार्यक्रम से पूर्व जयपाल सिंह मुंडा व सावित्रीबाई फुले की तस्वीर पर उपस्थित आंदोलनकारी सदस्यों ने बारी-बारी से माल्यार्पण कर उन्हें याद किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आंदोलनकारी सदस्य अली हसन अंसारी ने कहा कि जयपाल सिंह मुंडा की जन्म दिवस के अवसर पर आंदोलनकारी दिवस घोषित करते हुए सरकारी अवकाश घोषित की जाए। जयपाल सिंह मुंडा का झारखंड गठन में अहम योगदान रहा है, ऐसे में उनकी याद में प्रखंड में मुखालय स्मारक और लाइब्रेरी भवन का निर्माण कराया जाए। उन्होंने कहा कि झारखंड आंदोलनकारियों झारखंड गठन होने के बाद भी अब तक पूरी तरह उपेक्षित है। ऐसे में सरकार को आंदोलनकारियों के हितों में कार्य करने की जरूरत है। कार्यक्रम को मुरलीधर प्रसाद ने जयपाल सिंह मुंडा व सावित्रीबाई फुले को को याद करते हुए झारखंड में उनके द्वारा किए गए सराहनीय योगदान को याद किया।

प्रखंड विकास पदाधिकारी को सौंपा मांग पत्र

कार्यक्रम के अंत में एक मांग पत्र प्रखंड विकास पदाधिकारी राकेश सहाय को दी। मांग पत्र उपरांत बीडीओ ने मंच से घोषणा की किया कि आंदोलनकारियों की मांग पर बरवाडी प्रखंड मुख्यालय में जयपाल सिंह मुंडा एवं सावित्रीबाई फुले की याद में लाइब्रेरी का निर्माण कराया जाएगा एवं एवं स्मारक का भी निर्माण किया जाएगा इसके लिए उन्होंने पर्याप्त मात्रा में जमीन भी उपलब्ध कराने की घोषणा की। प्रखंड विकास पदाधिकारीद्वारा मंच से घोषणा का स्वागत किया। कार्यक्रम में वीरेंद्र ठाकुर, कृष्णा प्रसाद साहू, संतोष कुमार, मुटकुम राम, दिना नाथ राम, सरफराज अंसारी, नागेंद्र प्रसाद, ललन तुरी समेत काफी संख्या आंदोलनकारी उपस्थित थे।

हाथियों के आतंक से निजात दिलाएं जिला प्रशासन : अलाउद्दीन

चंदवा। भाकपा जिला सचिव मो अलाउद्दीन ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जिला प्रशासन से हाथियों के आतंक से ग्रामीणों को निजात दिलाने की मांग की है। अलाउद्दीन पप्पू ने कहा कि 15 की संख्या में हाथियों का झुंड ग्राम चकला के अंबाटाड़ कारीटोला में पहुंचकर भारी उत्पात मचाया है। घरों में तोड़फोड़ एवं अनाज खा गए तथा घर में रखे समान को बर्बाद कर दिया है। सीलवंती देवी पति प्रदीप पुराण, अनिल उरांव पिता नारायण राम, कुसमा देवी सहित पांच घरों में हाथियों ने तोड़फोड किया है। चंदवा प्रखंड में आए दिन लगातार हाथियों का आतंक बना हुआ है लेकिन वन विभाग पूरी तरह चैन की नींद सो रही है। आम जनता में भय व्याप्त है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी जिला सचिव मोहम्मद अलाउद्दीन पप्पू चंदवा अंचल सचिव अनिल साहू ने लातेहार उपायुक्त महोदय से आग्रह किया है कि इस मामले को संज्ञान में लेते हुए चंदवा एवं बालूमाथ क्षेत्र के हाथी से पीड़ित ग्रामीणों को हाथियों के आतंक से मुक्त कराने के साथ साथ पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा दें।

प्रखंड साक्षरता समिति के सदस्यों की बैठक

मेराल। प्रखंड साक्षरता समिति के सदस्यों की बैठक बुधवार को प्रखंड के सभागार में बीडीओ सह साक्षरता समिति के अध्यक्ष प्रवेश कुमार साव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। उपायुक्त के निदेर्शानुसार बैठक में प्रखंड समिति का पुनर्गठन किया गया। वीडियो प्रवेश कुमार साव ने साक्षरता समिति के सदस्यों के साथ 15 से 35 आयु वर्ष के लोगों को साक्षर बनाने के अभियान को सफल बनाने के रणनीति तैयार की। उन्होंने बैठक में उपस्थित बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षिका एकता नाथ तथा स्वास्थ्य विभाग के बीपीएम चंचल कुमार से आंगनबाड़ी सेविका, सहायिका तथा स्वास्थ्य सहिया को भी उक्त अभियान से जोड़ने को कहा। वीडियो ने कहा कि मनरेगा सहित सभी योजनाओं के लाभुकों को हस्ताक्षर करना अनिवार्य किया जाएगा ताकि वे निरक्षर साक्षर बन सके।

NEWS इन ब्रीफ

सेन्हा में बालू उठाव कर रहे ट्रैक्टर जब्त

सेन्हा/लोहरदगा। सेन्हा प्रखंड क्षेत्र के एकागुड़ी टंगरा टोली से गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने बालू उठाव कर ले जाया जा रहे ट्रैक्टर को जब्त किया है। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी धनन्जय पासवान ने टीम बनाकर कोयल नदी से बालू उठाव कर एकागुड़ी गांव रास्ते गन्तव्य स्थान पर ले जाया जा रहा ट्रेक्टर जेएच 07 जे 7963 को जब्त कर थाना लाया और अग्रतर करवाई के लिये अंचलाधिकारी को सुपुर्द कर दिया। मौके पर पुअनि आयता खेस समेत अन्य पुलिस के जवान मौजूद थे। थाना प्रभारी ने बताया कि जितना भी ट्रेक्टर की बालू उठाव में जब्ती होती है उसमें अधिकतर टेलर का रजिस्टेशन नम्बर अंकित नही रहता है जिससे सरकारी राजस्व का नुकसान होता है।

अखंड हरी कीर्तन व कलश यात्रा को लेकर तैयारियां शुरू

कोलेबिरा। कोलेबिरा प्रखंड मुख्यालय में रण बहादुर सिंह चौक स्थित महावीर मंदिर में दो दिवसीय अखंड हरी कीर्तन सह कलश यात्रा का आयोजन 6 जनवरी से किया जाएगा। जिसमें पहले दिन कलश यात्रा निकाली जाएगी। जिसमें कोलेबिरा के शिव मंदिर के समीप डैम से जल लेकर महावीर मंदिर श्रद्धालु आएंगे और पूजा अर्चना के बाद अखंड हरी कीर्तन, कीर्तन मंडलियों के द्वारा शुरूआत की जाएगी। वही दूसरे दिन हरि कीर्तन के पूणार्हुति के बाद भंडारा का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से सफल बनाने के लिए जीतन साहू बिनोद कुमार धनंजय झा सुमंत कुमार शिवा कुमार शुभम कुमार अभिषेक कुमार जितेंद्र तिवारी के साथ ग्रामीणों का सहयोग मिल रहा है।

विप्र फाउंडेशन ने गरीबों के बीच गर्म कपड़े का किया वितरण

सिमडेगा। विप्र फाउंडेशन जॉन-6 शाखा सिमडेगा के द्वारा बुधवार को बढ़ते ठंड को देखते हुए विप्र फाउंडेशन के अध्यक्ष सजंय शर्मा के नेतृत्व में सिमडेगा के जोगबहार एवं बंगरु पंचायत में सैकड़ो गरीब असहाय लोगों के बीच गर्म कपड़े, कम्बल, टोपी, मोजा एवं चपल का वितरण किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि प्रदेश पदाधिकारी श्यामलाल शर्मा, विशिष्ट अतिथि ब्राह्मण सभा के पदाधिकारी गोकुलचन्द्र शर्मा, वेदप्रकाश शर्मा, अशोक शर्मा, सुरेश शर्मा, कृष्णा शर्मा उपस्थित थे कार्यक्रम में विप्र फाउंडेशन महिला समिति ने बढ़-चढ़ भाग लिया जिसमें मुख्य रूप से महिला समिति के अध्यक्ष अरुणा शर्मा संरक्षक गीता देवी, सरोज देवी, किरण देवी, शुशीला देवी, सावित्री देवी, बबली शर्मा, कुसुम शर्मा, इत्यादि लोग शामिल हुए धन्यवाद ज्ञापन फाउंडेशन के महामंत्री प्रदीप शर्मा ने किया।

उप मुखिया ने बच्चों के बीच किया स्वेटर वितरण

सिमडेगा। सदर प्रखंड अंतर्गत तामड़ा पंचायत की आंगनवाड़ी केंद्र में बुधवार को पंचायत के उप मुखिया अशोक गुप्ता की मौजूदगी में समाज कल्याण विभाग की ओर से बच्चों को दी जाने वाली स्वेटर का वितरण किया। इस दौरान कुल 25 छोटे-छोटे बच्चों के बीच स्वेटर का वितरण किया। इस दौरान वार्ड पार्षद राहुल मिश्रा, आंगनबाड़ी सेविका प्रियंका देवी सहायिका दीपा देवी उपस्थित रहे।उप मुखिया ने कहा कि सरकार की ओर से यह अच्छी पहल है जहां पर छोटे-छोटे बच्चों को ठंड से बचने के लिए स्वेटर उपलब्ध कराई जा रही है जिससे कि आंगनबाड़ी में पढ़ने वाले बच्चों को ठंड में परेशानी नहीं होगी क्योंकि अधिकांश बच्चे गरीब परिवार से हैं और उन्हें सरकार की ओर से मिली मदद से काफी लाभ होगा।

उपायुक्त ने श्रम नियोजन प्रशिक्षण व कौशल विभाग की समीक्षा की

त्योहारों में वापस आये प्रवासी मजदूरों का ई-श्रम पोर्टल पर निबंधन कराने के निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। उपायुक्त सिमडेगा आर. रॉनीटा की अध्यक्षता में श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग का समीक्षात्मक बैठक का आयोजन हुआ।बैठक में उपायुक्त ने श्रम विभाग अंतर्गत संचालित औजार सहायता योजना, साईकिल सहायता योजना, निर्माण श्रमिक सेफ्टि किट, मातृत्व प्रसुविधा सहायता योजना, झारखण्ड निर्माण कर्मकार मृत्यु/दुर्घटना सहायता, मेधावी पुत्र/पुत्री छात्रवृति योजना, अंत्येष्टि सहायता, चिकित्सा सहायता, प्रवासी मजदूर/दुर्घटना सहायता, पूर्ण अपंगता की स्थिति में आर्थिक सहायता सहित असंगठित श्रमिकों का ई-श्रम पोर्टल पर निबंधन कार्यों की विस्तृत समीक्षा की।उपायुक्त ने जिला अंतर्गत सीएससी के माध्यम से अब तक ई-श्रम पोर्टल कुल 141837 निबंधन असंगठित श्रमिकों की समीक्षा की तथा त्योहारों के मद्देनजर घर वापस आये प्रवासी मजदूरों का ई-श्रम पोर्टल पर निबंधन कराने की दिशा में प्रखण्ड स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने की बात कहीं। झारखंड असंगठित कर्मकार समाजिक सुरक्षा योजना के अंतर्गत मातृत्व प्रसुविधा सहायता योजना के तहत प्रथम दो प्रसुतियों के लिए श्रम विभाग में निबंधित महिलाओं को उनकी गर्भवती की डिलीवरी के समय 15000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान किया जाता है जिसका व्यापक प्रचार-प्रसार करने की बात कहीं तथा अधिक से अधिक महिलाओं का ई-श्रम पोर्टल पर निबंधन कराने का निर्देश दिया। मेधावी पुत्र/पुत्री छात्रवृति योजना की समीक्षा के क्रम में उन्होंने इस वित्तीय वर्ष 2022-23 में लाभुक श्रमिकों को शत-प्रतिशत योजना से लाभांवित करने का निर्देश दिया। श्रमिक मित्र के तहत प्रत्येक माह 20 व्यक्तियों का निबंधन कराने हेतु लक्ष्य देने का निर्देश दिया। मानव एवं बाल तस्करी रोकने के लिए एएचटीयू थाना एवं आरपीएफ बानो से समन्वय स्थापित करते हुए रेलवे स्टेशन व बस स्टैंडर्ड पर मानव तस्करी पर रोक लगाने कि दिशा में लगातार गश्ती एवं निगरानी रखने हेतु निर्देश दिया। उन्होंने श्रम विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का फ्लैक्स व बैनर के माध्यम से सभी प्रखंड मुख्यालयों में प्रचार-प्रसार कराने का निर्देश दिया। बैठक में श्रम अधीक्षक पुनित मिंज उपस्थित थें।

उपायुक्त आर. रॉनीटा ने पेयजल स्वच्छता प्रमंडल के कार्यों का किया समीक्षा

उपायुक्त सिमडेगा आर. रॉनीटा की अध्यक्षता में बुधवार को पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल की समीक्षात्मक बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में उन्होंने जिला वार एफएचटीसी प्रगति रिपोर्ट, प्रखंड वार एफएचटीसी प्रगति रिपोर्ट, वित्तीय वर्ष 2022-23 में एफएचटीसी का निर्धारित लक्ष्य एवं प्रगति क्वार्टर 01, क्वार्टर 02, क्वार्टर 03, एवं एसवीएस व एमवीएस की समीक्षा की। उपायुक्त ने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा संचालित कार्यों की योजनावार विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने जल जीवन मिशन के तहत जिले में हो रहे कार्यों की जानकारी ली। इस दौरान कार्यपालक अभियंता ने उपायुक्त को जल जीवन मिशन के तहत अब तक हुए कार्यों से आवगत कराया। इस संबंध में उपायुक्त ने नल से जल जीवन मिशन के तहत प्रत्येक घर को नल से जल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ली गई योजनाओं को समय से पूरा करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने ने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक पदाधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि योजना के क्रियान्वयन हेतु चयनित संवेदकों से तय समय सीमा के अनुरूप कार्य को पूर्ण कराने की बात कहीं। इस माह में 20 गांव का शत-प्रतिशत एफ.एच.टी.सी. पूर्ण कराने का निर्देश दिया। इसके अलावा उन्होंने अन्य महत्वपूर्ण निर्देश दिये। बैठक में कार्यपालक पदाधिकारी अनिल प्रसाद गुप्ता व अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

हाड़ कंपाने वाली कड़ाके की ठंड से लोग परेशान

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। जिले में कड़ाके की ठंड से लोग काफी परेशान हैं। सर्दी के सितम से बचने के लिए तरह तहर के उपाए किए जा रहे हैं। पिछले तीन चार दिनों से लगातार चल रही शीतलहर ने आम लोगों की मुश्किलें काफी बढ़ा दी है। दिन भर चल रही सर्द हवाओं से जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। पिछले दो तीन दिनों से धूप नहीं निकल रही है। जिस की वजह से लोगों की और परेशानी बढ़ जा रही है। तीन दिन से चल रही सर्द हवाओं ने लोगों को घरों में ही दुबकने को मजबूर कर दिया है। हाड़ कंपा देने वाली ठंड के कारण बाजारों में चहल पहल कम दिखाई दे रही है। लोगों को रात में ठिठुरन भरी ठंड का सामना करना पड़ रहा है।हाड़ कंपा देने वाली ठंड में भी प्रशासन द्वारा अलाव की व्यवस्था नहीं की गई है। सिर्फ एक बार ठंड के शुरूआती दिनों में अलाव की व्यवस्था कर दिया गया था लेकिन जब सर्द हवाओं से मौसम में नमी आई है तो अलाव की व्यवस्था नहीं दी जा रही है। बढ़ी ठंड के कारण स्कूलों की छुट्टियां होने से बच्चों को कुछ राहत मिली है। ठंड के कारण घर के बुजुर्गों व बच्चों का बुरा हाल है। जाड़े से बचने के लिए लगातार, रजाई, कंबल, हीटर, ब्लोअर आदि लोग खरीद रहे हैं। जबकि आर्थिक रूप से कमजोर लोग दिनभर सूखी लकड़ी- पत्तियां आदि चुनकर शाम को खाना बनाने के साथ इसी आग से अपने शरीर को भी गर्म करने का प्रयास करते हैं।

प्रशासन ने नहीं किया अलाव का इंतजाम, लोग खुद कर रहे व्यवस्था

वहीं मौसम विभाग के अनुसार अगले एक सप्ताह तक मौसम में सर्दी रहने की संभावना है। शहर के रेलवे स्टेशन, बस पड़ाव, पोस्ट आफिस चौक समेत अन्य जगहों पर मजदूर तबके के लोग खुद के पैसे से लकड़ी आदि का जुगाड़ कर ठंढ से बचने की जद्दो -जहद करते नजर आते हैं। सड़क के किनारे फुटपाथों या खुले आसमान के नीचे गुजर बसर करने वाले लोगों का बुरा हाल है।

सुदर्शन भगत के प्रयास से लोहरदगा में होगा छह सड़कों का निर्माण

कुल 3002.29 लाख रुपये की लागत से बनेगी 46.650 किलोमीटर लंबी सड़क

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। सांसद सुदर्शन भगत के प्रयास से केंद्र सरकार के द्वारा लोहरदगा जिला को छह सड़को की नई सौगात दी गई हैं। कुल 3002.29 लाख में बनेगी 46.650 किलोमीटर लंबी सड़क। जिसमें सड़क निर्माण 2,386.28 लाख रुपये, स्पेन लॉन्ग ब्रीज की राशि 29 354.41 लाख रुपये व मेनटेनेंस राशि 261.60 लाख रुपये है। केंद्र सरकार के द्वारा

सड़क की स्वीकृति दी गई है। जिसमे कुडु प्रखंड के जीमा चौक से बराटपुर, लोहरदगा प्रखंड के मन्हो मोड़ से भक्सो, भक्सो से नदी नगड़ा तक, सेन्हा में जोगना मोड़ से गगिया, कोराम्बे भाया जामुनडिपा गगिया घाटा, सेरेगंहातु से पीडब्ल्यूडी रोड बख्शिडिपा तक शामिल हैं। इन सड़कों के निर्माण के लिए सुदर्शन भगत ने केंद्र सरकार की मांग की थी। जिसकी स्वीकृति के साथ राज्य को लागत राशि भी क्षेत्र के ग्रामीणों की मांग पर आवटिंत कर दी गई है। सांसद ने कहा कि इन सभी सड़कों की स्वीकृति उनके प्रयास से केंद्र सरकार के द्वारा दिया गया। केंद्र की ओर से सड़क निर्माण के लिए राशि भी झारखंड सरकार को आवंटित कर दी गई है। सांसद ने कहा कि सड़क निर्माण होने से क्षेत्र का बहुमुखी विकास होगा। गांव सीधे मुख्य मार्ग से जुड़गें। सड़क की स्वीकृति मिलने के पर भाजपा संगठन के कार्यकर्ताओं ने खुशी जाहिर की है।

जलसहियाओं को जल जांच की ऑनलाइन विधि को लेकर दी गयी ट्रेनिंग

सिमडेगा। सिमडेगा के स्थानीय अल्बर्ट एक्का स्टेडियम में बुधवार को जिला स्तरीय जलसहिया संघ की बैठक का आयोजन किया गया बैठक की अध्यक्षता रेशमा परवीन के द्वारा किया गया। बैठक में जिले के सभी प्रखंड से जलसहिया सदस्य उपस्थित रहे जहां पर बताया गया कि सभी जलसहियाओं को पेयजल स्वच्छता विभाग की ओर से जल जांच करने के लिए कार्य में लगाया गया है। जहां पर अभी इन कार्यों को ऑनलाइन प्रक्रिया के तहत किस प्रकार से डाटा एंट्री करनी है। इन सभी चीजों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। साथ ही कहा गया कि जहां पर भी जल जांच की जाएगी उसे ऑनलाइन प्रक्रिया के तहत ही की जानी है।

एकल श्रीहरि सत्संग धर्म रथ का किया उद्घाटन, सिमडेगा के लिए हुआ रवाना

ग्रामीणों के उत्थान के लिए काम करती है एकल अभियान : नवल किशोर अग्रवाल

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। एकल श्रीहरि सत्संग धर्म रथ का उद्घाटन एकल अभियान भाग अध्यक्ष नवल किशोर अग्रवाल, रिटायर्ड आर्मी सह समाजसेवी डॉ टी साहू, एवं एकल अभियान समिति द्वारा पूजा अर्चना, मंत्रोचारण के साथ नारियल फोड़कर उद्घाटन किया गया। सिमडेगा अंचल के लिए रवाना किया गया। उद्घाटन के पश्चात एकल अभियान के बारे में बताते हुए भाग अध्यक्ष नवल किशोर अग्रवाल ने बताया कि एकल अभियान समिति पांच हिस्से में क्षेत्रों में ग्रामीणों के उत्थान के लिए काम करती है। जिनमें शिक्षा, आरोग्य, ग्रामोत्थान, जागरण एवं संस्कार जैसे सामाजिक कार्य करती है। उन्होंने कहा कि एकल अभियान समिति विगत 32 वर्षो से निशुल्क काम करते आ रही है। इसी कड़ी में जो आज रथ रवाना की गई है, वो अपना सनातन धर्म का गांव-गांव में जाकर व्यास के द्वारा कृतन-भजन कर कर गांव-गांव में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने के लिए निरंतर प्रयास करते आ रही है। पूरे भारत में ऐसा रथ 63 की संख्या में है। आगे भविष्य में 200 रथ वर्ष 2023 की समाप्ति तक करना है। इस उद्घाटन समारोह में मुख्य रूप से विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता, एकल अभियान के अंचल अध्यक्ष सतीश जायसवाल, धनंजय अग्रवाल, जयगोविंद, सरोज खत्री, बलबीर देव, सत्येंद्र कुशवाहा, देवेंद्र प्रसाद, किशोर कुमार बंका, दिपक कुमार, अमीर चन्द्र, कथाकार श्याम लाल यादव, राधे उरांव, अभियान प्रमुख रंजीत यादव, जितबाहन बड़ाईक के अलावे नगर के गण्यमान्य लोग उपस्थित थे।

नेत्रहीन महिला से दुष्कर्म के मामले में तीन गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

कैरो(लोहरदगा)। कैरो थाना क्षेत्र के गुड़ी बाघी गांव में बीते दिन 55 वर्षीय नेत्रहीन महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म व हत्या कर शव को कुआं में डालने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को पकड़ा है। कैरो थाना पुलिस द्वारा बुधवार को जेल भेज दिया गया।थाना प्रभारी शंखनाथ उरांव ने बताया कि नेत्रहीन महिला से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में त्वरित करवाई करते हुए धारा 376डी, 302, 201/34 भादवी के तहत मामला दर्ज कर 24 घण्टे के अंदर तीनो

आरोपी सूरज मिंज पिता जलसई मिंज, बल्केश्वर उरांव पिता मंगरा उरांव, एवं रोबिन उरांव पिता सोमरा उरांव को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। गौरतलब है कि 3 जनवरी को कुआं से एक महिला का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी।

डालसा ने विश्व ब्रेल दिवस पर लोगों को किया जागरूक

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गुमला संजय कुमार चांधरियावी के आदेशानुसार 'विश्व ब्रेल दिवस' के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव पार्थ सारथी घोष ने सिविल कोर्ट परिसर गुमला में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान वहां उपस्थित लोगों को नेत्रहीन और दृष्टि बाधित छात्रों के आरक्षित कोटे के संबंध में विशेष जानकारी दी गई। श्री घोष ने बताया कि भारत सरकार द्वारा सभी नेत्रहीन और

दृष्टिबाधित, दिव्यांग व्यक्तियों के लिए नौकरियों के लिए एक कोटा आरक्षित किया है, उम्मीदवारों को उनकी उम्र, विकलांगता और शिक्षा के आधार पर पद के लिए चुना जाता है। दृष्टिहीनता या किसी अन्य शारीरिक अक्षमता का मतलब प्रतिभा या कौशल की कमी नहीं है, हालांकि रास्ते में आने वाले सभी कठिनाईयो के बावजूद जीवन को नेगेटिव करने की क्षमता, साहस और दृढ़ संकल्प दशार्ती है कि तथा उनको जीवन में आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता है। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने लोगों को दिव्यांगजन अधिनियम 2016, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के कार्य एवं सूचना का अधिकार अधिनियम के ब्रेल प्रिंट के बारे में विस्तारपूर्वक समझाया। मौके पर स्थाई लोक अदालत के सदस्य शंभू सिंह, अधिवक्ता बूंदेस्वर गोप, अरुण कुमार, डीएलएसए के जिया उल हक प्रकाश कुमार, मनीष कुमार, नवीन कुमार दत्ता एवं अन्य ग्रामीण जनता उपस्थित थे।

दो वक्त की रोटी को तरस रहे हैं दिव्यांग भाई बहन

नवीन मेल संवाददाता

जलडेगा। थाना क्षेत्र के कोनमेरला पंचायत अंतर्गत टिकुम टोली निवासी अंजनी कुमारी (13 वर्ष) और उसका छोटा भाई अजय कैथवार (10 वर्ष) दोनों भाई बहन चल फिर नहीं सकते हैं। दोनों पैर से दिव्यांग हैं। मां का निधन हो चुका है पिता रोजगार की तलाश मे प्रदेश गया है। सर पर मंडराता गरीबी का साया और पेट भरने के लिए दो वक्त का खाना जुगाड़ करना इन बच्चों के लिए जी का जंजाल बन हुआ है। काफी गरीब होने के कारण इन्हे दो वक्त का खाना भी मयस्सर नही होती है। कई बार तो भूखे रहना पड़ जाता है। हैरानी की बात तो ये है की ये गरीब बच्चों का घर सड़क किनार में ही है फिर भी आज तक इन बच्चों पर किसी जिम्मेदार अधिकारियों ने और न ही जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों ने इनकी ओर नजरें इनायत की है। इसे बच्चों की किस्मत कहें या विडंबना.. लेकिन फिर भी परिजन सरकारी मदद की आस लगाए बैठे हैं।

मां की हो चुकी है मौत, काम की तलास में पिता भी चला गया परदेश

जागरूक

ग्रामीणों को पर्यावरण और वन्यजीवों की सुरक्षा के प्रति किया गया जागरूक

वन, वन्य जीव जीवन के रक्षक, उनकी रक्षा हमारा दायित्व : डीएफओ

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के तत्वावधान में लोहरदगा वन प्रमंडल लोहरदगा के द्वारा बक्शीडिपा वन सभागार परिसर में मंगलवार को हाथी एवं अन्य वन्य जीवों से सुरक्षा एवं वन अग्नि से वनों की सुरक्षा से संबंधित कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उदघाटन डीएफओ अरविंद कुमार, लोहरदगा व बनारी रेंज के रेंजर अरुण कुमार के द्वारा किया गया है। मौके पर वन सुरक्षा व वन्य जीवों से खुद का बचाव को लेकर पावर प्रजेंटेशन और वन्य जीव पर आधारित फिल्म दिखाया गया। डीएफओ अरविंद कुमार ने ग्रामीणों को वन एवं वन्यजीवों का

महत्व बताते हुए उनके संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया। उन्होंने ग्रामीणों व वन समितियों को वन्य जीव संरक्षण और पेड़ पौधे के संरक्षण के लिए जागरुक और प्रेरित किया। कहा कि ग्रामीण प्रकृति के संरक्षण के लिए आगे आएं. कहा कि वन और वन्य जीव ही प्रकृति की सुंदरता है। वृक्ष हमारे वन के लिए ही नहीं, जीवन के भी रक्षक हैं और उनकी सुरक्षा हमारा दायित्व है।

उन्होंने कहा कि अगर प्रकृति से छेड़छाड़ जारी रही और उसका समुचित तरीके से संरक्षण नहीं किया गया तो इसका नुकसान

उठाना पड़ सकता है। इसके साथ ही मानव जाति के समुचित विकास के लिए प्रकृति और पर्यावरण का संरक्षण बेहद आवश्यक है। इसका कोई विकल्प नहीं है, इसलिए हमें समय रहते संभलना होगा। साथ ही प्रकृति और पर्यावरण के साथ छेड़छाड़ बंद करते हुए उसके संरक्षण के लिए प्रयास करने होंगे। वन्य जीव हमारे प्रकृति का एक अंग हैं इसकी रक्षा करना हम सबका दायित्व है। कहा कि हाथी से बचने के लिए घर मे महुआ नहीं रखे क्योंकि महुआ के सुगन्ध से हाथी आकर्षित होते हैं। घरों में मिर्च पाउडर मिलाकर उसका लेपन कीजिये। रात में अपने घर के चारो तरफ या जंगल से गांव शुरू होता है उस जगह पुराना टायर जलाकर छोड़ दें क्योंकि कोई भी जानवर आग से डरता है।

रेंजर अरुण कुमार ने कहा कि ग्रामीण वन्य जीवों से अपनी रक्षा करते हुए उसकी भी रक्षा का उपाय करना सुनिश्चित करें। जानवरों को भगाने के उपाय के बजाय उन्हें जंगल की ओर ले जाना चाहिए ताकि वे एक गांव से दूसरे गांव में नही जाकर जंगल मे चले जाएं। कहा जंगली जानवर प्रकृति का हिस्सा है। उसे मारने की जगह उसकी रक्षा करे।

इस प्रोग्राम में ट्रेंनिंग देने के लिए दशरथ ठाकुर और उनके सहयोगी उपस्थित थे। उन्होंने जंगल मे आग लगने पर क्या किया जाय यह बताया। जगलो में बहुत सारे औषधीय पौधे होते हैं जो आग लगने पर जलकर नष्ट हो जाते है। जंगल से अपना आय का स्त्रोत बढ़ाए न कि उसका दुरुपयोग करे।कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में वन प्रमंडल पदाधिकारी अरविंद कुमार, वन क्षेत्र पदाधिकारी अरुण कुमार, वनपाल जया उरांव, ग्रबेअल बेक, उप वन परिसर अधिकारी किशोर नंद कुमार, राजेन्द्र उराव,नवनीत कुमार, गौतम राम, संदीप राम, महावीर उराव, पंकज सिंह, रमेश भगत, अनिता लकड़ा, चंद्रशेखर महतो, सूरज यादव साथ ही लोहरदगा एवं कुरु के वन सुरक्षा समिति के अध्यक्ष, एवं वॉचर उपस्थित थे।

मस्क की कंपनी पर जुर्माना

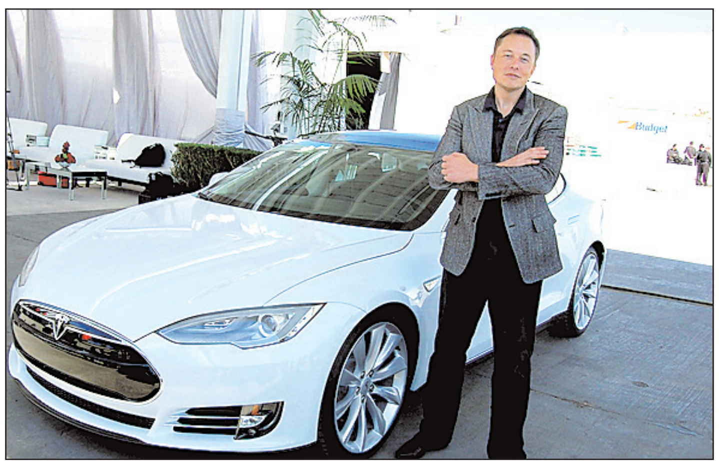

एजेंसी। नयी दिल्ली

दुनिया के सबसे अमीर इंसान एलन मस्क ने हाल ही ट्विटर को खरीदा। सीईओ बने फिर आलोचना तक झेली और फिर पद से हटने का ऐलान कर दिया। विवाद थम गया। लेकिन अब इलेक्ट्रिक वाहन का बाजार बढ़ रहा है और एलन मस्क दुनिया में इलेक्ट्रिक निर्माता कंपनी टेस्ला के मालिक भी हैं और कंपनी का दावा है कि यह सबसे बढ़िया इलेक्ट्रक कार है। लेकिन दक्षिण कोरिया ने कार की हकीकत दुनिया के सामने रख दी है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार टेस्ला पर दक्षिण कोरिया के एक कमीशन ने जुमार्ना लगाया है। दक्षिण कोरिया के एंटीट्रस्ट रेगुलेटर ने टेस्ला पर 2.9 बिलिन वॉन यानी 2.2 मिलियन डॉलर का जुर्माना लगा दिया है। रेगुलेटर का कहना है कि टेस्ला ने अपने ग्राहकों को यह सूचित नहीं किया है कि कंपनी की सबसे ज्यादा बिकने वाली इलेक्ट्रिक कारों का माइलेज ठंडियों में आधा हो जाता है। रेगुलेटर ने अपने इस फैसले में यह भी कहा कि कंपनी ने ऑनलाइन जो भी दावे किए हैं वह काफी बढ़ा चढ़ा कर पेश किए गए हैं और इतना ही नहीं गलत दावे भी किए गए हैं। रेगुलेटर का कहना है कि रेंज और चार्जिंग स्पीड के बारे में भी फर्जी दावे किए हैं। कोरिया के फेयर ट्रेड कमीशन ने ये बातें कही हैं। रेगुलेटर का यह भी कहना है कि कंपनी ने गैसोलिन गाड़ियों की तुलना में दावों में गाड़ियों के कॉस्ट इफेक्टिव होने की बात कही है जो धोखा देने के समान है। कमीशन के अनुसार टेस्ला द्वारा जो दावा कंपनी की कारों पर माइलेज को लेकर किया गया है वह भी गलत है क्योंकि इन ई-कारों का माइलेज 50.5 प्रतिशत तक सर्दियों में गिर जाता है। स्थानीय वेबसाइट पर कंपनी ने इस प्रकार के दावे भी किए हुए हैं। जानकारी के लिए बता दें कि एलन मस्क की कंपनी टेस्ला ई-कार ब्रैंड है जो जल्द ही भारतीय कार बाजार में प्रवेश करने वाली है। अपने भारतीय उत्पाद लाइन-अप में, टेस्ला के पास 2 कारें हैं- मॉडल 3 और मॉडल एस। टेस्ला ब्रैंड की पहली आगामी कार मॉडल 3 के भारत में जल्द ही 70.00 लाख रुपये की अनुमानित कीमत पर लॉन्च होने की उम्मीद है। बता दें कि टेस्ला को भारत में निर्माण करने के लिए प्लांट लगाने के लिए भारत सरकार ने आमंत्रण दिया था मगर कंपनी चीन में उत्पादन कर भारत में निर्यात का मन बना चुकी थी।

भारत एशियाई प्रशांत डाक संघ का नेतृत्व संभालेगा

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत इस महीने से एशियाई प्रशांत डाक संघ (एपीपीयू) का नेतृत्व संभालेगा। इसका मुख्यालय बैंकॉक, थाईलैंड में है। अगस्त-सितंबर 2022 के दौरान बैंकॉक में आयोजित 13वीं एपीपीयू कांग्रेस के दौरान हुए सफल चुनावों के बाद, डाक सेवा बोर्ड के पूर्व सदस्य (कार्मिक) डॉ. विनय प्रकाश सिंह 4 वर्षों के कार्यकाल के लिए संघ के महासचिव का पदभार संभालेंगे। एशियाई प्रशांत डाक संघ(एपीपीयू) एशियाई-प्रशांत क्षेत्र के 32 सदस्यीय देशों का एक अंतर-सरकारी संगठन है। एपीपीयू इस क्षेत्र में यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन (यूपीयू) का एकमात्र प्रतिबंधित संघ है, जो संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है। एपीपीयू का लक्ष्य डाक सेवाओं के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देना के लिए सदस्य देशों के बीच डाक संबंधों का विस्तार,सुविधा देना और सुधार करना है। विभिन्न यूपीयू परियोजनाओं के क्षेत्रीय केंद्र के रूप में, एपीयूयू यह सुनिश्चित करने में भी अग्रणी भूमिका निभाता है कि यूपीयू की सभी तकनीकी और परिचालन परियोजनाएं इस क्षेत्र में पूरी हो जाएं ताकि क्षेत्र को सर्वोत्तम संभव तरीके से वैश्विक डाक नेटवर्क में एकीकृत किया जा सके। डाक संघ को लेकर डॉ. सिंह ने कहा, मेरा लक्ष्य डाक नेटवर्क के माध्यम से व्यापार के विकास में सुधार करने, संघ की स्थिरता सुनिश्चित करने और एपीपीसी में कराए जाने वाले प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में सुधार करने के लिए एशिया प्रशांत क्षेत्र में डाक से जुड़े संस्थानों के साथ क्षेत्रीय समन्वय में सुधार करना है।

वेदांता का एल्युमीनियम उत्पादन दो प्रतिशत घटा

नयी दिल्ली। वेदांता ने मंगलवार को कहा कि चालू वित्तवर्ष की तीसरी तिमाही में उसका कुल एल्युमीनियम उत्पादन दो प्रतिशत घटकर 5,66,000 टन रह गया। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी का कुल एल्युमीनियम उत्पादन 5,79,000 टन था। वेदांता ने बीएसई को एक सूचना में यह जानकारी दी। कंपनी ने कहा कि तीसरी तिमाही में तैयार इस्पात का उत्पादन पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही के 3,50,000 टन से घटकर 3,06,000 टन रह गया।

सैमसंग गैलेक्सी एफ 04 स्मार्टफोन हुआ लॉन्च

नयी दिल्ली। कोरियन कंपनी सैमसंग ने भारत में अफोर्डेबल गेमिंग स्मार्टफोन लॉन्च कर दिया है। सैमसंग गैलेक्सी एफ04 में 5000 एमएएच की बड़ी बैटरी मिलती है। इसके अलावा स्मार्टफोन में 16.55 सेंटीमीटर की (6.5 इंच) का एच प्लस डिस्प्ले मिलता है। यह जेड पर्पल और ओपल ग्रीन कलर ऑप्शन में अवेलेबल है। सैमसंग गैलेक्सी एफ04 में 4 जीबी रैम और 64 जीबी स्टोरेज की कीमत 9,499 रुपए रखी गई है। लेकिन, लॉन्चिंग ऑफर में कस्टमर इस फोन को 7,499 रुपए में खरीद सकते हैं। सैमसंग गैलेक्सी एफ04 12 जनवरी से ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म फ्लिपकार्ट पर बिक्री के लिए अवेलेबल रहेगा। कंपनी फोन के लिए 1 साल की और इन-बॉक्स एसेसरीज पर 6 माह की मैन्युफैक्चरर वारंटी दे रही है।

क्रिप्टो करेंसी में रहा उछाल, बिटकॉइन और ईथर समेत इन डिजिटल टोकन में बढ़ोतरी

नयी दिल्ली। क्रिप्टोकरेंसी मार्केट में इस साल लगातार दूसरे दिन बढ़ोतरी हुई है। ग्लोबल स्तर पर क्रिप्टोकरेंसी मार्केट कैप 1 ट्रिलियन डॉलर के नीचे बना हुआ है। वहीं पिछले 24 घंटे के दौरान इसमें बढ़ोतरी हुई है और यह अब 844 बिलियन डॉलर हो चुका है। दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे लोकप्रिय डिजिटल टोकन बिटकॉइन 16,728 डॉलर पर रहा। वहीं दुनिया के दूसरे और फेमस डिजिटल टोकन ईथर की बात करें तो इथेरियम बढ़ोतरी के साथ 1,229 डॉलर पर था। जबकि डॉजकॉइन की कीमत फ्लैट रही और यह 0.07 डॉलर पर था। इसके अलावा,शिबा इनू की प्राइस गेन के साथ ही 0.000008 डॉलर पर थी। सबसे बड़े डिजिटल टोकन बिटकॉइन ने पिछले 24 घंटे में 1.04 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की है। यह 1,396,925.75 रुपये की कीमत पर कारोबार कर रहा था। भारत में दूसरे नंबर का सबसे बड़ा कॉइन इथेरियम 103,546.18 रुपये पर कारोबार कर रहा था, जिसने 2.89 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है। इस कॉइन की बात करें तो यह 82.86 रुपये पर कारोबार कर रहा था, जो 0.05 प्रतिशत की उछाल दर्ज किया था।

कनाडा में विदेशियों के घर खरीदने पर दो साल का लगा प्रतिबंध

एजेंसी। कनाडा

कनाडा की सरकार ने विदेशियों के घर खरीदने पर बैन लगा दिया है। सिर्फ कनाडा के निवासी ही वहां पर घर खरीद सकते हैं। यह प्रतिबंध दो साल के लिए लगाया गया है यानी 2025 तक कोई भी विदेशी नागरिक वहां पर घर नहीं खरीद सकता है। विगत रविवार को ही सरकार ने नोटिफिकेशन जारी कर इसकी जानकारी दी थी और अब इसे लागू कर दिया गया है। विदेशियों के घर खरीदने पर दो साल का प्रतिबंध लागू हो चुका है। सीएनबीसी की एक रिपोर्ट में जानकारी दी गई है कि 2020 और 2021 में घर की कीमतों में भारी वृद्धि देखी गई थी। कनाडा में औसत घर की कीमतें फरवरी में 800,000 रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी। हालांकि 2022 में फरवरी के बाद से गिरी है, फिर भी यहां संपत्ति के दाम हाई लेवल पर हैं। कैनेडियन बैंक संपत्ति की कीमतों में बढ़ोतरी के लिए जिम्मेदार है क्योंकि इसने ब्याज दरों में वृद्धि जारी रखी है, जिसके परिणामस्वरूप देश में दरें बढ़ी हैं। कनाडाई रियल एस्टेट एसोसिएशन का मूल्य सूचकांक 2019 के अंत से महामारी से पहले 38 प्रतिशत ऊपर है। एक बयान में संघीय आवास मंत्री अहमद हुसैन ने कहा कि प्रतिबंध का मतलब खरीदारों को घरों में रहने और परिवार को बढ़ाने के बजाय वस्तुओं के रूप में देखने से हतोत्साहित करना है।

केवल तीन सालों में टीडी पावर सिस्टम्स ने निवेशकों को दिया 9 गुना तक का रिटर्न

एजेंसी। नयी दिल्ली

शेयर मार्केट में उतार-चढ़ाव का दौर जारी रहता है। ऐसे में मार्केट में निवेश करना बहुत रिस्की माना जाता है, लेकिन मार्केट में कुछ ऐसे शेयर्स हैं जिसने अपने निवेशकों को कुछ ही सालों में तगड़ा रिटर्न दिया है। इस तरह के शेयर्स को मल्टीबैगर शेयर कहते हैं। आज हम आपको जिस मल्टीबैगर शेयर के बारे में जानकारी देने वाले हैं उस शेयर का नाम है टीडी पावर सिस्टम्स। इस शेयर ने निवेशकों को कुछ ही सालों में 9 गुना तक का रिटर्न दिया है। कल भी इस शेयर ने निवेशकों को तगड़ा रिटर्न दिया है और यह 141.30 रुपये प्रति शेयर के भाव पर बंद हुआ है। आज भी इस शेयर में तेजी देखी जा रही है। टीडी सिस्टम्स के इस शेयर ने निवेशकों को 3 साल में करीब 817 फीसदी का रिटर्न दिया है। वहीं पिछले 6 महीने की बात करें तो शेयर्स के प्राइस करीब 50 फीसदी तक बढ़ गए हैं। वहीं एक साल में निवेशकों को कुल 62 फीसदी का रिटर्न मिला है। मार्च 2020 में यह शेयर 15.40 रुपये पर था। इसके बाद यह शेयर कल 141.30 पर बंद हुआ है। ऐसे में 3 साल से कम की अवधि में यह शेयर करीब 9 गुना तक बढ़ चुका है। अगर आपने मार्च 2020 में यह शेयर 1 लाख रुपये में खरीदे होंगे तो आपको अब आपको 9 लाख रुपये का रिटर्न मिलेगा। आज की बात करें तो फिलहाल कंपनी के शेयरों में आज तेजी दर्ज की जा रही है। आज यह शेयर 1।70 फीसदी की तेजी के साथ 143.55 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहा है। वहीं कंपनी की बात करें तो यह टरबाइन का कारोबार करती है। कंपनी अलग-अलग तरह के कई टरबाइन बनाती है जिसमें स्टीम टरबाइन, गैस टरबाइन, हाइड्रो टरबाइन, विंड टरबाइन जैसे शामिल है। इसके साथ ही कंपनी जियोथर्मल, सोलर थर्मल जैसे जनरेटर को भी बनाती है।

न्यायालय जिला नीलाम पत्र पदाधिकारी, लातेहार

सूचना

एतद् द्वारा निम्नांकित नीलाम पत्र वाद के बकाया देनदारों को सूचित किया जाता है कि अपने नाम के सम्मुख कालम–9 में अंकित राशि दिनांक 10.01.2023 तक संबंधित बैंक में जमा कर अदेय प्रमाण पत्र अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में प्रस्तुत करे। निर्धारित अवधी के पश्चात आपके विरुद्ध पब्लिक डिमांड रिकवरी एक्ट 1914 की धारा 3(3) के सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत गिरफ्तारी वांरट/कुर्की जब्ती की कार्रवाई की जाएगी।

क्रम संख्या	वाद संख्या	वर्ष	वाद दायर करने वाले पदाधिकारी/बैंक का नाम	वाद का प्रकार	देनदार का नाम एवं पता	राशि	जमा	शेष राशि	दफा–07 का नोटिस
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	699	2022-23	युको बैंक, लातेहार	बैंक ऋण	मां भगवती कृष्णा भंडार, प्रो0 गौतम दास, ग्राम–थाना रोड, दुर्गा मंदिर, लातेहार, पो0+थाना–लातेहार 829204	581903.00	0.00	581903.00	निर्गत
2	698	2022-23	युको बैंक, लातेहार	बैंक ऋण	श्री सूरज प्रसाद, पिता स्व0 अरुण प्रसाद, ग्राम–तापाखास, मेन रोड लातेहार, पो0+थाना–लातेहार	556447.00	0.00	556447.00	निर्गत
3	697	2022-23	युको बैंक, लातेहार	बैंक ऋण	राजू प्रसाद पिता विरजू प्रसाद, ग्राम–वार्ड नं0 – 7 चट्टी मुहल्ला, गुरुद्वारा रोड, स्टेशन रोड, लातेहार	110000.00	0.00	110000.00	निर्गत
4	9	2020-21	इंडियन बैंक, लातेहार	बैंक ऋण	राकेश कुमार शौंडिक पिता अरूण प्रसाद शौंडिक, श्रीमती सीमा कुमारी पति राकेश कुमार शौंडिक सभी ग्राम–तापाखास, मेनरोड लातेहार।	650921.00	4000.00	646921.00	निर्गत
5	257	2021-22	बैंक ऑफ इंडिया, चंदवा	बैंक ऋण	रंजीत तिवारी पिता राधो तिवारी, ग्राम–सरोज नगर, गायत्री मंदिर के समीप, पो0+थाना–चंदवा, जिला–लातेहार	570150.00	0.00	570150.00	निर्गत
6	13	2021-22	बैंक ऑफ इंडिया, चंदवा	बैंक ऋण	संजय कुमार भगत, पिता साधुशरण भगत, ग्राम–आन, चंदवा, पो0+थाना–चंदवा, जिला–लातेहार	735000.00	0.00	735000.00	निर्गत
7	146	2017-18	बैंक ऑफ इंडिया, लातेहार	बैंक ऋण	1. दिनेश कुमार महलका, पिता मुरलीधर महलका, मेन रोड लातेहार, पो0+थाना+जिला– लातेहार 2 मंजु देवी, पति दिनेश कुमार महलका, मेन रोड लातेहार, पो0+थाना+जिला– लातेहार।	998600.00	0.00	998600.00	निर्गत
8	145	2017-18	बैंक ऑफ इंडिया, लातेहार	बैंक ऋण	मेसर्स डी0डी0 कान्क्रीट 1. प्रो0 ईश्वर चन्द मिश्रा, पिता कृष्ण मुरारी मिश्रा, 2. प्रो0 प्रमोद भारती दोनों ग्राम–सधवाडीह, आदर्श स्कूल के समीप, मनिका, पो0+थाना–मनिका, जिला–लातेहार 3. अजय कुमार मिश्रा, पिता कृष्णा मुरारी मिश्रा, ग्राम+पो0+थाना–मनिका, जिला–लातेहार	739520.00	50000.00	689520.00	निर्गत
9	144	2017-18	बैंक ऑफ इंडिया, लातेहार	बैंक ऋण	1. साई इंटरप्राईजेज, प्रो0 पंकज कुमार सिन्हा, पिता लवकेश प्रसाद, दयाल काम्पलेक्स, धर्मपूर, लातेहार पोस्ट+थाना–लातेहार 2. लवकेश प्रसाद, पिता चितेश्वर दयाल, दयाल काम्पलेक्स, धर्मपूर, लातेहार पोस्ट+थाना–लातेहार (गारन्टर)	764920.00	65000.00	699920.00	निर्गत
10	137	2017-18	बैंक ऑफ इंडिया, लातेहार	बैंक ऋण	प्रदीप कुमार पिता दिनेश कुमार तुरी, ग्राम–छापरटोली, आर्सनदे, प्रखण्ड चौक कांके के समीप, पो0–बोरिया, थाना–कांके, जिला–रांची स्थायी पता – ग्राम+पो0 – डाढ़ा, थाना+जिला–लातेहार।	582040.00	0.00	582040.00	निर्गत
11	135	2017-18	बैंक ऑफ इंडिया, लातेहार	बैंक ऋण	1. मेसर्स आर0सी0 इण्टरप्राईजेज, प्रो0 रजनीश भूषण पिता राम छबीला सिंह, ग्राम–धर्मपूर, पो0+थाना+जिला–लातेहार 2. राम छबीला सिंह, पिता इन्द्रमनी सिंह, ग्राम–धर्मपूर, पो0+थाना+जिला–लातेहार	653200.00	0.00	653200.00	निर्गत
12	171	2021-22	केनरा बैंक, लातेहार	बैंक ऋण	मेसर्स विकास ज्वैलरी, पंचन कुमार सोनी, पिता धर्नेश्वर प्रसाद सोनी, मेन रोड लातेहार, पो0+थाना+जिला–लातेहार।	858000.00	154900.00	703100.00	निर्गत
13	170	2021-22	केनरा बैंक, लातेहार	बैंक ऋण	पुजा भास्कर, पति विशाल भास्कर ग्राम–कीनामाड, लातेहार, पो0+थाना+जिला– लातेहार।	1124000.00	110000.00	1014000.00	निर्गत
14	169	2021-22	केनरा बैंक, लातेहार	बैंक ऋण	गुन्जन प्रसाद, पिता बद्री प्रसाद, मेन रोड लातेहार, पो0+थाना+जिला– लातेहार।	831000.00	0.00	831000.00	निर्गत
15	167	2021-22	केनरा बैंक, लातेहार	बैंक ऋण	विजया लक्ष्मी पिता पंकज कुमार सिन्हा, ग्राम–धर्मपुर, पो0+जिला–लातेहार	894000.00	0.00	894000.00	निर्गत
16	166	2021-22	केनरा बैंक, लातेहार	बैंक ऋण	अभिषेक कुमार, पिता राम कुमार प्रसाद, मेन रोड लातेहार, पो0+थाना+जिला– लातेहार।	968000.00	0.00	968000.00	निर्गत
17	165	2021-22	केनरा बैंक, लातेहार	बैंक ऋण	दीपक कुमार सिंह पिता राजेन्द्र प्रसाद सिंह, ग्राम–डुरूआ, लातेहार स्टेशन, जिला–लातेहार	431777.00	0.00	431777.00	निर्गत
18	164	2021-22	केनरा बैंक, लातेहार	बैंक ऋण	सपना वस्त्रालय, प्रो0 दीपक कुमार सिंह पिता राजेन्द्र प्रसाद सिंह, ग्राम–डुरूआ, लातेहार स्टेशन, जिला–लातेहार	799139.00	0.00	799139.00	निर्गत
19	162	2021-22	केनरा बैंक, लातेहार	बैंक ऋण	उमेश कुमार सिंह, पिता गणेश सिंह, ग्राम–रामपुर, पो0–बारी, थाना–चंदवा, जिला–लातेहार	925627.00	78487.00	847140.00	निर्गत
20	1	2021-22	केनरा बैंक, लातेहार	बैंक ऋण	मायामाया ट्रेडर्स, प्रो0 राकेश कुमार शौंडिक, पिता अर्जन प्रसाद, ग्राम–तापाखास, मेन रोड, लातेहार	1298433.00	0.00	1298433.00	निर्गत
21	703	2022-23	केनरा बैंक, लातेहार	बैंक ऋण	मेसर्स न्यू श्री माँ वैष्णवी ज्वेलर्स, प्रो0 गुप्तेश्वर प्रसाद सोनी, पिता राजेश प्रसाद, ग्राम–करकट, थाना+पो0+जिला –लातेहार	638623.00	0.00	638623.00	निर्गत
22	701	2022-23	केनरा बैंक, लातेहार	बैंक ऋण	मेसर्स सनराइज आटो मो0 इरफान मियां @ अंसारी, पिता सहादत अंसारी, 2. श्रीमती नसीमा बीबी, पति इरफान मियां @अंसारी, ग्राम–मुरपा, थाना+पो0–बालूमाथ	1469850.00	0.00	1469850.00	निर्गत
23	206	2018-19	भारतीय स्टेट बैंक, मनिका	बैंक ऋण	कपिल देव सिंह, पिता विन्देश्वर सिंह, ग्राम–बांदी, पो0+थाना–मनिका, जिला–लातेहार	553696.54	0.00	553696.54	निर्गत
24	115	2018-19	भारतीय स्टेट बैंक, महुआडांड	बैंक ऋण	अजीमुद्दीन मियां पिता अहमद ग्राम–अम्बाटोली, पोस्ट+थाना– महुआडांड, जिला – लातेहार	502840.00	0.00	502840.00	निर्गत
25	11	2020-21	भारतीय स्टेट बैंक, हेरहंज	बैंक ऋण	गीता देवी पति मुकेश कुमार चौरसिया, ग्राम–महुआ, चैनपुर, जिला–पलामू	1012771.00	0.00	1012771.00	निर्गत
26	10	2020-21	भारतीय स्टेट बैंक, भैसादोन, बालूमाथ	बैंक ऋण	रंजीत कुमार गुप्ता, पिता वाजो साव उर्फ बजरंगी साव, ग्राम–तेली टोला, बालूमाथ, पो0+थाना–बालूमाथ, जिला–लातेहार	1056165.00	0.00	1056165.00	निर्गत
27	623	2022-23	भारतीय स्टेट बैंक, भैसादोन, बालूमाथ	बैंक ऋण	मो0 अदील, पिता स्व0 सबीर अहमद, एस0बी0आई0 मुरपा चौक, बालूमाथ, पो0+थाना–बालूमाथ, जिला–लातेहार	510146.00	0.00	510146.00	निर्गत
28	622	2022-23	भारतीय स्टेट बैंक, भैसादोन, बालूमाथ	बैंक ऋण	मेसर्स इंडियन बैटरी, प्रो0 मो0 इकबाल, पिता मो0 कलीमुद्दीन, ग्राम–मुरपा, पो0+थाना–बालूमाथ, जिला–लातेहार	956849.00	0.00	956849.00	निर्गत
29	620	2022-23	भारतीय स्टेट बैंक, भैसादोन, बालूमाथ	बैंक ऋण	नन्दनी मोबाईल सेन्टर, प्रो0 जयशंकर प्रसाद गुप्ता, पिता रामस्वारथ साव, ग्राम–बालूमाथ, पो0+थाना–बालूमाथ, जिला–लातेहार	815792.00	0.00	815792.00	निर्गत
30	619	2022-23	भारतीय स्टेट बैंक, भैसादोन, बालूमाथ	बैंक ऋण	संजना गारमेन्ट प्रो0 रामप्रवेश कुमार पिता गोपाल साव, ग्राम–किशनपुर, पो0+थाना+जिला–चतरा 825401	961656.00	0.00	961656.00	निर्गत
31	618	2022-23	भारतीय स्टेट बैंक, भैसादोन, बालूमाथ	बैंक ऋण	मो0 इस्तेक्यून पिता कलीमुद्दीन ग्राम–मुरपा, बालूमाथ 2. मो0 क्यूम, हाउस नं0 205 नजदीक देराबाड़ी अब्दुल करीम लेन, पुरानी रांची, थाना–कोतवाली– रांची 834001	701601.00	0.00	701601.00	निर्गत
32	404	2022-23	भारतीय स्टेट बैंक, भैसादोन, बालूमाथ	बैंक ऋण	बिरेन्द्र प्रसाद सिंह, पिता स्व0 चन्द्रीका सिंह, ग्राम–मुरूबार, पो0–कुन्दरी, थाना–लेस्लीगंज, जिला–पलामू 822118	705208.80	0.00	705208.80	निर्गत
33	398	2022-23	भारतीय स्टेट बैंक, भैसादोन, बालूमाथ	बैंक ऋण	रंजीत कुमार सिंह, पिता शिवमंगल सिंह, ग्राम–सी0सी0एल तेतरीया खाड़, पो0+थाना–बालूमाथ, जिला–बालूमाथ	763898.31	0.00	763898.31	निर्गत
34	401	2022-23	भारतीय स्टेट बैंक, चंदवा	बैंक ऋण	मो0 फारूक अंसारी, पिता मो0 सुलेमान अंसारी, तिलैयाटाड़, चंदवा, लातेहार	590754.00	0.00	590754.00	निर्गत
35	305	2022-23	भारतीय स्टेट बैंक, चंदवा	बैंक ऋण	अमोद प्रसाद, पिता बृजमोहन साव, ग्राम–आन, पो0+थाना–चंदवा, जिला–लातेहार	780000.00	0.00	780000.00	निर्गत
36	304	2022-23	भारतीय स्टेट बैंक, चंदवा	बैंक ऋण	मनीषा कुमारी, पिता अशोक प्रसाद साव, ग्राम–सरगाना, सतोला, जिला–लातेहार	650000.00	0.00	650000.00	निर्गत
37	4	2016-17	भारतीय स्टेट बैंक, लातेहार	बैंक ऋण	अभिषेक कुमार, पिता राम कुमार प्रसाद एवं रामकुमार प्रसाद पिता गनारी साव दोनों निवासी पवन होटल के समीप, लातेहार पो0+थाना+जिला– लातेहार।	762679.00	0.00	762679.00	निर्गत
38	11	2017-18	भारतीय स्टेट बैंक, लातेहार	बैंक ऋण	मनोज पासवान, पिता महेन्द्र मांझी, ग्राम–परसही, पो0–लेधपा, थाना+जिला– लातेहार।	506338.00	60000.00	446338.00	निर्गत
39	160	2020-21	भारतीय स्टेट बैंक, लातेहार	बैंक ऋण	पंकज स्टील, पिता अवधेश प्रसाद, ग्राम–धर्मपुर, पो0–लातेहार	1105866.00	503293.00	602573.00	निर्गत
40	3	2021-22	भारतीय स्टेट बैंक, लातेहार	बैंक ऋण	रोहितस कुमार पिता भगवान सिंह, ग्राम–दौलताबाद, पो0–करस, थाना–इगलास, जिला–अलीगढ़, यू0पी0 204101	686603.00	0.00	686603.00	निर्गत
41	336	2022-23	भारतीय स्टेट बैंक, लातेहार	बैंक ऋण	फूलचंद यादव पिता गुठल यादव, ग्राम–गुरूगु, पो0–नावागढ, थाना+पो0–लातेहार	558320.00	0.00	558320.00	निर्गत
42	326	2022-23	भारतीय स्टेट बैंक, लातेहार	बैंक ऋण	सुरेश कुमार महलका, पिता मुरलीधर महलका, थाना चौक, लातेहार, पो0+थाना+जिला– लातेहार	583513.00	0.00	583513.00	निर्गत
43	315	2022-23	भारतीय स्टेट बैंक, लातेहार	बैंक ऋण	रजनीश भूषण, पिता रमचबीला सिंह, 2. रामचबीला सिंह, पिता स्व0 इन्द्रमनी सिंह ग्राम–धर्मपुर, पो0+जिला–लातेहार	864576.00	0.00	864576.00	निर्गत
44	308	2022-23	भारतीय स्टेट बैंक, लातेहार	बैंक ऋण	विनय कुमार सिंह, पिता कुलदीप सिंह, ग्राम–रहेया, पो0–डेमू, थाना+जिला–लातेहार	528734.00	0.00	528734.00	निर्गत
45	325	2018-19	सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया, बालूमाथ	बैंक ऋण	अखिलेश गंझू पिता बादू गंझू ग्राम–भगेया, पो0– मुरपा, थाना–बालूमाथ, जिला–लातेहार	765344.00	0.00	765344.00	निर्गत
46	324	2018-19	सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया, बालूमाथ	बैंक ऋण	मलाकी तिर्की पिता दानियल तिर्की, ग्राम–चेताग, पो0+थाना–बालूमाथ, जिला–लातेहार	1134713.00	637444.00	497269.00	निर्गत
47	322	2018-19	सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया, बालूमाथ	बैंक ऋण	सोना उरांव, पिता स्व0 दुखन उरांव, ग्राम+पो0+थाना–बालूमाथ, जिला–लातेहार	1037836.00	589343.00	448493.00	निर्गत
48	321	2018-19	सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया, बालूमाथ	बैंक ऋण	नागेश्वर कुमार यादव, पिता भोला यादव, ग्राम–बुकरू, पो0–शेरेगडा, थाना–बालूमाथ, जिला–लातेहार	846694.00	228694.00	618000.00	निर्गत
49	313	2018-19	सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया, बालूमाथ	बैंक ऋण	मो0 अबुसलाह, पिता मो0 सफीक, ग्राम+पो0+थाना–बालूमाथ, जिला–लातेहार	858220.00	701837.00	156383.00	निर्गत
50	428	2019-20	सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया, हेठपोचरा, लातेहार	बैंक ऋण	नेहा कुमारी, पिता नरेश कुमार, मेनरोड लातेहार, पो0+थाना+जिला–लातेहार	999375.00	0.00	999375.00	निर्गत
51	235	2021-22	सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया, हेठपोचरा, लातेहार	बैंक ऋण	शिवशंकर तिवारी, पिता द्वारिका तिवारी, ग्राम–सोतम, पो0–पोचरा, जिला–लातेहार	513245.00	0.00	513245.00	निर्गत
52	234	2021-22	सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया, हेठपोचरा, लातेहार	बैंक ऋण	सुदामा लोहरा, पिता रामदेव लोहरा, ग्राम–कुरियामकला, पो0–होलंग, जिला–लातेहार	906308.00	0.00	906308.00	निर्गत
53	230	2021-22	सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया, हेठपोचरा, लातेहार	बैंक ऋण	रितेश कुमार पिता नरेश कुमार, ग्राम–मेनरोड, लातेहार, पो0+थाना+जिला– लातेहार	721264.00	0.00	721264.00	निर्गत
54	204	2021-22	सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया, हेठपोचरा, लातेहार	बैंक ऋण	दशरथ सिंह, पिता स्व0 चामर सिंह, ग्राम–मतनाग, पो0–हेठपोचरा, थाना+जिला–लातेहार	519315.00	0.00	519315.00	निर्गत
55	201	2021-22	सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया, हेठपोचरा, लातेहार	बैंक ऋण	त्रिपुंजय सिंह, पिता लाल सिंह, ग्राम–मंगरा, पो0–मुरूप, थाना+जिला– लातेहार	810618.00	0.00	810618.00	निर्गत
56	303	2021-22	आई0डी0बी0आई0 बैंक, लातेहार	बैंक ऋण	प्रवीण राम पिता सुदर्शन राम, ग्राम–चैनपुर, जिला–पलामू	363872.00	56537.00	307335.00	निर्गत
57	110	2021-22	आई0डी0बी0आई0 बैंक, लातेहार	बैंक ऋण	सोम्या ट्रेडर्स, प्रो0 रेखा गुप्ता, पति सचिन कुमार, ग्राम–चंदनडीह, पो0–लातेहार, पानी टंकी, आई0डी0बी0आई0 बैंक के समीप, लातेहार	981300.00	0.00	981300.00	निर्गत
58	108	2021-22	आई0डी0बी0आई0 बैंक, लातेहार	बैंक ऋण	अभिजीत कुमार पाण्डेय, पिता इन्द्रेश पाण्डेय, ग्राम–विशुनपुर, पो0+थाना+जिला–लातेहार	172050.00	48564.00	123486.00	निर्गत
59	122	2015-16	झारखण्ड राज्य ग्रामीण बैंक, बारियातु	बैंक ऋण	सुशील यादव, पिता तुलसी यादव, ग्राम–रहेया, पो0–चेडरा, थाना–बालूमाथ, जिला–लातेहार	618656.00	0.00	618656.00	निर्गत
60	136	2015-16	झारखण्ड राज्य ग्रामीण बैंक, कोर्टशाखा लातेहार	बैंक ऋण	प्रीतम कुमार गुप्ता, पिता स्व0 अयोध्या प्रसाद गुप्ता, राधाकृष्ण मंदिर के समीप, मेन रोड, लातेहार।	918818.00	588770.00	330048.00	निर्गत
61	122	2017-18	झारखण्ड राज्य ग्रामीण बैंक, कोर्टशाखा लातेहार	बैंक ऋण	विष्णुदेव सिंह, पिता करम सिंह, ग्राम–डेमू, पो0–सेनरी, थाना+जिला–लातेहार	616663.00	444155.00	172508.00	निर्गत
62	88	2014-15	झारखण्ड राज्य ग्रामीण बैंक, मनिका	बैंक ऋण	महेश कुमार यादव पिता दशरथ यादव, ग्राम–बेयांग, पोस्ट–मटलौंग, थाना–मनिका, जिला–लातेहार	509060.00	0.00	509060.00	निर्गत
63	247	2019-20	झारखण्ड राज्य ग्रामीण बैंक, महुआडांड	बैंक ऋण	शुशील कुजूर, पिता पोलीकॉर्प कुजूर ग्राम+पो0–चुरमुण्डा, पोस्ट–महुआडांड, जिला– लातेहार	510470.00	0.00	510470.00	निर्गत
64	246	2019-20	झारखण्ड राज्य ग्रामीण बैंक, महुआडांड	बैंक ऋण	बद्री नारायण साव पिता राज भूषण साव, ग्राम–नगर प्रतापपुर, पो0+थाना–महुआडांड जिला–लातेहार	524324.00	310000.00	214324.00	निर्गत
65	231	2019-20	झारखण्ड राज्य ग्रामीण बैंक, महुआडांड	बैंक ऋण	अनिल ठिठियों, पिता मलू ठिठियों, ग्राम+पो0–आराहंश, थाना–महुआडांड जिला–लातेहार	602880.00	180000.00	422880.00	निर्गत
66	143	2015-16	झारखण्ड राज्य ग्रामीण बैंक, सासंग, चंदवा	बैंक ऋण	अर्जुन लोहरा, पिता ननकु लोहरा, ग्राम–बुल्हु, पो0–आन, थाना–चंदवा, जिला–लातेहार	672504.40	125000.00	547504.40	निर्गत
67	8	2021-22	झारखण्ड राज्य ग्रामीण बैंक, टोरी, चंदवा	बैंक ऋण	1. महेन्द्र यादव, पिता मदन यादव, ग्राम–सबानो, पो0–उदयपुरा, थाना–लातेहार 2. रविन्द्र सिंह पिता रामजतन सिंह, ग्राम–डुरूगी खुर्द, पो0–लातेहार, थाना–लातेहार	1022475.30	80000.00	942475.30	निर्गत
68	7	2021-22	झारखण्ड राज्य ग्रामीण बैंक, टोरी, चंदवा	बैंक ऋण	अनपुरना दास पति राजेश कुमार दास, ग्राम–अलौदिया, पो0–कामता, थाना–चंदवा, जिला–लातेहार	589189.10	0.00	589189.10	निर्गत
69	6	2021-22	झारखण्ड राज्य ग्रामीण बैंक, टोरी, चंदवा	बैंक ऋण	विजय कुमार नाथ शाही पिता युगल किशोर नाथ शाही, ग्राम–देवी मंडप रोड, चंदवा, पो0–चंदवा, थाना– चंदवा 2. मो0 मोहीब खान, पिता मो0 सरदार खान, ग्राम–चकला, पो0–चकला, चंदवा, जिला–लातेहार	1221821.00	0.00	1221821.00	निर्गत
70	5	2021-22	झारखण्ड राज्य ग्रामीण बैंक, टोरी, चंदवा	बैंक ऋण	उदय कुमार नाथ शाही पिता युगल किशोर नाथ साही, मो0 असगर खान, पिता मोइन खान, ग्राम–देवी मंडप रोड, चंदवा, पो0–चंदवा, ग्राम–चकला थाना–चंदवा, जिला–लातेहार	1394960.00	0.00	1394960.00	निर्गत
71	7	2014-15	झारखण्ड राज्य ग्रामीण बैंक, लातेहार	बैंक ऋण	परशुराम लोहरा, पिता कैल लोहरा, ग्राम–होटवाग, पो0–लेधपा, थाना+जिला–लातेहार	1059409.63	434000.00	625409.63	निर्गत
72	3	2014-15	झारखण्ड राज्य ग्रामीण बैंक, लातेहार	बैंक ऋण	मो0 शमशेर आलम, पिता मो0 अतिकुर रहमान, ग्राम–डिही, पो0–मुरूप, थाना+जिला–लातेहार	558678.00	430718.00	127960.00	निर्गत
73	1	2014-15	झारखण्ड राज्य ग्रामीण बैंक, लातेहार	बैंक ऋण	विनोद प्रसाद गुप्ता, पिता बनारसी साव, ग्राम–बाईपास चौक, मस्जिद रोड, लातेहार, पो0+थाना+जिला–लातेहार	1539740.17	405000.00	1134740.17	निर्गत

PR 286682 District(22-23).D

जिला नीलाम पत्र पदाधिकारी,
लातेहार

ज्ञान की बात

श्री हनुमान जी की भक्ति देखिए। वह सिर नीचे किये रहते हैं। उनका ध्यान अपने स्वामी प्रभु श्रीराम और माता सीता के चरणों की तरफ ही रहता है। कान तेज। आंख नीचे। गदा नीचे। वह श्रवण भाव में ही होते हैं। जब कुछ पूछा जाता है तब ही वह जवाब देते हैं अन्यथा राम-नाम जपते रहते हैं। वह इकलौते भक्त हुए, जिन्होंने प्रभु से कभी कुछ मांगा नहीं और बिना मांगे ही सब कुछ पा गए। *-कुमार विश्वास*

अदालत व न्यायधीश

किसी विवाद या अन्याय की स्थिति में व्यक्ति इंसाफ के लिए न्यायालय की शरण में जाता है। अदालतों में बैठे न्यायाधीश तथ्यों, तर्कों और सबूतों के आधार पर मामले में फैसला सुनाते हैं और उम्मीद की जाती है कि सही पक्ष को इंसाफ मिलेगा। लेकिन अगर खुद न्यायिक अधिकारी ही सबूत पेश करने के मामले में गड़बड़ी करने लगें और उसके आधार पर फैसला सुनाने लगें तो इससे न्याय की उम्मीद धूमिल होती है, न्यायालयों पर से भरोसा कम होता है। लक्षद्वीप के एक पूर्व मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट का जैसा आचरण सामने आया, वह न केवल न्याय की अवधारणा को खंडित, बल्कि हैरान करता है कि अगर न्यायिक अधिकारी गलत सबूत पेश करके मुकदमे का पक्ष तय करें तो इससे कैसा उदाहरण स्थापित होगा। मगर अच्छी बात है कि इस मामले के सामने आने पर केरल उच्च न्यायालय ने स्पष्ट संदेश दिया कि कोई भी मजिस्ट्रेट, न्यायाधीश और अन्य न्यायिक अधिकारी कानून से ऊपर नहीं है और उसे भी कर्तव्य में लापरवाही के मामले में परिणाम भुगतने होंगे। पिछले दिनों हाईकोर्ट ने एक आरोपी को दोषी करार देने के लिए मुकदमे में कथित रूप से साक्ष्य थोपने के मामले में लक्षद्वीप के पूर्व मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट को निलंबित करने का आदेश दिया। आमतौर पर अदालतों में गलत तथ्य, झूठे गवाह और फर्जी सबूत पेश करके मुकदमे को प्रभावित करने की कोशिशें देखी जाती रही हैं। मगर यह माना जाता है कि न्यायाधीश इस स्थिति में कानूनी प्रावधान, प्रक्रिया और व्यवस्था के साथ-साथ अपने विवेक का प्रयोग करके सही और गलत का पक्ष तय करते और उचित फैसला देते हैं। इसके उलट अगर यह स्थिति हो कि खुद न्यायिक मजिस्ट्रेट ही किसी मामले में आरोपी को दोषी करार देने के लिए जाली सबूत गढ़ कर या साक्ष्य थोप कर जालसाजी करे, तो ऐसे मुकदमे में फैसले का अंदाजा लगाया जा सकता है। ऐसी स्थिति में अदालत का फैसला स्वाभाविक ही न्याय के हक में नहीं होगा। मुश्किल यह है कि ऐसे किसी एक मामले से भी समूची न्यायपालिका की छवि पर असर पड़ता है और लोगों के बीच यह धारणा बनती है कि कोई न्यायिक मजिस्ट्रेट जब इस तरह की कर्तव्यहीनता कर सकता है तो न्याय

पिछले दिनों हाईकोर्ट ने एक आरोपी को दोषी करार देने के लिए मुकदमे में कथित रूप से साक्ष्य थोपने के मामले में लक्षद्वीप के पूर्व मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट को निलंबित करने का आदेश दिया...

की उम्मीद लेकर कहां जाया जाए। इसलिए केरल हाईकोर्ट ने इस मामले में जो रुख अख्तियार किया, वह राहत देता है। इससे यह उम्मीद बरकरार रहती है कि गलत आचरण का आरोपी भले ही न्यायिक मजिस्ट्रेट क्यों न हो, वह न्याय की परिधि से ऊपर नहीं है। यों न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के मसले पर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। खासकर निचली अदालतों में इस समस्या की जटिलता को लेकर चिंता जताई जाती रही है। लेकिन अब भी इस दिशा में ठोस पहलकदमी सामने नहीं आई है, जिससे न्यायिक अधिकारियों के भ्रष्टाचार पर पूरी तरह रोक लग सके।

साउथ चाइना-सी बन रहा जंग का पलीता

दिसंबर 2022 के तीसरे हफ्ते में अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने सैटेलाइट तस्वीरों के हवाले से यह खबर जारी की कि कोरोना के दौर में जब दुनिया का समुद्री व्यापार लगभग ठप पड़ गया था और समुद्रों पर की जाने वाली टोही गतिविधियां भी मंद हो चली थीं, तब चीन इस समय का सदुपयोग दक्षिणी चीन सागर में अपने नये सैनिक अड्डों के लिए जमीन तैयार करने में कर रहा था...

नए साल से ठीक पहले जिस तरह दक्षिणी चीन सागर के ऊपर चीनी नौसेना के एक जे-11 विमान और एक अमेरिकी जासूसी विमान के महज दस फुट की दूरी से होकर गुजर जाने की खबर आई- दोयम दर्जे के कुछ पश्चिमी मीडिया संस्थानों ने तो सनसनीबाजी में 'शूटडाउन' की सुर्खियां भी जड़ दीं- उससे लगता है कि सन 2023 में यह इलाका दुनिया के लिए यूक्रेन और ताइवान जितनी ही बड़ी चिंता का विषय बन सकता है। हालात पिछले साल भी इसी तरफ बढ़ते दिख रहे थे। बात-बात पर दक्षिणी चीन सागर में तनाव बन जा रहा था। लेकिन फरवरी 2022 में आयोजित पेइचिंग शीतकालीन ओलिंपिक्स से घटनाओं की दिशा अचानक बदल गई। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने इसके उद्घाटन समारोह में हिस्सा लेने आए अपने रूसी समवर्ती व्लादिमीर पूतिन से आपसी सहयोग की कोई सीमा न होने की बात कही, 20 फरवरी को खेल समाप्त हुए और 24 फरवरी को रूसी फौजें यूक्रेन पर चढ़ गईं।

छिटपुट युद्ध : कम्युनिस्ट चीन के असाधारण विकास की एक बड़ी वजह यह बताई जाती है कि उसने लड़ाइयों पर पैसे बहुत कम खर्च किये। इसका अर्थ यह नहीं है कि पिछले 75 वर्षों में चीन किसी लड़ाई में गया ही नहीं है। अपनी स्थापना के थोड़े ही समय बाद कोरिया में अमेरिकी फौजों के खिलाफ लड़े गये चीनी जनमुक्ति सेना के लगभग प्रत्यक्ष युद्ध के बाद 1962 के भारत-चीन युद्ध और 1979 के चीन-विएतनाम युद्ध से दुनिया वाकिफ है। लेकिन द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद से ही घिसाव-थकाव वाली लंबी लड़ाइयों की जैसी परंपरा हम देखते आ रहे हैं, उनसे तुलना करके देखने पर ये सारे युद्ध छोटी-मोटी सीमावर्ती झड़पों जैसे ही नजर आते हैं। चीन की रणनीति अभी तक लंबे टकरावों में उलझने के बजाय धीरे-धीरे वर्चस्व बढ़ाने, पड़ोस के छोटे-छोटे इलाकों को नियंत्रण में लेकर उनपर अपने कब्जे को पक्का करते जाने और अपना कूटनीतिक व्यहार किसी सैन्य शक्ति से ज्यादा व्यापारिक शक्ति जैसा ही रखने की रही है।

बदलती रणनीति : दक्षिणी चीन सागर की स्थिति बता रही है कि इस रणनीति का प्याला अभी या तो भर चुका है, या भरने के करीब है।

दिसंबर 2022 के तीसरे हफ्ते में अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने सैटेलाइट तस्वीरों के हवाले से यह खबर जारी की कि कोरोना के दौर में जब दुनिया का समुद्री व्यापार लगभग ठप पड़ गया था और समुद्रों पर की जाने वाली टोही गतिविधियां भी मंद हो चली थीं, तब चीन इस समय का सदुपयोग दक्षिणी चीन सागर में अपने नये सैनिक अड्डों के लिए जमीन तैयार करने में कर रहा था। इस विवादित सागर क्षेत्र के कई इलाके, जहां कुछ समय पहले तक जब-तब गुजरने वाले मछलीमार जहाजों के अलावा अछोर, एकरस गहरा नीला पानी ही नजर आता था, वहां अभी समुद्र से बाहर निकले हुए छोटे-छोटे समतल द्वीप दिखाई दे रहे हैं। इन्हें छिछले सागर तल की रेत और आसपास मौजूद मूंगा भित्तियों के मलबे से बनाया गया है, और एक बात तय है कि छोटे-मोटे फौजी ठिकानों के रूप में ये जितना चीनी फौज को फायदा पहुंचाएंगे, उससे कहीं ज्यादा यहां से होने वाले विश्व व्यापार के लिए अड़चनों का सबब बनेंगे। दक्षिणी चीन सागर के नाम में 'चीन' उसी तरह आता है, जैसे हिंद महासागर के नाम में 'हिंद' आता है। नाम के आधार पर कोई देश किसी समुद्र पर अपना दावा नहीं ठोक सकता। छोटे द्वीपों पर टकराती दावेदारियां बीसवीं सदी के शुरूआती हिस्से में हर जगह समस्या बनी हुई थीं लेकिन द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद की शांति प्रक्रिया ने ऐसे अधिकतर विवादों का अंत कर दिया। अमेरिका के फौजी फैलाव ने दिएगो गार्सिया जैसी कुछ नई समस्याएं पैदा कीं लेकिन जैसे-तैसे उनका भी निपटारा हो गया। अभी तीस साल पहले तक दक्षिणी चीन सागर की उथली संरचनाओं पर चीन की कोई दावेदारी सुनने में नहीं आती थी। वैसे भी झगड़े की जड़ बनने के अलावा पहली नजर में इनकी कोई खूबी दिखाई नहीं पड़ती। चीन की मुख्यभूमि से ये काफी दूर हैं और फिलीपींस, विएतनाम, ब्रुनेई और कुछ अन्य दक्षिण एशियाई देशों के मछुआरे इनका उपयोग अपने जाल सुखाने में करते आ रहे हैं। **मसला क्यों है नाजुक :** फिर अचानक चीन के जंगी जहाज यहां दिखने लगे और अपने दावे के पक्ष में उसने राजशाही के दस्तावेज निकाल लिए। ध्यान रहे, यह मामला कुछ द्वीपों पर चीन के दावे तक सीमित नहीं है। चीन का दावा पूरे दक्षिणी चीन सागर पर है, जिसकी पुष्टि के लिए नए द्वीप खड़े कर देने जैसे हथकंडे भी वह अपना रहा है।

इन दिनों

चंद्रभूषण

बोधि वृक्ष

सुनें कहानी श्री हनुमान की

(गतांक से आगे)

श्री राम की मदद से सुग्रीव ने अपने बड़े भाई बाली को मार डाला और किशकिंधा की गद्दी फिर से हासिल कर ली। इसके बदले में सुग्रीव ने श्री राम को सीता को खोजने में मदद का वचन दिया। सीता को खोजने में श्री राम की सहायता करने के लिए सुग्रीव ने भालुओं और बंदरों की फौज बनाई। जब जटायु से पता चला कि रावण ने सीता का अपहरण कर लिया है, जिसका राज्य सागर के पार था तो सवाल उठ रहा था कि कौन सागर पार कर सकता है और सीता के समाचार और ठिकाने लेकर वापस आ सकता है? तब जाम्बावंत, भालुओं के राजा ने हनुमान को अपनी विभिन्न शक्तियों की याद दिलाई, जिसे वह ऋषियों के श्राप के कारण भूल गए थे। तब हनुमानजी ने सागर के पार उड़ान भरी, लंका में सीता से मुलाकात की, राम की अंगूठी उन्हें दी और आश्वासन दिया कि राम अपने सैनिकों के साथ आएंगे और रावण को हराने के बाद उसे वापस ले जाएंगे । श्री राम को सीता माता का पता और हाल सुनाने वापस चल दिए। श्री राम की इच्छानुसार सागर के उस पार एक सेतु बनाया गया था और राम और रावण के बीच भयंकर युद्ध हुआ था। लड़ाई के दौरान लक्ष्मण मूर्छित हो गए। लक्ष्मण के इलाज के लिए आवश्यक एक विशिष्ट जड़ी बूटी (संजीवनी जदीबुती) लाने के लिए एक बार फिर हनुमान ने द्रोणाचल पर्वत की ओर उड़ान भरी।

(क्रमशः)

रूढ़ियां कब से कर्म का धर्म बनने लगीं

महाभारत में जब अभिमन्यु वध हो गया तो क्या अर्जुन सूतक काल मनाने बैठे थे? उन्होंने तत्काल यह संकल्प ले लिया कि अगले दिन सूर्यास्त के पहले तक अगर जयद्रथ का वध नहीं कर सके तो स्वयं चिता में भस्म हो जाएंगे। श्रीकृष्ण ने उन्हें तो नहीं रोका। श्रीकृष्ण ने तब भी कर्म की बात कही, पाखंडों के खिलाफ खड़े हुए। श्री कृष्ण का पूरा जीवन ही पाखंड के खिलाफ खड़ा है।

दौर-जमाना

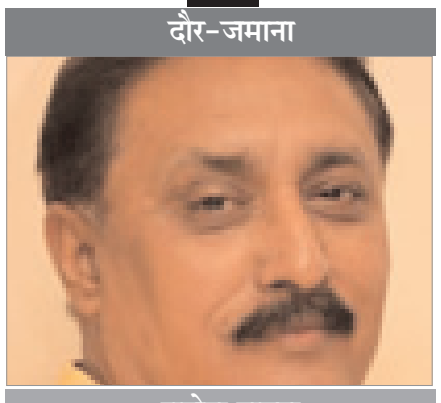

बृजेश शुक्ल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी मां हीराबेन के निधन के बाद जिस ढंग से पहले पुत्र धर्म और फिर राजधर्म निभाया, उसी पर सवाल उठाये जा रहे हैं। कुछ लोगों को इस बात पर आपत्ति है कि प्रधानमंत्री ने मां की मृत्यु पर सूतक क्यों नहीं मनाया और सरकारी कार्यक्रम में क्यों चले गये? यानी इन लोगों के मुताबिक उन्हें सिर मुंड़वा कर क्रिया-कर्म में लग जाना चहिए था। जाहिर है, इन लोगों की नजर में राजधर्म से भी बड़ा सूतक धर्म हो गया है।

शंकराचार्य का मार्ग : जब आदि गुरु शंकराचार्य केदारनाथ धाम में थे, उन्हें पता चला कि केरल के उनके गांव कालानी मे उनकी मां बहुत बीमार हैं। बीमार मां की सेवा करने के लिए आदि गुरु शंकराचार्य तत्काल अपने गांव अपने गांव की ओर चल दिये। गांव पहुंचकर उन्होंने मां की सेवा की। तब भी समाज के कुछ ठेकेदारों ने उनका यह कहकर विरोध किया था कि वह संन्यासी धर्म का पालन नहीं कर रहे हैं। संन्यास के बाद कोई रिश्ते-नाते नहीं होते, क्योंकि संन्यास तो पिंडदान कर के ही लिया जाता है। फिर मां का रिश्ता कैसा? लेकिन शंकराचार्य इन आलोचनाओं से विचलित नहीं हुए और कहा कि मां की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। उन्होंने मां की सेवा की। जब मां नहीं रहीं तो उनकी अंत्येष्टि का भी कई लोगों ने विरोध किया। लेकिन आदि गुरु अपने कंधों पर लादकर मां का पार्थिव ले गये और उनकी अंत्येष्टि की। इसके बाद उन्होंने और कोई संस्कार नहीं किया, न सूतक के चक्कर में पड़े। क्या आदि गुरु का मार्ग अनुकरणीय नहीं है?

टूटती रूढियां : अभी कुछ ही वर्ष पहले पूर्व प्रधानमंत्री और बीजेपी के शीर्ष नेता अटल बिहारी वाजपेयी के निधन पर उनकी दत्तक पुत्री ने मुखाग्नि दी थी। हालांकि श्मशान घाट में महिलाओं का जाना भी वर्जित माना जाता है। तब भी तमाम सवाल उठाये गये थे। कट्टरपंथियों ने उस वक्त भी इसकी आलोचना की थी, लेकिन समाज ने इन आलोचनाओं को स्वीकार नहीं किया। अपना समाज पहले ही रूढियों से जकड़ा हुआ है, और अब उसे ज्यादा बर्दाश्त करने के मूड में नहीं है। अब बहुत सी लड़कियां बाहर निकल कर आ रही हैं जो रूढियों को तोड़ना चाहती हैं और अपने माता-पिता की मृत्यु पर उनका अंतिम संस्कार कर रही हैं।

कृष्ण मार्ग : महाभारत में जब अभिमन्यु वध हो गया तो क्या अर्जुन सूतक काल मनाने बैठे थे? उन्होंने तत्काल यह संकल्प ले लिया कि अगले दिन सूर्यास्त के पहले तक अगर जयद्रथ का वध नहीं कर सके तो स्वयं चिता में भस्म हो जाएंगे। श्रीकृष्ण ने उन्हें तो नहीं रोका। श्रीकृष्ण ने तब भी कर्म की बात कही, पाखंडों के खिलाफ खड़े हुए। श्री कृष्ण का पूरा जीवन ही पाखंड के खिलाफ खड़ा है। वह तमाम देवी-देवताओं की पूजा का विरोध करते हैं और उन गिरिराज की पूजा के लिए कहते हैं जो प्रकृति के प्रतीक हैं।

कबीर का रास्ता : कबीर तो उस परंपरा को ही चुनौती देते हैं जिसमें कहा है कि बनारस में ही मरने से मुक्ति मिलती है। मृत्यु के समय वह उस मगहर में जाकर बस गए, जिसके बारे में कहा जाता है कि वहां मरने से नर्क मिलता है। तब भी तमाम पोंगा पंथियों ने कबीर का विरोध किया था। ऐसे कई मामले देखने को मिलते हैं जिनमें बच्चे जीते जी तो अपने माता-पिता की सेवा नहीं करते, उनकी इच्छाओं की पूर्ति नहीं करते और मरने के बाद रीति-नीति की औपचारिकताओं से इसकी कसर पूरी कर देना चाहते हैं। चैतन्य महाप्रभु ने मां की मृत्यु के बाद कोई सूतक नहीं मनाया लेकिन संन्यासी होते हुए भी वह मां के जिंदा रहते लगातार उनसे मिलते रहे। वह मां से मिलने के लिए ही बंगाल के शांतिपुर आते थे। संन्यासी धर्म से कहीं बड़ा उनके लिए मातृ धर्म था और इसीलिए उन्होंने किसी के कुछ कहने-बोलने की परवाह नहीं की। हमें भी रूढियों के बजाय मानवीय संवेदनाओं की तरफ चलना होगा। मृत्यु के बाद क्या है, वहां की दुनिया कैसी है इसका उत्तर तो यमराज भी नचिकेता को नहीं दे पाये थे।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

फोटो की दुनिया

ट्वीट-ट्वीट

फेसबुक वॉल से

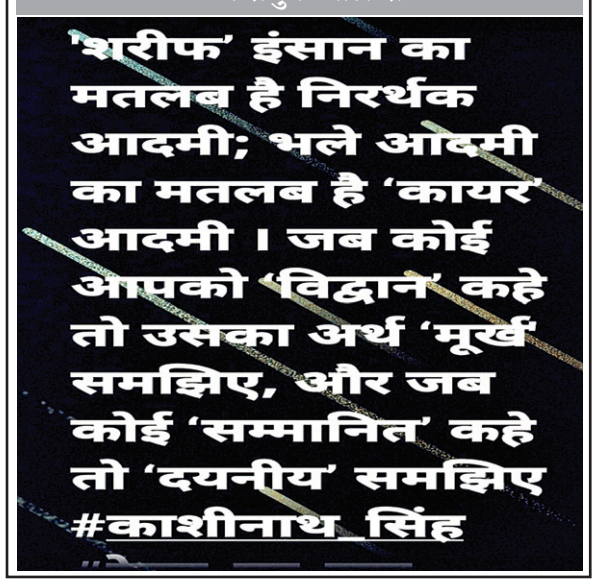

जलवायु परिवर्तन पर खोखली चिंतायें

औद्योगिक क्रांति की बढ़ती भूख, खासकर धरती पर मौजूद संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के न जाने कितने दुष्परिणाम भोग कर भी चुप्पी साधे रहना धरती के साथ हमारा कैसा इंसाफ है? ऐसे दुष्परिणामों की भरपाई तो दूर, पहले कुछ सोचा नहीं और अब जब सोचा जा रहा है, तो सोचने का दिखावा हो रहा है। वाकई काफी देर हो चुकी है...

जलवायु की बात

ऋतुपर्ण दवे

सब कुछ जानते-समझते हुए भी दुनिया के तमाम ताकतवर देश और पर्यावरण हितैषी संगठन तापमान नियंत्रण की चिंता छोड़ कर अपना हित और व्यापार देख रहे हैं। जिस बैठक में मिस्र से एक बेहतर संकेत निकलना चाहिए था, हरित ऊर्जा पर जोर होना चाहिए था, ताकि जलवायु का बिगड़ता संतुलन और न बिगड़े, वह दिखा नहीं। पिछली डेढ़ सदी में हमने तरक्की की जो मिसाल कायम की है, वह सब कुछ पर्यावरण की कुबार्नी देकर हासिल हुआ है। नतीजा सामने है। हवा, पानी, जमीन और जंगल को लेकर हर कहीं चिंता पैदा हो गई है। हालांकि आबोहवा में तब्दीली हमें महसूस तो पचास साल पहले ही होने लगी थी, लेकिन उसे लगातार नजरअंदाज करने का नतीजा यह है कि धरती खतरनाक स्थिति में पहुंच चुकी है। गर्मी, बारिश, सूखा, बाढ़, ठंड के बेवक्त और जबरदस्त प्रकोप से डगमगाए संतुलन ने घबराहट पैदा कर दी है। अब जब थोड़ा चेते हैं, तो रस्मअदायगी के सम्मेलनों की बाढ़-सी आ गई है। मगर जो हाल है और जैसा चल रहा है अगर वैसा ही चलता रहा तो जलवायु परिवर्तन पर होने वाले तमाम सम्मेलन और दूसरी गतिविधियां कहीं महज उत्सव बन कर न रह जाएं। आज बात भले पृथ्वी के बढ़ते तापमान, उसमें भी 1.5 डिग्री सेल्सियस, को लेकर हो या इससे उपजे दूसरे दुष्परिणामों की, पर्यवारण को नुकसान पहुंचा कर तरक्की हासिल करने तथा बचे-खुचे संसाधनों के दोहन से पीछे हटने को कोई तैयार नहीं है। औद्योगिक क्रांति की बढ़ती भूख, खासकर धरती पर मौजूद संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के न जाने कितने दुष्परिणाम भोग कर भी चुप्पी साधे रहना धरती के साथ हमारा कैसा इंसाफ है? ऐसे दुष्परिणामों की भरपाई तो दूर, पहले कुछ सोचा नहीं और अब जब सोचा जा रहा है, तो सोचने का दिखावा हो रहा है। वाकई काफी देर हो चुकी है। फिर भी हम हैं कि मानते नहीं और इसी होड़ में विकास से ज्यादा विनाश की इबारत लिख रहे हैं। होना तो यह चाहिए था कि जैसे ही पर्यावरण असंतुलन का अहसास होने लगा, तुरंत चरणबद्ध तरीके से गलती सुधारने में जुट जाना था। मगर यह हुआ नहीं, जागरूकता पैदा करने के नाम पर दुनिया भर में बड़े-बड़े संगठन बन गये, कोष इट्ठा हुए, एजंडे तय हुए। उससे लगा कि धरती के साथ न्याय होगा। मगर कितना न्याय हुआ, नतीजा सबके सामने है। महीने भर पहले पूरी दुनिया की उम्मीदें संयुक्त राष्ट्र के तत्त्वावधान में मिस्र के शर्म अल-शेख में आयोजित विश्व जलवायु सम्मेलन पर टिकी थीं। उम्मीद थी कि पिछली छब्बीस बैठकों के मुकाबले इसमें कुछ ठोस जरूर होगा। वजह भी थी कि बीते साल भर में जलवायु परिवर्तन से जुड़ी जितनी भी घटनाएं हुईं, उनको सबने देखा, महसूस किया और चिंता में डूबे दिखे। मगर जब मिस्र में सब जुटे तो जलवायु परिवर्तन पर गंभीर चिंता के बजाय अमेरिका की अफ्रीका से नई पाइप लाइनें बिछा कर जीवाश्म गैसें लाने की दिलचस्पी सुर्खियों में रही। अक्षय ऊर्जा पर कोई ठोस बहस नहीं हुई। निश्चित रूप से जो मौजूदा परिस्थितियां हैं, उससे तो यही लगता है कि कहीं ऊर्जा संकट जलवायु संकट पर भारी न पड़ जाए। जलवायु परिवर्तन से नुकसान की भरपाई को लेकर इतने मतभेद उभरे कि लगने लगा कि कोई निष्कर्ष निकल भी पायेगा या नहीं। 'क्षरण और क्षति' पर पूरी बहस केंद्रित थी, जिसकी भरपाई कार्बन उत्सर्जन के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार देशों से कराने की मांग थी। सहमति न बन पाने और मतभेद ज्यादा होने से बैठक को एक दिन और बढ़ाना पड़ा। अब भरपाई कैसे हो पायेगी, यह वक्त बतायेगा। फिलहाल धरती की बिगड़ती हालत के परिणामों में कहीं कोई कमी दिखती नहीं है। भावी पीढ़ी को लेकर कपट भरी चिंताएं या दिखावा धरती के अस्तित्व के लिए बेहद गंभीर संकेत हैं। अगर अफ्रीकी द्वीप समूह से आवाज उठती है कि वे जीवाश्म ईंधन पर निर्भर औद्योगीकरण से दूर रहेंगे और अमीर देशों के मनमाने और औपनिवेशिक हितों, खासकर यूरोपीय देशों का सताया नहीं कहलायेंगे, तो बुरा क्या है? इधर अमेरिका है कि येन केन प्रकारेण अफ्रीका से नई गैस पाइपलानें बिछाने के लिए अरबों डालर का निवेश करना चाहता है।

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. की ओर से इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं पब्लिकेशन डिवीजन रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI. 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : **सुरेश बजाज**, संपादक : **हर्षवर्द्धन बजाज,** स्थानीय संपादक : **ओम प्रकाश अमरेन्द्र***, **प्रेस कार्यालय :** रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, **फोन नम्बर :** 07759972937, 06562-240042/ 222539, फैक्स नम्बर : 06562-241176/231257, **रांची कार्यालय :** 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-83001, फोन नं.- 0651-2283384/ फैक्स : 0651-2283386, **दिल्ली कार्यालय** : 25-एलएफ, तानसेन मार्ग, नयी दिल्ली-1, **गढ़वा कार्यालय :** मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, **लातेहार कार्यालय :** रमेश सेनेटरी, मेन रोड, लातेहार -829206, फोन : 9128656020, 7763034341, **लोहरदगा कार्यालय :** रिलायंस पेट्रोल पंप के बगल में, आशा कॉम्प्लेक्स लोहरदगा- फोन : 7903891779, 8271983099, **ई-मेल :** rnm_hb@yahoo.co.in, rnm.hvb@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)।

संभलकर करें मूंगफली का सेवन...

ज्यादा मात्रा में मूंगफली का सेवन लिवर के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित हो सकता है। अधिक मात्रा में मूंगफली खाने से शरीर में अफलेटॉक्सिन की मात्रा बढ़ जाती है। यह एक तरह का विषैला पदार्थ होता है जो लिवर संबंधी बीमारियों का कारण बन सकता है। सर्दियों की खिली-खिली धूप में मूंगफली खाना सबको पसंद होता है। मूंगफली ना सिर्फ खाने में स्वादिष्ट लगती है बल्कि यह हमारी सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। मूंगफली में आयरन, कैल्शियम, जिंक, प्रोटीन, विटामिन ई और विटामिन बी 6 जैसे पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं। मूंगफली में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स हमारी त्वचा और बालों के लिए बहुत फायदेमंद है। लेकिन अक्सर हम स्वाद-स्वाद में जरूरत से ज्यादा मूंगफली खा लेते हैं। डॉक्टर्स के मुताबिक मूंगफली के अत्यधिक सेवन से हमारी सेहत को नुकसान पहुंचाता है। यही कारण है कि मूंगफली का सेवन हमेशा सीमित मात्रा में ही करना चाहिए। जरूरत से ज्यादा मात्रा में मूंगफली के सेवन से कई तरह की स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकते हैं।

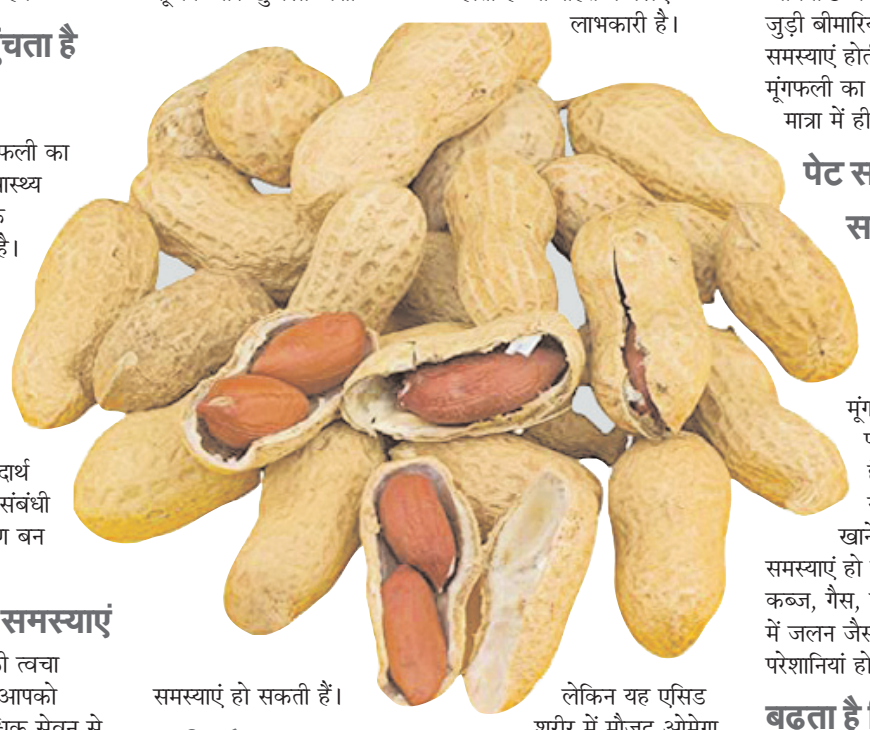

लिवर को पहुंचता है नुकसान

ज्यादा मात्रा में मूंगफली का सेवन लिवर के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित हो सकता है। अधिक मात्रा में मूंगफली खाने से शरीर में अफलेटॉक्सिन की मात्रा बढ़ जाती है। यह एक तरह का विषैला पदार्थ होता है जो लिवर संबंधी बीमारियों का कारण बन सकता है।

त्वचा संबंधी समस्याएं

त्वचा अगर आपकी त्वचा संवेदनशील है तो आपको मूंगफली के अत्यधिक सेवन से त्वचा संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। ज्यादा मात्रा में मूंगफली खाने से आपको त्वचा पर रैशेज, सूजन और खुजली जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

शरीर में सूजन

मूंगफली में पर्याप्त मात्रा में ओमेगा 6 फैटी एसिड मौजूद होता है जो सेहत के लिए लाभकारी है। लेकिन यह एसिड शरीर में मौजूद ओमेगा 3 की मात्रा को कम कर देता है। ओमेगा 3 हमारे शरीर के लिए बेहद फायदेमंद होता है। शरीर में ओमेगा 3 की कमी से दिल से जुड़ी बीमारियां और सूजन जैसी समस्याएं होती हैं। इसलिए मूंगफली का सेवन हमेशा सीमित मात्रा में ही करना चाहिए।

पेट संबंधी समस्याएं

मूंगफली की तासीर गर्म होती है। यही कारण है कि सर्दियों के मौसम में मूंगफली का सेवन फायदेमंद माना जाता है। लेकिन जरूरत से ज्यादा मूंगफली खाने से पेट संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इससे कब्ज, गैस, एसिडिटी और सीने में जलन जैसी पेट से जुड़ी परेशानियां हो सकती हैं।

बढ़ता है दिल की बीमारियों का जोखिम

मूंगफली में सैचुरेटेड फैट मौजूद होता है जो हृदय संबंधी बीमारियों का कारण बन सकता है। अधिक मात्रा में सैचुरेटेड फैट के सेवन से हाई कोलेस्ट्रॉल और हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

बढ़ सकती है अर्थराइटिस की समस्या

मूंगफली में लैक्टिन अधिक मात्रा में पाया जाता है। लैक्टिन हमारे खून में मौजूद शुगर के साथ मिलकर इंफ्लेमेशन पैदा करता है। इससे शरीर में सूजन और दर्द बढ़ सकता है। यही कारण है कि अर्थराइटिस के मरीजों को मूंगफली के सेवन से परहेज करना चाहिए या कम मात्रा में ही इसका सेवन करना चाहिए। इसके साथ ही लैक्टिन पचाने में भी आसान नहीं होता है इसलिए पेट के मरीजों को भी मूंगफली के अधिक सेवन से बचना चाहिए।

साल 2023 में कब हैं कौन-कौन से व्रत, पर्व व त्यौहार

2023 में चार ग्रहण भी लगेंगे जिसमें से सूर्य ग्रहण- 20 अप्रैल और 14 अक्तूबर को लगेंगे और चंद्र ग्रहण- 05 मई और 28 अक्तूबर को। इसके साथ ही अगर हम ग्रह गोचर की बात करें तो साल की शुरूआत में ही शनि कुंभ राशि में प्रवेश करेंगे। हिंदू पंचांग के अनुसार अगर हम देखें तो अंग्रेजी कैलेंडर के नए साल का शुभारंभ पौष माह के शुक्ल पक्ष दशमी तिथि, अश्विनी नक्षत्र, सिद्ध योग में हो गया है। साल के पहले ही महीने में मकर संक्रांति का त्योहार मनाया जाएगा जब सूर्य मकर राशि में प्रवेश करेंगे। उसके बाद जनवरी महीने की ही 26 जनवरी को बसंत पंचमी का त्योहार मनाया जाएगा। साथ ही 18 फरवरी भोलेनाथ का महापर्व महाशिवरात्रि मनाया जायेगा और फिर 08 मार्च को मनाई जाएगी रंगों भरी होली। 22 मार्च से माँ के चैत्र नवरात्रि का शुभारंभ हो जायेगा और फिर 30 मार्च को राम नवमी का पर्व आएगा। 21 अगस्त को नाग पंचमी, 30 अगस्त को बहनों का खास पर्व रक्षाबंधन और फिर 7 सितंबर को श्री कृष्णा जन्माष्टमी का पर्व आएगा। और फिर जैसे ही अक्तूबर का महीना आयेगा तो 15 अक्तूबर 2023 से शारदीय नवरात्रि और हिंदू नवर्ष आरंभ हो जाएगा। 24 अक्तूबर को दशहरा का त्यौहार धूमधाम से मनाया जायेगा और फिर 12 नवंबर 2023 को दीपावली का त्योहार आएगा और 19 नवंबर को छठ पूजा मनाई जाएगी। इसी साल 2023 में चार ग्रहण भी लगेंगे जिसमें से सूर्य ग्रहण- 20 अप्रैल और 14 अक्तूबर को लगेंगे और चंद्र ग्रहण- 05 मई और 28 अक्तूबर को। इसके साथ ही अगर हम ग्रह गोचर की बात करें तो साल की शुरूआत में ही शनि कुंभ राशि में प्रवेश करेंगे। फिर अप्रैल के माह में में ग्रहों के स्वामी गुरु का राशि परिवर्तन होगा और अक्टूबर के महीने में राहु-केतु भी अपना राशि परिवर्तन करेंगे। तो अब आइये विस्तार से जानते हैं कि साल 2023 में जनवरी से लेकर दिसंबर तक कब और कौन से प्रमुख त्योहार और व्रत रखें जाएंगे।

साल 2023 के प्रमुख त्योहार और तारीखें

- 15 जनवरी मकर संक्रांति/पोंगल
- 26 जनवरी बसंत पंचमी
- 18 फरवरी महाशिवरात्रि
- 08 मार्च होली
- 22 मार्च चैत्र नवरात्रि
- 30 मार्च राम नवमी
- 22 अप्रैल अक्षय तृतीया
- 21 अगस्त नाग पंचमी
- 30 अगस्त रक्षा बंधन
- 07 सितंबर जन्माष्टमी
- 19 सितंबर गणेश चतुर्थी
- 15 अक्टूबर शरद नवरात्रि
- 24 अक्टूबर दशहरा
- 01 नवंबर करवा चौथ
- 10 नवंबर धनतेरस
- 12 नवंबर दिवाली
- 19 नवंबर छठ पूजा

मिल रहे हैं ये संकेत तो हो जायें सतर्क...

सिर में दर्द कई कारणों से हो सकता है। जैसे- अत्यधिक तनाव या शरीर में पानी की कमी। हालांकि, शरीर में आयरन की कमी होने पर भी लोगों को सिर में दर्द की शिकायत होती है। हालांकि, ऐसा क्यों होता है, इसके बारे में ठीक तरह से कुछ नहीं कहा जा सकता। आज के समय में व्यक्ति का खानपान कुछ ऐसा है कि इससे उन्हें पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्व प्राप्त नहीं हो पाते हैं। लगातार ऐसा होने से व्यक्ति के शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो जाती है, जिससे शरीर की कार्यप्रणाली सही तरह से काम नहीं कर पाती हैं। इन्हीं पोषक तत्वों में से एक है आयरन। खानपान से लेकर ब्लड लॉस, प्रेग्नेंसी आदि ऐसे कई कारण होते हैं, जो शरीर में आयरन की कमी की वजह बनते हैं। आमतौर पर, लोगों को इसके बारे में पता नहीं चलता। लेकिन अगर आप ध्यान दें तो आपका शरीर खुद आयरन की कमी के संकेत देता है। बस जरूरत है कि आप इस पर ध्यान दें।

स्किन में पीलापन नजर आना

जब आपके शरीर में आयरन की कमी हो जाती है तो हो सकता है कि आपकी स्किन सामान्य से अधिक पीली नजर आए। खासतौर से, आपके चेहरे, लोअर इनर आईलिड और नाखून पीले नजर आ सकते हैं। यह पीलापन हीमोग्लोबिन के निम्न स्तर के कारण होता है, जो ब्लड को रेडनेस देता है।

बहुत अधिक थका महसूस करना

जब शरीर में आयरन की कमी हो जाती है, तो आप बिना किसी कारण भी खुद को बहुत अधिक थका हुआ महसूस कर सकते हैं। ऐसा इसलिए भी होता है, क्योंकि आपके टिश्यूज तक ऑक्सीजन कम मात्रा में पहुंचती है। जिसके कारण आपके शरी को पर्याप्त मात्रा में ऊर्जा नहीं मिलती है और ऐसे में आपको अत्यधिक थकान का अहसास होता है।

सिरदर्द की समस्या होना

सिर में दर्द कई कारणों से हो सकता है। जैसे- अत्यधिक तनाव या शरीर में पानी की कमी। हालांकि, शरीर में आयरन की कमी होने पर भी लोगों को सिर में दर्द की शिकायत होती है। हालांकि, ऐसा क्यों होता है, इसके बारे में ठीक तरह से कुछ नहीं कहा जा सकता। डोपामाइन की शिथिलता, एस्ट्रोजन के स्तर और आयन की कमी के बीच संबंध पर अधिक शोध की आवश्यकता है।

सांस की तकलीफ होना

कुछ लोगों के शरीर में आयरन की कमी होने पर सांस लेने में भी तकलीफ होती है। अमूमन लोग इसे अस्थमा से जोड़कर देखते हैं, लेकिन यह आयरन की कमी का एक लक्षण भी हो सकता है, क्योंकि कम हीमोग्लोबिन का स्तर आपके शरीर को आपकी मांसपेशियों और ऊतकों तक ऑक्सीजन को प्रभावी ढंग से पहुंचाने से रोकता है। जिससे सांस लेने में परेशानी होती है।

बाल और स्किन का सूखा और डैमेज्ड होना

यदि आपके शरीर में आयरन की कमी है, तो इससे आपकी स्किन और बालों को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन नहीं मिल पाती है, जिससे आपको स्किन व हेयर में सूखापन या डैमेज का सामना करना पड़ सकता है। अधिक गंभीर मामलों में, यह बालों के झड़ने का कारण भी बन सकता है।

पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है ग्रेट वॉल ऑफ इंडिया

ग्रेट वॉल ऑफ चाइना के बारे में तो आपने सुना होगा, लेकिन कुंभलगढ़ को ग्रेट वॉल ऑफ इंडिया कहा जाता है। 80 किलोमीटर उत्तर में उदयपुर के जंगल में स्थित, कुंभलगढ़ किला चित्तौड़गढ़ किले के बाद राजस्थान का दूसरा सबसे बड़ा किला है। राजस्थान का अपना एक अलग समृद्ध इतिहास है, जो इसे सैलानियों के लिए आकर्षण का केन्द्र बनाता है। यहां के किले व महल अनजाने ही लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। वैसे तो जयपुर के आमेर फोर्ट से लेकर जैसलमेर के किले लोगों के बीच काफी प्रसिद्ध हैं, लेकिन इन्हीं के बीच कुंभलगढ़ का किला अपना एक अलग महत्व रखता है। कुम्भलगढ़ किला पश्चिमी भारत में राजस्थान राज्य के उदयपुर के पास राजसमंद जिले में अरावली पहाड़ियों की एक विस्तृत श्रृंखला पर मेवाड़ का किला है। इस किले की खासियत है उसकी 36 किलोमीटर लंबी दीवार। यह राजस्थान के हिल फॉर्ट्स में शामिल एक विश्व धरोहर स्थल है। 15 वीं शताब्दी के दौरान राणा कुंभा द्वारा निर्मित इस किले की दीवार को एशिया की दूसरी सबसे बड़ी दीवार का दर्जा प्राप्त है।

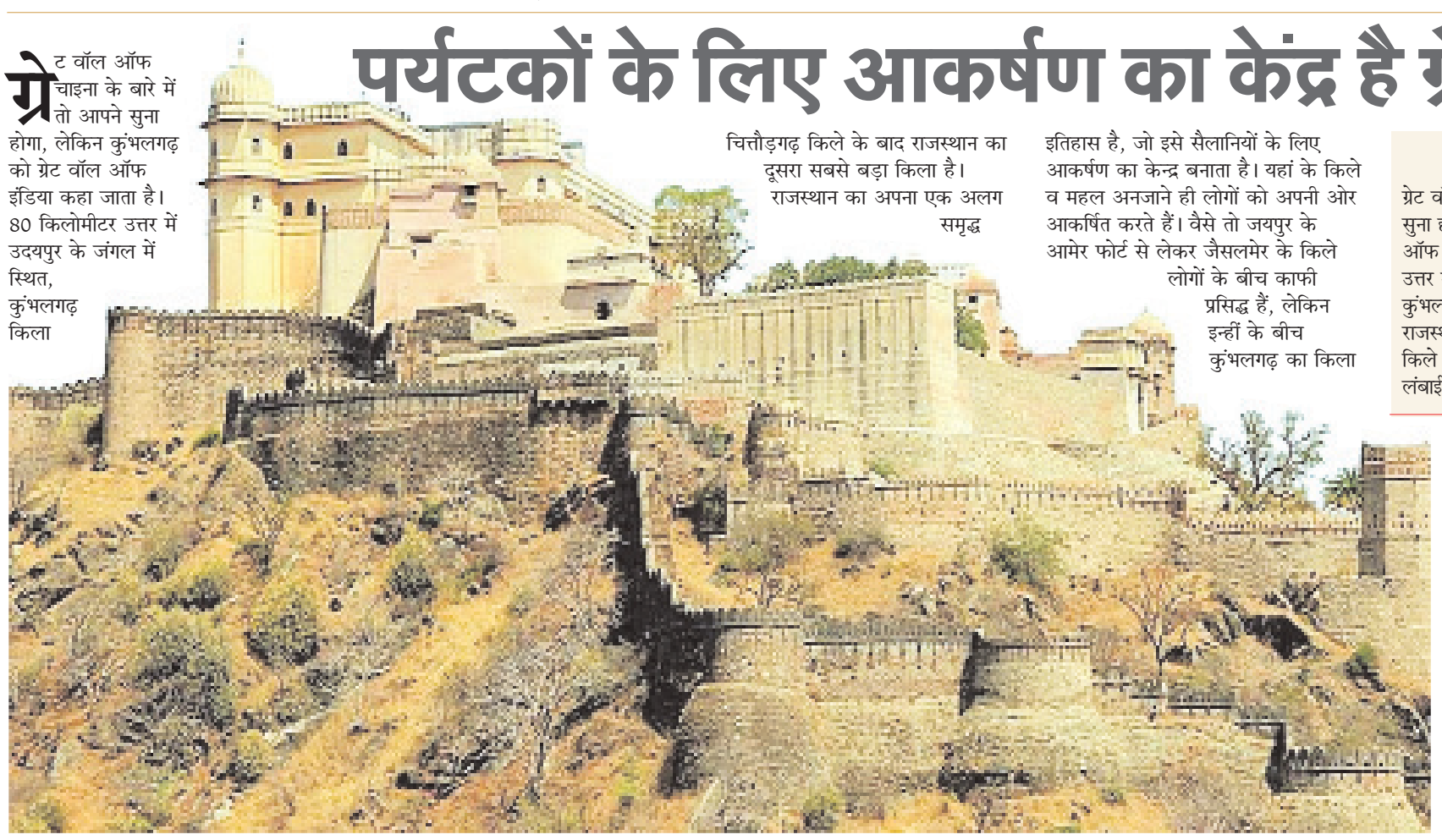

● मिताली जैन

कहते हैं ग्रेट वॉल ऑफ इंडिया

ग्रेट वॉल ऑफ चाइना के बारे में तो आपने सुना होगा, लेकिन कुंभलगढ़ को ग्रेट वॉल ऑफ इंडिया कहा जाता है। 80 किलोमीटर उत्तर में उदयपुर के जंगल में स्थित, कुंभलगढ़ किला चित्तौड़गढ़ किले के बाद राजस्थान का दूसरा सबसे बड़ा किला है। किले की दीवार 36 किलोमीटर की विशाल लंबाई तक फैली हुई है और इसलिए इसे द ग्रेट वॉल ऑफ इंडियाः के नाम से जाना जाता है। अरावली रेंज में फैला कुंभलगढ़ किला मेवाड़ के प्रसिद्ध राजा महाराणा प्रताप का जन्मस्थान है। यही कारण है कि राजपूतों के दिलों में इस किले के प्रति एक विशेष स्थान है। 2013 में, किले को विश्व धरोहर समिति के 37 वें सत्र में यूनेस्को की विश्व विरासत स्थल घोषित किया गया था।

कुछ ऐसा है कुंभलगढ़ किला

किले को सात विशाल द्वारों से बनाया गया है। इस भव्य गढ़ के अंदर मुख्य भवन बादल महल, शिव मंदिर, वेदी मंदिर, नीलकंठ महादेव मंदिर और मम्मादेव मंदिर हैं। कुम्भलगढ़ किला परिसर में लगभग 360 मंदिर हैं, जिनमें से 300 जैन मंदिर हैं, और बाकी हिंदू हैं। इस किले की एक खासियत यह भी है कि इस भव्य किले को वास्तव में युद्ध में कभी नहीं जीता गया था। हालांकि इस पर केवल एक बार मुगल सेना द्वारा छल द्वारा कब्जा कर लिया गया था जब उन्होंने किले की पानी की आपूर्ति में जहर डाल दिया था।

गाजर की कांजी बनाते समय इन टिप्स को करें फॉलो

गाजर की कांजी बनाते समय आप काली या पीली सरसों दोनों में से किसी का भी उपयोग कर सकते हैं। हालांकि ध्यान रखें कि काली सरसों का स्वाद अधिक तीखा होता है, इसलिए इसकी मात्रा कम डालें। वहीं, पीली सरसों स्वाद में हल्की होती है। ठंड का मौसम आते ही मार्केट में कई तरह की सब्जियां मिलने लगती हैं, जिन्हें लोग कई अलग-अलग तरीकों से बनाते व खाते हैं। इन्हीं में से एक है गाजर। गाजर की सिर्फ सब्जी ही नहीं बनाई जाती, बल्कि इससे जूस से लेकर हलवा तक भी बनाया जाता है। इसके अलावा, गाजर की कांजी बनाना व पीना भी लोग बेहद पसंद करते हैं। यह एक फरमेंटेड ड्रिंक होती है, जिसे आपकी गट हेल्थ के लिए काफी अच्छा माना जाता है। अमूमन ठंड में गाजर की कांजी को कई अलग-अलग तरीकों से बनाया जाता है। हालांकि, इसे बनाते समय कुछ छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना आवश्यक होता है।

साफ-सफाई का रखें ध्यान : जब भी आप गाजर की कांजी या फिर फरमेंटेड ड्रिंक बनाते हैं तो आपको क्लीनिंग पर विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए। आपको सिर्फ गाजर को ही अच्छी तरह साफ नहीं करना है, बल्कि आपके जार, चम्मच, चॉपिंग बोर्ड, चाकू सभी साफ और सूखे होने चाहिए। अगर आपको फंगस की कोई लेयर दिखे तो ड्रिंक को फेंक दें। यदि पेय में भयानक गंध है, तो इसका मतलब है कि यह खराब हो गया है, इसलिए इसे फेंक दें।

सरसों का चयन : गाजर की कांजी बनाते समय आप काली या पीली सरसों दोनों में से किसी का भी उपयोग कर सकते हैं। हालांकि ध्यान रखें कि काली सरसों का स्वाद अधिक तीखा होता है, इसलिए इसकी मात्रा कम डालें। वहीं, पीली सरसों स्वाद में हल्की होती है।

उबले पानी का करें इस्तेमाल : गाजर की कांजी के लिए काफी मात्रा में पानी की जरूरत होती है। कोशिश करें कि आप पहले पानी को उबालें और फिर इसे कमरे के तापमान पर ठंडा होने दें। इस तरह आपकी गाजर की कांजी जल्द खराब नहीं होगी। ध्यान रखें कि नल का पानी या मशीन से फिल्टर किया हुआ पानी भी आपकी कांजी के स्वाद को खराब कर सकता है।

करें वैरिएशन : गाजर की कांजी बनाते समय गाजर का इस्तेमाल तो किया ही जाता है। कुछ लो इसमें चुकंदर भी डालते हैं। हालांकि, आप इस ड्रिंक में शलजम और छिलके वाले तरबूज के छिलके शामिल कर सकते हैं। आपको इस पेय में कोई चीनी या स्वीटनर जोड़ने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि प्राकृतिक चीनी, गाजर और चुकंदर में मौजूद स्टार्च अनुकूल बैक्टीरिया ड्रिंक को नेचुरल तरीके से फरमेंट करने में मदद करते हैं।

आज का राशिफल

मेष राशि : मन में नकारात्मकता का प्रभाव रहेगा। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन सहन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी, परंतु शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं।

वृष राशि : मन परेशान रहेगा। धैर्यशीलता में कमी रहेगी। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

मिथुन राशि : मास के प्रारंभ में आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा। परंतु मन में नकारात्मकता का प्रभाव हो सकता है। मन में सकारात्मकता का प्रभाव रहेगा।

कर्क राशि : आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन अशांत रहेगा। आत्मसंयत रहें। व्यर्थ के क्रोध व वाद विवाद से बचें। कला या संगीत में रुचि रहेगी।

सिंह राशि : मास के प्रारंभ में आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। धैर्यशीलता में कमी आएगी। आत्मसंयत रहें। मन परेशान हो सकता है। आत्मविश्वास में कमी आ सकती है।

कन्या राशि : मास के प्रारंभ में आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा। परंतु मन में नकारात्मकता का प्रभाव भी हो सकता है। कार्यक्षेत्र की स्थिति में सुधार होगा।

तुला राशि : मास के प्रारंभ में मन प्रसन्न रहेगा। आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। कारोबार विस्तार के लिए भागदौड़ बढ़ सकती है। रहन सहन अव्यवस्थित रहेगा।

वृश्चिक राशि : आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। मन में सकारात्मकता का प्रभाव बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। माता के स्वास्थ्य में सुधार होगा।

धनु राशि : आत्मविश्वास से लबरेज तो रहेंगे तो परंतु संयत रहें अपनी भावनाओं को वश में रखें। धैर्यशीलता बनाए रखने का प्रयास करें। बातचीत में संयत रहें।

मकर राशि : मास के प्रारंभ में आत्मविश्वास में लबरेज रहेंगे। मन अशांत रहेगा। वाणी में कठोरता का प्रभाव हो सकता है। किसी संपत्ति से आय के साधन बन सकते हैं।

कुंभ राशि : माह की शुरूआत में आत्मविश्वास में कमी रहेगी। क्रोध में कमी आएगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। कारोबार में सुधार होगा। सकारात्मकता का प्रभाव बढ़ेगा। माता के स्वास्थ्य में सुधार होगा।

मीन राशि : आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। पठन पाठन में रुचि बढ़ेगी। दांपत्य सुख में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में भी परिश्रम अधिक रहेगा।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC
Dr. Vaibhav Kashyap
Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA
" Smiles & More"
छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट
Facilities
❖ आरसीटी
❖ पायरिया का ईलाज
❖ टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
❖ स्माईल डिजाइन
❖ इनविजिवल क्लिप
❖ दंत रोपण
❖ फिक्स दाँत लगाना
❖ अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

NEWS इन ब्रीफ

सोनिया को सांस संबंधित संक्रमण, अस्पताल में भर्ती

नयी दिल्ली। सांस में संक्रमण की शिकायत के बाद कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को बुधवार को गंगाराम अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। सूत्रों ने बताया कि सोनिया गांधी को नियमित जांच के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी बेटी प्रियंका गांधी वाड्रा उनके साथ अस्पताल गई हैं। सूत्रों ने कहा कि सोनिया गांधी मंगलवार से अस्वस्थ हैं।

मिस्र खरीदेगा 12 सीएच-47 एफ चिनूक विमान

सैन फ्रांसिस्को। अमेरिका की विमान निर्माता कंपनी बोइंग ने घोषणा की कि कंपनी मिस्र की वायु सेना के लिए 12 नए सीएच-47 एफ चिनूक विमानों का निर्माण करेगी। कंपनी ने कहा कि इसके लिए मिस्र के साथ 42.6 करोड़ अमेरिकी डॉलर में अनुबंध हुआ है। इसके साथ ही मिस्र सीएच-47 डी विमानों के अपने बेड़े को आधुनिक एफ मॉडल के साथ बदल देगा।

नेता प्रतिपक्ष सीडी को सार्वजनिक कर दें : मिश्रा

भोपाल। मध्य प्रदेश के गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविंद सिंह के बयान पर तंज कसते हुए कहा कि वे जो सीडी अपने पास रखे हुए हैं, उन्हें सार्वजनिक कर दें। डॉ. मिश्रा ने संवाददाताओं से चर्चा के दौरान सवाल किया कि नेता प्रतिपक्ष वे सीडी अपने पास रखे हुए क्यों हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा भी उनसे इस बारे में कह चुके हैं। ऐसे में डॉ. सिंह को वे सीडी अपने पास न रखते हुए सार्वजनिक कर देनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट से खुशी दुबे को जमानत

नयी दिल्ली। उत्तर प्रदेश के बहुचर्चित बिकरू कांड में सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस एनकाउंटर में मारे गए अमर दुबे की पत्नी खुशी दुबे को जमानत दे दी है। जमानत की शर्तें ट्रायल कोर्ट तय करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल के दौरान खुशी दुबे को कानपुर नहीं जाने देने की मांग भी ठुकरा दी और कहा कि वो एक महिला हैं। वह कहां जाएंगी? वह सड़क पर तो नहीं रह सकती हैं। न्याय के हित में आरोपी को जमानत दी जानी चाहिए।

आजम खां की केस ट्रांसफर करने की मांग खारिज

नयी दिल्ली। समाजवादी पार्टी के नेता आजम खां को बुधवार को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। सपा नेता ने एक याचिका दायर कर सर्वोच्च न्यायालय से अपील की थी कि उनके खिलाफ यूपी में दर्ज कुछ केसों को दूसरे राज्यों में ट्रांसफर कर दिया जाए। कोर्ट ने उनकी इस मांग को नकारते हुए उन्हें हाईकोर्ट जाने के लिए कहा और निर्देश दिए कि उनकी याचिका पर जल्दी सुनवाई की जा सकती है।

सतीश शाह पर लंदन में नस्लभेदी टिप्पणी

नयी दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर सतीश शाह लंदन के एयरपोर्ट पर रेसिज्म का शिकार हो गए हैं। एक्टर को लेकर एयरपोर्ट स्टाफ ने कमेंट किया था, जिसके बाद सतीश शाह ने करारा जवाब दिया। शाह लंदन की यात्रा कर रहे थे। उन्होंने हीथ्रो हवाई अड्डे पर नस्लवादी टिप्पणियां सुनीं। उन्होंने अपने तरीके से टिप्पणी करने वाले अधिकारियों को इसका जवाब दिया और इसके बारे में ट्वीट भी किया।

जयशंकर ने रूस से तेल खरीदने पर पश्चिमी देशों का मुंह किया बंद

भारत के बेबाक विदेश मंत्री की हो रही तारीफ

भारतीय विदेश मंत्री ने खुलासा किया कि यूरोप ने भारत के मुकाबले छह गुना अधिक तेल रूस से खरीदा

एजेंसी। वियना

यूक्रेन युद्ध के बीच ऑस्ट्रिया के दौरे पर पहुंचे भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रूस से सस्ता तेल खरीदने पर अपने जोरदार तर्कों और इतिहास के तथ्यों की याद दिलाकर यूरोपीय और पश्चिमी देशों का मुंह बंद कर दिया। भारतीय विदेश मंत्री ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि यूरोप ने भारत के मुकाबले 6 गुना अधिक तेल रूस से खरीदा।

जयशंकर ने यूरोपीय देशों और भारतीय जनता की आय की तुलना करते हुए कहा कि भारत की 1 अरब 40 करोड़ की आबादी के पास इतना पैसा नहीं है कि वह महंगा तेल खरीद सके। जयशंकर के इस बयान की दुनियाभर में जमकर तारीफ हो रही है। नीदरलैंड के भारत में राजदूत रह चुके फोंस स्टोइलिंगा ने कहा कि जयशंकर आपने पश्चिमी देशों को इतिहास और अर्थव्यवस्था सीखा दिया। नीदरलैंड के भारत में पूर्व राजदूत फोंस स्टोइलिंगा ने ट्वीट करके कहा : भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर का शानदार प्रदर्शन। पश्चिमी देशों को इतिहास और अर्थव्यवस्था का कुछ पाठ पढ़ाया। जयशंकर के इस बयान की सोशल मीडिया में जमकर तारीफ हो रही है। आशुतोष झा ने लिखा कि जयशंकर ने अपने बयान में क्या शानदार स्पष्टता दिखाई। भारत को अब तक का सबसे बुद्धिमान विदेश मंत्री मिल गया है।

रूस से तेल लेने पर क्या बोले जयशंकर

विदेश मंत्री जयशंकर ने बुधवार को पश्चिमी शक्तियों के असंतोष के बावजूद रूस से कच्चे तेल का आयात करने के भारत के कदम का बचाव करते हुए कहा था कि यूरोप ने फरवरी 2022 से भारत की तुलना में रूस से जीवाश्म ईंधन का छह गुना अधिक आयात किया है। यूरोप के दो देशों की अपनी यात्रा के दूसरे चरण में साइप्रस से यहां पहुंचे जयशंकर ने यह भी कहा कि यूरोपीय राजनीतिक नेतृत्व अपनी आबादी पर रूस-यूक्रेन संघर्ष के प्रभाव को कम करना चाहेगा, और यह एक विशेषाधिकार है जिसे उन्हें अन्य राजनीतिक नेतृत्व तक भी विस्तारित करना चाहिए।

यूरोप ने मॉस्को से बिजली खरीद क्यों नहीं की बंद

विदेश मंत्री ने एक सवाल के जवाब में कहा कि अगर यह सिद्धांत की बात थी तो यूरोप ने 25 फरवरी को मॉस्को से बिजली क्यों नहीं बंद की। रूसी तेल के लिए भारत की चाहत तब से बढ़ गई है जब से मॉस्को ने इस पर छूट पर देनी शुरू की है, क्योंकि पश्चिम ने यूक्रेन पर हमले के चलते रूस को दंडित करने के लिए उसके तेल का त्याग किया है। बता दें कि रूस ने 24 फरवरी 2022 को यूक्रेन पर हमला शुरू कर दिया था और तब से पश्चिमी देश उसे दंडित करने के लिए देशों से रूसी तेल का त्याग करने के लिए कहते रहे हैं। भारत सरकार रूस के साथ अपने तेल व्यापार का यह कहते हुए पुरजोर बचाव करती रही है कि वह तेल वहीं से लेगी जहां यह सबसे सस्ता होगा।

प्रधानमंत्री मोदी हैं जुनूनी : बघेल

नयी दिल्ली। छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने बुधवार को एबीपी न्यूज के सिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की। सीएम भूपेश बघेल से पूछा गया था कि गया कि पीएम ने अपनी मां के निधन के बाद भी कार्यक्रम नहीं टाले तो बघेल ने कहाः मुझे अचरज हुआ लेकिन जिसको काम करने का जुनून हो वो करता ही है। नहीं तो सामान्यतः हिन्दू परिवार में निधन के बाद दिन दस गात्र होने तक घर से नहीं निकलते हैं। सभी रस्मों को निभाना होता है लेकिन पीएम ने यह सब जिम्मेदारियां परिवार को सौंपकर अपनी जिम्मेदारी संभाली है। उन्होंने नई लकीर खींच दी है।

कंझावला पीड़ित के परिवार को दस लाख मुआवजे की घोषणा

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को बाहरी दिल्ली इलाके में नए साल की सुबह एक कार द्वारा स्कूटी को टक्कर मारने और घसीटने के बाद जान गंवाने वाली लड़की के परिवार के लिए दस लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की। यह घोषणा उन्होंने बुधवार को की। केजरीवाल ने आश्वासन दिया कि परिवार को उनकी बेटी के लिए न्याय मिलेगा। केजरीवाल ने ट्वीट कियाः पीड़ित की मां से बात हुई. बेटी को न्याय दिलाएंगे, बड़े से बड़ा वकील खड़ा करेंगे, उनकी मां बीमार रहती हैं उनका पूरा इलाज कराएंगे , पीड़ित परिवार को दस लाख रुपये का मुआवजा देंगे , सरकार पीड़ित परिवार के साथ है। भविष्य में अगर कोई जरूरत होगी तो हम उसे भी पूरा करेंगे। इस बीच, पुलिस ने बताया कि मृतक लड़की की पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चला है कि मौत का कारण सदमा और सिर, रीढ़, बाएं फीमर और दोनों निचले अंगों में पहले से लगी चोट के कारण रक्तस्राव था। विशेष पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) सागर प्रीत हुड्डा ने कहा कि पीड़िता का पोस्टमॉर्टम नई दिल्ली के मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज (एमएएमसी) में तीन सदस्यीय मेडिकल बोर्ड द्वारा किया गया था।

2023 में शादी के सबसे ज्यादा 15 शुभ मुहूर्त मई में

आरएनएम। वाराणसी

काशी के कथावाचक पंडित जयन्तुजय मिश्रा के अनुसार वर्ष 2023 में शादी के लिए सबसे ज्यादा 15 शुभ मुहूर्त मई में हैं। जनवरी में 9, फरवरी में 12, मार्च में 4 शुभ मुहूर्त हैं। मई में 15, जून में 9 शुभ तिथियां हैं। नवंबर व दिसंबर में 4 शुभ मुहूर्त हैं। खरमास की वजह से जनवरी में 14 तक कोई शुभ मुहूर्त नहीं है। खरमास के बाद दिनांक 15 से विवाह की शहनाइयां गूंजेंगी। जबकि जुलाई, अगस्त, सितम्बर, अक्टूबर में शादी का कोई शुभ मुहूर्त नहीं है।

विवाह की तिथियां

जनवरीः 15, 16, 18, 19, 25, 26, 2, 30, 31

फरवरीः 6, 7, 9, 10, 12, 13, 14, 16, 22, 23, 27, 28

मार्चः 6, 9, 11, 13

मईः 3, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 15, 16, 17, 20, 21, 22, 29, 30

जूनः 1, 3, 5, 6, 7, 11, 12, 23, 26

नवम्बरः 23, 27, 28, 29

दिसम्बरः 6, 7, 9, 15

(जुलाई, अगस्त, सितंबर और अक्टूबर में कोई लग्न नहीं है।)

शंघाई की 70 प्रतिशत आबादी कोरोना संक्रमित

एजेंसी। नयी दिल्ली

चीन में कोरोना वायरस के तेजी से फैलने के कारण आशंका जतायी गयी है कि शंघाई की 70 फीसदी आबादी अब तक इसकी चपेट में आ चुकी होगी। चीन में पिछले महीने कोविड-19 को लेकर लगाई गई पाबंदियों में ढ़ील दिए जाने के बाद संक्रमण के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है। अस्पतालों में मरीजों और श्मशान घाटों पर शवों में संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है। रुइजिन अस्पताल के उपाध्यक्ष एवं शंघाई के कोविड विशेषज्ञ सलाहकार पैनल के सदस्य चेन एर्जेन ने अनुमान लगाया कि शहर के 2.5 करोड़ लोगों में अधिकांश इस जानलेवा विषाणु से संक्रमित हो चुके हैं। उन्होंने चीन की दजियांगडोंग स्टूडियो को बताया : अब शंघाई में महामारी का प्रसार बहुत व्यापक है और यह 70 फीसदी आबादी तक पहुंच चुका होगा। शंघाई में गत अप्रैल से दो महीने के लिए सख्त लॉकडाउन लगाया गया था। इस दौरान 600,000 से अधिक निवासी संक्रमित हुए थे। काफी संख्या में लोगों को क्वारंटीन केंद्रों में रखा गया था। उन्होंने कहा कि शंघाई अस्पताल में प्रतिदिन 1,600 मरीज कैजुअल्टी वार्ड में आ रहे हैं, जो प्रतिबंध हटाए जाने से पहले की तुलना में दोगुनी है। इनमें से 80 फीसदी कोविड रोगी हैं। स्टूडियो ने चेन के हवाले से अपनी रिपोर्ट में कहाः 100 से अधिक एम्बुलेंस हर दिन अस्पताल में आती हैं। लगभग आधे मरीज 65 वर्ष से अधिक आयु के लोग हैं।

शर्मनाक : नशे में धुत्त पैसेंजर ने फ्लाइट में महिला पर कर दिया पेशाब

पेशाब करने वाला नो फ्लाई जोन लिस्ट में

एयर इंडिया ने दर्ज कराई एफआईआर, डीजीसीए लेगा एक्शन

आरएनएम। नयी दिल्ली

एयर इंडिया की फ्लाइट से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। अमेरिका से दिल्ली आ रही फ्लाइट में नशे में धुत एक शख्स ने एक 70 वर्षीय महिला पर पेशाब कर दिया। इस मामले में अब नागरिक उड्डयन महानिदेशालय और एयर इंडिया ने संज्ञान लिया है। डीजीसीए ने कहा है कि एयरलाइन से रिपोर्ट मांगी गई है। लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि 26 नवंबर, 2022 को एयर इंडिया के बिजनेस क्लास में एक महिला सह-यात्री पर नशे में धुत एक पुरुष यात्री ने पेशाब कर दिया। एयर इंडिया ने 26 नवंबर को हुई घटना के संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। एयर इडिया के अधिकारी ने बताया कि ये घटना तब हुई, जब विमान अमेरिका से नई दिल्ली आ रहा था। एयर इंडिया के एक अधिकारी ने कहाः एयर इंडिया ने इस घटना में एक आंतरिक समिति का गठन किया है और पुरुष यात्री को नो-फ्लाई लिस्ट में डालने की सिफारिश की है। मामला सरकारी समिति के अधीन है और फैसले का इंतजार है।

ज्ञात हो कि 26 नवंबर को अमेरिका से दिल्ली आ रही एक फ्लाइट में सवार नशे में धुत्त एक शख्स ने करीब 70 साल की एक महिला यात्री पर पेशाब कर दिया। बुजुर्ग महिला ने इस बारे में केबिन क्रू को बताया, इसके बावजूद उस शख्स को पकड़ा नहीं गया और वो आसानी से एयरपोर्ट से चला गया। सूत्रों के मुताबिक मामले की जांच भी तब शुरू हुई, जब महिला ने टाटा समूह के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन को पत्र लिखा। इस मामले को दबा देने का भरपूर प्रयास किया गया। बुजुर्ग महिला ने अपने पत्र में लिखाः केबिन क्रू इस तरह की दर्दनाक और संवेदनशील स्थिति से निपटने के लिए सक्रिय नहीं था। मुझे क्रू से जवाब पाने के लिए लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा और इस दौरान मुझे अपनी बातों को खुद ही उनके सामने रखना पड़ा।

सोमालिया में धमाके, 9 की मौत

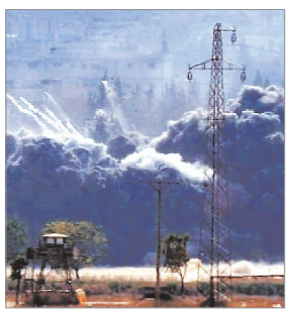

एजेंसी। मोगादिशु

पूर्वी अफ्रीकी देश सोमालिया में दो बड़े कार धमाके हुए। इनमें कम से कम 9 लोगों की मौत हो गई और दो दर्जन से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। समाचार एजेंसी एएफपी के मुताबिक, सोमालिया के सुरक्षा अधिकारियों और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि मध्य सोमालिया के एक कस्बे में बुधवार को हुए कार बम धमाकों में कम से कम 9 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। स्थानीय सुरक्षा अधिकारी अब्दुल्लाही अदन ने एएफपी को बताया कि आतंकवादियों ने बुधवार की सुबह विस्फोटकों से लदे वाहनों से महास कस्बे पर हमला किया। उन्होंने सिविल एरिया को निशाना बनाया और हमने पुष्टि की है कि दो विस्फोटों में नौ लोग मारे गए हैं, इसमें सभी आम नागरिक हैं।

FILMY हलचल

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू करेंगी अनन्या

एजेंसी। मुंबई

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे बहुत जल्द ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू करने जा रही हैं। चंकी पांडे की बेटी अनन्या पांडे जल्द ही एक सीरीज में नजर आनेवाली है। कहा जा रहा है कि अनन्या फिल्मकार करण जौहर के प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बन रही सीरीज का हिस्सा होंगी। इस वेब सीरीज का नाम कॉल मी बे होगा, जिससे अनन्या अपना ओटीटी डेब्यू करेंगी। करण जौहर ने ही अपनी फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर-2 से अनन्या पांडे को लॉन्च किया था और अब करण जौहर की अनन्या पांडे को ओटीटी पर लॉन्च करनेवाले हैं। अनन्या पांडे इस वेब सीरीज में एक अरबपति फैशन ऑइकन का रोल प्ले करेंगी, जिसे एक घोटाले के बाद उसके परिवार ने खुद से दूर कर दिया है। सीरीज कॉल मी बे का निर्देशन कॉलिन डी कुन्हा कर रहे हैं। अनन्या पांडे की आने वाली वेब सीरीज कॉल मी बे को ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजान प्राइम वीडियो पर रिलीज किया जाएगा।

अजीबो-गरीब पाकिस्तान में 19 साल लंबे अंतराल के बाद की गई जनगणना

एक परिवार में तीन भाइयों के हैं कुल 100 बच्चे

एजेंसी। इस्लामाबाद

पाकिस्तान के उत्तर पश्चिम बन्नू में आदिवासी दुश्मनी को लेकर खतरा बना रहता है। इसी जगह पर 57 वर्षीय बन्नू शहर में अपनी तीसरी पत्नी के साथ रहते हैं, जो गर्भवती भी है। पाकिस्तान के बन्नू शहर में रहनेवाले 57 साल के गुलजार खान को 3 बीवियों से 36 बच्चे हैं। इसके अलावा उनके दो और भाइयों के बच्चे को जोड़ने पर कुल बच्चों की संख्या 100 हो गई। पाकिस्तान से ऐसा चौंकाने वाले मामला तब सामने आया, जब वहां 19 साल लंबे अंतराल के बाद जनगणना की गई। ऐसे में तीन आदमी को मिलाकर 100 बच्चे का होना बहुत अजीब बात है।

विशेषज्ञों का कहना है कि बढ़ती आबादी आर्थिक लाभ और सामाजिक सेवाओं को नुकसान पहुंचा रही है। विश्व बैंक और सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पाकिस्तान में प्रति महिला लगभग तीन बच्चों को जन्म देती है, जो पूरे दक्षिण एशिया में सबसे अधिक है। पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति बहुत ही खराब है, ऐसे में ये सारी चीजें बहुत ही सोचने पर मजबूर करती हैं।

क्या कहते हैं गुलजार खान

पाकिस्तान के 36 बच्चों के बाप गुलजार खान कहते हैं कि सारी चीजें ऊपर वाले के हाथ में है। वो सारी जरूरतों को पूरा करेगा। अगर ऊपर वाले ने सारी दुनिया को बनाया है तो मैं बच्चों के जन्म पर रोक कैसे लगा सकता हूं। उनका मानना है कि ऊपर वाला ही सारी मुसीबतों से बचाएगा।

जनसंख्या में हुई बढ़ोतरी

पाकिस्तान के उत्तर पश्चिम बन्नू में आदिवासी दुश्मनी को लेकर खतरा बना रहता है। इसी जगह पर 57 वर्षीय बन्नू शहर में अपनी तीसरी पत्नी के साथ रहते हैं, जो गर्भवती भी है। उन्होंने कहा कि उनके बच्चों को क्रिकेट मैच खेलने के लिए दोस्तों की जरूरत नहीं पड़ती है। उनके 23 बच्चे ऐसे हैं, जो खेल सकते है। पाकिस्तान में आखिरी जनगणना साल 1998 में हुआ था, तब देश की जनसंख्या 135 मिलियन के करीब थी। 19 साल के बाद जनगणना होने के बाद आंकड़ा बढ़ कर 200 मिलियन के करीब हो गया। विशेषज्ञों का मानना है कि जनसंख्या में उछाल आने से परेशानी बढ़ गई है। नौकरियां मिलनी मुश्किल हो गई है। पाकिस्तान में करीब 60 मिलियन लोग गरीबी रेखा से नीचे रहते हैं।

NEWS इन ब्रीफ

नशा मुक्त समाज के निर्माण में हर संभव सहयोग : सांसद

रांची । रांची सांसद संजय सेठ ने जैन मुनि डॉ. ज्ञानेंद्र कुमार महाराज से भेंट की और उनका आशीर्वचन सुना तथा मार्गदर्शन लिया। समाज में बढ़ते नशे की लत को लेकर महाराज जी बहुत चिंतित दिखे। नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए खुद महाराज अभियान चला रहे हैं। रांची सांसद सेठ ने उन्हें इस अभियान में हर संभव सहयोग देने की बात कही।

रिम्स के सुरक्षाकर्मी और ट्रॉली कर्मियों ने किया हड़ताल

रांची। सुरक्षाकर्मी और ट्रॉली कर्मी के हड़ताल पर जाने की वजह से रिम्स की व्यवस्था बुधवार को लगभग अस्त व्यस्त रही। यहां पर कार्यरत सुरक्षाकर्मी और ट्रॉली कर्मी पिछले 4 महीनों से वेतन नहीं मिलने और हटाए जाने की अधिसूचना के विरोध में हड़ताल चले गए। इलाज कराने पहुंचे मरीज और उनके परिजन भटकते दिखे।

केंद्र सरकार की तर्ज पर सरकार ने तय किया होल्डिंग टैक्स

रांची। झारखंड सरकार ने केंद्र सरकार की तर्ज पर राज्य में होल्डिंग टैक्स का निर्धारण किया है। इसी के आलोक में सर्किल रेट भी तय किया गया है। बुधवार को सरकार की ओर से हाईकोर्ट में जवाब दाखिल कर यह जानकारी दी गई। इसके बाद अदालत ने प्रार्थी को सरकार के जवाब पर प्रतिउत्तर देने का निर्देश देते हुए सुनवाई 23 जनवरी को निर्धारित कर दी।
सरकार के होल्डिंग टैक्स बढ़ोतरी के खिलाफ गौरव बागराय ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है।

रणजी ट्रॉफी में झारखंड की स्थिति खराब

रांची। जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम में खेले जा रहे राजस्थान और झारखंड के बीच रणजी ट्रॉफी के मुकाबले का दूसरा दिन खत्म हो गया। दूसरे दिन राजस्थान की टीम ने अपनी पहली पारी में 10 विकेट के नुकसान पर 287 रन बनाये। राजस्थान के कर्ण लांबा ने शानदार 122 रनों की पारी खेली। जबकि यश कोठारी ने अपनी टीम के लिए 52 रनों का योगदान दिया।झारखंड टीम के आशीश कुमार ने 5 विकेट चटकाये। जबकि सुप्रियो ने 3 और नदीम ने 2 विकेट लिये। झारखंड की टीम ने अपनी पहली पारी में 92 रन बनाया था।

उपायुक्त ने प्रखंड का किया दौरा, विभिन्न विकास योजनाओं की ली जानकारी

संबंधित पदाधिकारियों को दिए निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

रांची। उपायुक्त, रांची राहुल कुमार सिन्हा द्वारा बुधवार को बेड़ो प्रखंड क्षेत्र का भ्रमण किया गया। प्रखंड क्षेत्र भ्रमण के दौरान उपायुक्त द्वारा विभिन्न विकास योजनाओं का निरीक्षण करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को उचित व आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गये। उपायुक्त द्वारा बेड़ो बाजार में जिला परिषद मद से 1.33 करोड़ की लागत से बन रहे मार्केटिंग कॉम्प्लेक्स का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के बाद उपायुक्त द्वारा गुणवत्ता और निर्माण कार्य सही से करने का निदेश दिया गया। इसके बाद उपायुक्त द्वारा करंजी डैम का भ्रमण किया गया। यहां उपायुक्त ने सहकारी समिति के अध्यक्ष डेविड तिर्की से मछली पालन की जानकारी ली। डेविड तिर्की द्वारा

बताया गया कि यहां पर 26 सदस्यों की सहयोग समिति है, जिसमें 26 बैटरी है और 50 केज हैं। यहां पंगस एवं मोनोस्ट्रेलिया मछली का पालन किया जा रहा है, यह सहकारी समिति 2016-17 से स्थापित है। उपायुक्त द्वारा सहकारी समिति के सदस्यों को बेहतर ढंग से मछली पालन करने का निर्देश दिया गया। सहयोग समिति द्वारा बरसात में फीड रखने के लिए फीड सिड का निर्माण कराने का आग्रह किया गया जिस पर उपायुक्त ने निर्माण कराने का आश्वासन दिया। करंजी डैम के अवलोकन के बाद उपायुक्त द्वारा बेड़ो प्रखंड स्थित मनरेगा पार्क, ग्राम ईटा का अवलोकन किया गया। जहां पर 29 एकड़ में आम का बागवानी की गई है। इस मनरेगा पार्क में टीसीबी., सिंचाई कूप, दीदी बाड़ी, वर्मी कम्पोस्ट, जलकुंड का निर्माण बेहतर ढंग से किया गया है। यहां 34 लाभुकों के 29 एकड़ में आम का बागवानी की गई है। जहां वर्तमान में कृषक आम बागवानी के साथ-साथ मिक्स क्रॉपिंग के रूप में गेहूं ,मटर सरसों की खेती कर रहे हैं। मिश्रित खेती देख कर उपायुक्त ने प्रसन्नता जाहिर की। मनरेगा पार्क के निरीक्षण के बाद उपायुक्त द्वारा मनरेगा एवं महिला बाल विकास विभाग से निर्मित आंगनबाड़ी केंद्र ईटा का निरीक्षण किया गया। यह आंगनबाड़ी केंद्र 6.63 लाख की लागत से बना है। जिसमें मनरेगा द्वारा 4.63 लाख और समाज कल्याण विभाग द्वारा दो लाख की राशि दी गई है। इस आंगनबाड़ी केंद्र में वर्तमान में 25 बच्चे अपनी प्राथमिक शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। उपायुक्त ने बच्चों के खानपान, उपस्थिति को जांचने के पश्चात निर्देश दिया कि इसमें कम से कम 40 बच्चे नामांकित होने चाहिए।

बनी रहे पारसनाथ की पवित्रता घोषित हो तीर्थ स्थल : चंद्रप्रकाश

नवीन मेल संवाददाता

रांची। गिरिडीह के सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने अपने लोकसभा क्षेत्र के पूरे पारसनाथ पर्वत (सम्मेद शिखरजी) को धार्मिक स्थल घोषित करने की मांग केंद्र सरकार से की है। उन्होंने इसको लेकर केंद्रीय पर्यावरण ,वन एवं जलवायु मंत्री भूपेंद्र यादव को पत्र लिखा है। उन्होंने अपने पत्र में मधुबन क्षेत्र को अन्य धार्मिक नगरों जैसे काशी - विश्वनाथ, अयोध्या, मथुरा व वैष्णो देवी आदि की तरह 5 किलोमीटर के घेरे को शराब, मांस और नशा से मुक्त क्षेत्र घोषित करने के साथ-साथ संपूर्ण तीर्थराज पर्वत को ही पवित्र एवं जैन आस्था का क्षेत्र घोषित करने एवं इको टूरिज्म जोन के स्थान पर पवित्रतम शिखर जी को धार्मिक आध्यात्मिक केंद्र के रूप में पुनर्स्थापित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जैन धार्मिक परंपरा और रीति रिवाज के अनुसार ही पर्वतराज पर पर दर्शन, पूजन एवं भ्रमण

की व्यवस्था हो । सभी तरह की प्रबंधन समितियों में जैन समुदाय का प्रतिनिधित्व हो। उन्होंने देश-विदेश के जैन समाज की भावनाओं और संवेदनाओं पर गंभीरतापूर्वक विचार करने का अनुरोध किया है। उन्होंने केंद्र द्वारा 2 अगस्त 2019 को उस अधिसूचना का जिक्र किया है जिसमें मधुबन में पारसनाथ पहाड़ को वन्य जीव अभ्यारण का एक भाग घोषित कर पारसनाथ वाइल्ड लाइफ सेंचुरी एवं उसकी तलहटी को इको सेंसेटिव जोन घोषित कर दिया गया। उनके अनुसार, इस निर्देश में जैन समूदाय से कोई विचार-विमर्श नहीं किया गया। न ही राष्ट्रीय व स्थानीय अखबारों में इसका गजट प्रकाशन किया गया। उन्होंने पत्र में इस बात का भी उल्लेख किया है कि श्री सम्मेद शिखरजी पारसनाथ पहाड़ जैन धर्म के वर्तमान 20 तीर्थंकर भगवानों की मोक्ष स्थली है। इस पहाड़ पर हजारों वर्षों से जैन समाज के सभी अनुयायी पवित्रता का पालन करते हुए नंगे पांव, शुद्ध वस्त्र पहनकर, वर्ष में अनेक बार 27 किलोमीटर पैदल चलकर पूरे पारसनाथ पहाड़ की वंदना करते हैं और हजारों यात्री पूरे पहाड़ की तलहटी में 58 किलोमीटर परिक्रमा भी करते हैं।

इस लिहाज से हमें जैन समाज की धार्मिक आस्था, पवित्रता एवं गरिमा का ध्यान रखते हुए इस सर्वोच्च तीर्थ स्थल पारसनाथ की पवित्रता को बनाए रखने की जरूरत है।

राज्य सरकार श्री सम्मेद शिखरजी को धार्मिक तीर्थस्थल घोषित करें

नवीन मेल संवाददाता

रांची। पवित्रम गोसेवा परिवार झारखंड के प्रांतीय संयोजक अजय भरतिया एवं प्रांतीय प्रवक्ता संजय सर्राफ ने मधुबन स्थित श्री सम्मेद शिखरजी की धार्मिक गरिमा कायम रखने का अनुरोध किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र प्रेषित कर कहा है कि राज्य सरकार को इस पर पुनर्विचार करना चाहिए। जैन धर्मावलंबियों के पवित्र तीर्थ स्थल श्री सम्मेद शिखरजी मधुबन को पर्यटन स्थल घोषित करने से दुनिया भर में स्थित जैन समाज आहत है। विश्व प्रसिद्ध श्री सम्मेद शिखर जी जैन धर्मावलंबियों का सबसे बड़ा पवित्र तीर्थस्थल है। जैन समाज के 24 तीर्थकरो में से 20 तीर्थकरो ने इस पर्वत पर तपस्या की और मोक्ष प्राप्त किया। इसे पर्यटन स्थल बनाने से पवित्रता भंग होगी। उस क्षेत्र में मांसाहार और शराब सेवन जैसी

अनैतिक गतिविधियां प्रारंभ होने लगेगी। इससे अहिंसक जैन समाज की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि गिरिडीह पारसनाथ पहाड़ी क्षेत्र को पर्यटन घोषित करने से जैन समाज मे निराशा का माहौल है। इसलिए जैन धर्मावलंबियों की वास्तविक मांग पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए श्री सम्मेद शिखरजी को पर्यटन स्थल बनाने पर रोक लगे। इस पवित्र तीर्थ स्थल को धार्मिक तीर्थस्थल घोषित किया जाए। इससे दुनिया भर के जैन समाज के लोगों में सकारात्मक संदेश जायेगा। अगर राज्य सरकार अपने निर्णय को वापस नहीं लेगी तो यह दुर्भाग्यपूर्ण होगा।

रांची में मिनीसो स्टोर का हुआ शुभारंभ

नवीन मेल संवाददाता

रांची। प्लाजा सिनेमा के सामने भगत हाइट्स में जापान की प्रसिद्ध रिटेल कंपनी मिनीसो के नये स्टोर का शुभारंभ बुधवार को हुआ। इस स्टोर का उद्घाटन विधानसभा अध्यक्ष रविंद्रनाथ महतो ने किया। मौके पर विस अध्यक्ष ने कहा कि इस स्टोर से ग्राहकों को उनकी जरूरत की उत्पाद उपलब्ध कराये गये हैं। अब रांची वासियों को इस स्टोर से उनकी जरूरत के उत्पाद मिलेंगे। स्टोर संचालक स्वप्निल सौरभ एवं गीत गौरव ने बताया कि मिनीसो स्टोर में खासतौर से युवा वर्ग को आकर्षित करने वाले गिफ्ट के साथ-साथ रोजमर्रा की जरूरतों की भी विभिन्न सामग्री उपलब्ध है। यहां 99 रुपए से कई सामग्री उपलब्ध है। स्टोर के अन्दर घर की जरुरत की बहुत सी चीज सेल की जाती है है, जैसे रसोई, स्वास्थ्य और सौंदर्य, खिलौने और खेल, खाद्य और पेय, स्टेशनरी, घरेलू सामान, उपहार और सजावट, बाथरूम, रेडी टू वियर आदि की पूरी रेंज उपलब्ध है। संचालक ने बताया कि मिनीसो ब्रांड देश कई बड़े शहरों में काफी प्रचलित है और इसकी बढ़ती मांग और उच्चतम क्वालिटी के प्रोडक्ट को देखते हुए रांची में भी दित्य इंटरप्राइजेज द्वारा लॉन्च किया गया है। उन्होंने बताया कि रांची भी अब बड़े शहरों में शामिल है एवं युवा वर्ग और स्टूडेंट बड़ी संख्या में यहां प्रवास करते है।

भारत जोड़ो यात्रा में प्रदेश अध्यक्ष होंगे शामिल

रांची। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी द्वारा आहूत भारत जोड़ो उपयात्रा गुरुवार को बांका जिले के मन्दार से आरम्भ होगी जिसमें अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष मल्लिकाअर्जुन खड़गे भारत जोड़ो उपयात्रा को उदघाटन करेंगे। इस भारत जोड़ो उपयात्रा में झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राजेश ठाकुर और कृषि मंत्री बादल पत्रलेख, विधायक प्रदीप यादव, विधायक दीपिका सिंह पांडे एवं कांग्रेस के कार्यकर्तागण हजारों की संख्या में अध्यक्ष के नेतृत्व में शामिल होंगे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, लातेहार।
शुद्धि –पत्र

अति अल्पकालिन निविदा आमंत्रण सूचना

संख्या– RWD/SD/LATEHAR/04/2022-23 जिसका PR No-285885(Rural Development) 22-23(D) में निम्न प्रकार आंशिक संशोधित किया जाता है:–

(1) क्रमांक–2. में अंकित परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि–03.01.2023 एवं 04.01.2023 के स्थान पर 09.01.2023 एवं 10.01.2023 पढ़ा जाय।
(2) क्रमांक–4. में अंकित निविदा प्राप्ति की तिथि–06.01.2023 के स्थान पर 11.01.2023 पढ़ा जाय।
(3) क्रमांक–6. में अंकित निविदा खोलने की तिथि–06.01.2023 के स्थान पर 11.01.2023 पढ़ा जाय।
(4) क्रमांक–10. के क्रम संख्या 01 से 05 तक में निविदा शूल्क 5000.00 के स्थान पर 1250.00 एवं
क्रम संख्या–06 में निविदा शूल्क 5000.00 के स्थान पर 2500.00 पढ़ा जाय।

अन्य शर्तें पूर्ववत रहेगी।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल,
लातेहार।

PR 286611 Rural Development(22-23)D

सुरेंद्रनाथ सक्सेना की स्मृति में काव्य संध्या का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। श्री साहित्य कुंज रांची के तत्वावधान में कविवर सुरेंद्र नाथ सक्सेना की स्मृति काव्य संध्या आयोजित की गई। कविवर सुरेंद्र के नौजर कटरा, दीवान मुहल्ला, पटना सिटी स्थित जन्म स्थान पर आयोजित इस काव्य संध्या की अध्यक्षता देश के जाने-माने गजलकार प्रेम किरण ने की। मुख्य अतिथि के रुप में बिहार राज्य गीत के रचयिता कविवर सत्यनारायण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संयोजन कमलनयन श्रीवास्तव ने किया और मंच संचालन कवि पीयूष कांति ने किया।

Office of the Nagar Parishad, Lohardaga

E-Procurement Notice
NIT No: LNP/14/2022-23
Corrigendum
{PR 284687 Lohardaga 22-23 (D)}

Name of Work:- Construction & Commissioning of Fecal Sludge Treatment Plant of Capacity 21 KLD at Lohardaga town (Jharkhand) followed by Operation and Maintenance including desludging operations for 5 years.

Si No.	Particulars	Date	Corrigendum Date
1	Bid submission end date	03.01.2023 up to 05:00 PM	09.01.2023 up to 05:00 PM
2	Last day for the submission of Bid Security, cost of bid document	04.01.2023 up to 03:00 PM	10.01.2023 up to 03:00 PM
3	Bid opening date (online)	04.01.2023 up to 04:30 PM	10.01.2023 up to 05:00 PM

Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Executive Officer
Nagar parishad Lohardaga

PR 286623 Lohardaga (22-23)_D

कार्यालय :– जिला कृषि पदाधिकारी, पलामू
मेदिनीनगर, पलामू, पिन – 822101

आवश्यक सूचना
झारखण्ड कृषि ऋण माफी

पलामू जिले के किसान भाईयो का कृषि ऋण माफ किया जा रहा है।
दिनांक 09.01.2023 (सोमवार) से प्रत्येक प्रखण्डो के प्रज्ञा केन्द्रों मे विशेष शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर में कृषि ऋण माफी का कार्य किया जाएगा।
जिन किसान भाई का कृषि ऋण माफ नहीं हुआ है वें अपना e-KYC प्रज्ञा केन्द्र में कराना सुनिश्चित करेंगें।

- इस योजना के लाभुक झारखण्ड राज्य के सभी रैयत/गैर रैयत होंगें, जो झारखण्ड राज्य स्थित किसी भी बैंक से फसल अल्पावधि ऋण (के०सी०सी०) लिए हो।
- इस योजना में 31.03.2020 तक के मानक फसल ऋण बकाया खातों में रू० 50,000/– तक की बकाया राशि माफ की जाएगी।
- इस योजना का कार्यान्वयन प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (DBT) के माध्यम से होगा।
- इस योजना में एक परिवार के एक ही सदस्य को लाभ मिलेगा, जिसका सत्यापन किसी भी प्रकार के राशन कार्ड से किया जा सकेगा।
- आवेदन के लिए आवेदक से 1.00 रू० सेवा शुल्क के रूप में प्राप्त किया जाएगा।

विश्वासभाजन
जिला कृषि पदाधिकारी,
पलामू

PR 286637 (Agriculture)22-23*D

पृष्ठ एक के शेष

तीन महिला नक्सली समेत आठ ने...
पूर्ति उर्फ रोशनी पूर्ति शामिल है। बुधवार को आठों माओवादियों ने आईजी अभियान अमोल वी होमकर, रांची जोन के आईजी पंकज कंबोज, डीआईजी अनूप बिरथरे व सीआरपीएफ के अधिकारियों के समक्ष सरेंडर कर दिया।

मारक दस्ता के सदस्यों को माओवादियों के चप्पे-चप्पे की जानकारी : सरेंडर के दौरान मीडिया से बात करते हुए आईजी अभियान अमोल वी होमकर ने बताया कि माओवादियों के खिलाफ लगातार चल रहे अभियान व माओवादी संगठन के बीच अंदरूनी शोषण के कारण मारक दस्ता के सदस्यों ने सरेंडर किया। सरेंडर करनेवाले माओवादियों को मिसिर बेसरा, पतिराम मांझी के दस्ता सदस्यों के विषय में पूरी जानकारी है। साथ ही उन्हें कोल्हान, पौड़ाहाट के सुदूर जंगलों की चप्पे-चप्पे की जानकारी है। जयराम के खिलाफ पुलिस मुखबिरी के आरोप में हत्या, उग्रवादी कांड के तकरीबन 11 एफआईआर चाईबासा के अलग-अलग थानों में दर्ज हैं। वहीं, सरिता के खिलाफ चाईबासा, सरायकेला में छह, सोमवारी के खिलाफ कुचाई व टोकलो में दो, मारतम अंगरिया के खिलाफ पांच, तुंगीर पूति के खिलाफ एक, पातर कोड़ा के खिलाफ दो मामले दर्ज हैं। वहीं, कुसनू सिरका उर्फ कार्तिक सिरका तीन साल से अनमोल और सुरेश मुंडा के दस्ते में सक्रिय रहा था, जबकि संजू भी अनमोल के टीम की सदस्य थी।

अमित शाह छह को...
प्रवास पर रहेंगे। यह जानकारी पार्टी के प्रदेश महामंत्री एवम सांसद आदित्य साहू ने दी। साहू ने बताया कि डॉ. वाजपेयी अपने संगठनिक प्रवास के क्रम में सांसद, विधायक, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, मंडल अध्यक्ष, पूर्व मंडल अध्यक्ष, जिलों में निवास करने वाले प्रदेश पदाधिकारी, नगर निकायों के महापौर, उप महापौर, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सभी मोर्चों के जिलाध्यक्ष, महामंत्री के साथ बैठक को संबोधित करेंगे। वहीं. डॉ वाजपेयी मंडल कार्यसमिति, मंडल के सभी सात मोर्चों के अध्यक्ष, महामंत्री, शक्ति केंद्र संयोजक, सह संयोजक के साथ मंडल में निवास करनेवाले प्रदेश स्तरीय कार्यकर्ताओं की बैठक में भी शामिल होंगे। आदित्य साहू ने बताया कि डॉ. वाजपेयी का प्रवास 7 जनवरी को लातेहार, 8 जनवरी को पलामू, 9 जनवरी को गढ़वा और 10 जनवरी को चतरा में निर्धारित है।

आतंकी हमले के इनपुट के बाद...
हमले के बारे में खुफिया जानकारी के बीच गृह मंत्रालय द्वारा हाल ही में जारी एक आदेश के बाद यह कदम उठाया गया है। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के ऊपरी डांगरी गांव में रविवार शाम और सोमवार सुबह हुए दो अलग-अलग आतंकी हमलों में दो बच्चों सहित छह लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। ताजा आतंकी हमले में राजौरी के ऊपरी डांगरी गांव में सोमवार सुबह एक संदिग्ध इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) विस्फोट के बाद दो बच्चों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। एडीजीपी मुकेश सिंह ने लोगों को सतर्क किया, क्योंकि राजौरी शहर से लगभग आठ किलोमीटर दूर ऊपरी डांगरी गांव के पास एक और संदिग्ध आईईडी देखा गया था। अधिकारियों ने बताया कि धमाका उस घर के पास हुआ जहां रविवार शाम को हुई गोलीबारी की घटना में चार नागरिकों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। रविवार शाम से आतंकियों द्वारा किए गए दो आतंकी हमलों में करीब एक दर्जन लोगों के घायल होने की खबर है।

Office of the Nagar Panchayat Hussainabad

E-Procurement Notice
NIT No: NPH/10/SBD/2022-23

Sr. No.	Particulars	Details
1.	Name of Work	Construction & Commissioning of Fecal Sludge Treatment Plant of Capacity 10 KLD at Hussainabad town (Jharkhand) followed by Operation and Maintenance including desludging operations for 5 years
2.	Estimated Cost (INR)	Construction Cost: ₹ 2,19,36,142 Operation & Maintenance Cost: ₹ 1,21,77,720 Total: ₹ 3,41,13,862
3.	Bid Security (INR)	₹ 3,41,140/-. (Rupees Three Lakhs Forty-One Thousand One Hundred Forty Only)
4.	Cost of Bid Document (INR)	₹ 10,000/- (Rupees Ten Thousand Only); non-refundable
5.	Time of Completion	1 year of construction which comprises 9 months ofconstruction and 3 months of defect liability period including one month of trial run and 5 years of O&M post DLP
6.	Date of e-publication of tender	31.12.2022 03:00 PM
7.	Document downloading start Date	31.12.2022 03:00 PM
8.	Bid submission end date	20.01.2023 05:00 PM
9.	Last day for the submission of Bid Security, cost of bid document	21.01.2023 Till 05:00 PM
10.	Bid opening date (online	24.01.2023
11.	Mode of Submission of Bids	e-tendering (https://Jharkhandtenders.gov.in)
12.	Name &Address of office Inviting Tender	Executive Officer, Nagar Panchayat Hussainabad.
13.	Helpline Number	7091335901 , 7070832962

Note: Only e-Tender will be accepted
Complete bid document is available on website http://jharkhandtenders.gov.in)

Executive Officer
Nagar Panchayat Hussainabad

PR 286614 District (22-23)_D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल सं0–02, गढ़वा।
अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना
ई–निविदा सूचना संख्या–RWD/SD/GARHWA/13/2022-23

1.कार्य की विस्तृत विवरणी:

क्र.सं.	कार्य का नाम	प्रशासनिक स्वीकृति की राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	गढ़वा जिला अंतर्गत केतार प्रखण्ड के ग्राम सिंहपुर में पण्डा नदी (देवी धाम) के पास पुल निर्माण।	4,93,15,500.00	9,86,500.00	10000.00	18 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 03.01.2023
3. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय – 19.01.2023 अपराह्न 5:00 बजे तक।
4. कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल सं0–02, गढ़वा/मुख्य अभियंता कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रक्षेत्र, एफ.एफ.पी. भवन, राँची में निविदा शुल्क, अग्रधन की राशि, Bank Credit Certificate एवं Affidavit जमा करने की तिथि एवं समय 20.01.2023 अपराह्न 5:00 बजे तक।
5. निविदा खोलने का स्थान – मुख्य अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रक्षेत्र, एफ.एफ.पी. भवन, राँची।
6. निविदा खोलने की तिथि एवं समय –21.01.2023 अपराह्न 2:00 बजे।
7. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल सं0–02, गढ़वा।
8. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 7004019730
9. निविदा शुल्क राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा निर्गत ड्राफ्ट या बैकर्स चेक जो कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल सं0–02, गढ़वा के पदनाम से देय हो देना होगा।
10. प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल सं0–02, गढ़वा।

PR 286675 Rural Development(22-23)D

NEWS इन ब्रीफ

उमरान ने स्पीड से लंकाई कप्तान को किया हैरान

मुंबई। श्रीलंका के खिलाफ वानखेड़े में मंगलवार को पहले टी-20 में भारत ने दो रन से शानदार जीत दर्ज की, तो कई खिलाड़ियों ने प्रदर्शन से चर्चा बटोरी। इन सबके बीच जम्मू एक्सप्रेस उमरान मलिक ने भी वह असर छोड़ ही दिया, जिसके लिए वह जाने जाते हैं। जब वह आखिरी ओवरों में बॉलिंग के लिए आए तो चौथी गेंद पर मलिक ने शनाका को चौंका दिया। दरअसल 17वें ओवर की जिस चौथी गेंद पर शनाका आउट हुए, वह मैच की सबसे तेज गेंद रही। इस गेंद के साथ मलिक ने 155 किमी की रफ्तार का छुआ।

राफेल नडाल तीन सेट में हारे

मेलबर्न। 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैम्पियन राफेल नडाल को नए सीजन में लगातार दूसरे मुकाबले में हार झेलनी पड़ी। यूनाइटेड कप में ऑस्ट्रेलिया ने स्पेन को 3-2 से हराया। स्पेन अपने ग्रुप में सबसे नीचे है, जबकि ऑस्ट्रेलिया दूसरे नंबर पर पहुंच गई है। पुरुष सिंगल्स में स्पेन के नडाल को पहला सेट जीतने के बाद भी हार झेलनी पड़ी। उनको ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनौर ने तीन सेट में 6-3, 1-6, 5-7 से हराया। दोनों खिलाड़ी चौथी बार आमने-सामने हुए थे। मिनौर की यह नडाल के खिलाफ पहली जीत है।

बकिंघम ने मुंबई सिटी के साथ अनुबंध बढ़ाया

मुंबई। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) टीम मुंबई सिटी एफसी ने घोषणा की कि मुख्य कोच डेस बकिंघम ने क्लब के साथ अपने अनुबंध में विस्तार किया है। अनुबंध में दो साल के विस्तार के बाद बकिंघम 2024-25 सत्र के अंत तक टीम के साथ जुड़े रहेंगे। बकिंघम अक्टूबर 2021 में मुंबई सिटी से जुड़े था। वह इससे पहले सिटी फुटबॉल ग्रुप की एक अन्य टीम मेलबर्न सिटी के सहायक कोच थे।

लाबुशेन और ख्वाजा ने जड़ा अर्धशतक

सिडनी। मार्नस लाबुशेन और उस्मान ख्वाजा के अर्धशतक से ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट के खराब मौसम से प्रभावित पहले दिन बुधवार को यहां दो विकेट पर 147 रन बनाए। लाबुशेन (79) और ख्वाजा (नाबाद 54) ने दूसरे विकेट के लिए 135 रन की साझेदारी की। ऑस्ट्रेलिया ने दिन की आखिरी गेंद पर लाबुशेन का विकेट गंवाया।

कार्तिक वेंकटरमन बने नेशनल चैम्पियन

नयी दिल्ली। आंध्र प्रदेश के ग्रांड मास्टर कार्तिक वेंकटरमन एमपीएल 59वे नेशनल सीनियर शतरंज के खिताब को जीतने में सफल रहे है। अंतिम राउंड में उन्होने रेल्वे के विशाख एनआर से सफेद मोहरो से बाजी ड्रॉ खेलते हुए 10 अंक बनाकर राष्ट्रीय चैंपियनशिप का स्वर्ण पदक हासिल किया। इससे पहले 12वें राउंड में उन्होने एक दिन पहले ही ग्रांड मास्टर बने पश्चिम बंगाल के कौस्तुब चटर्जी को पराजित करते हुए एकल बढ़त बनाकर अपना दावा मजबूत कर लिया था।

अंतिम सफर : महान फुटबॉलर के अंतिम दर्शन के लिए उमड़े लाखों लोग

ब्राजील में दुनिया के सबसे बड़े 10 मंजिला कब्रिस्तान में हुआ पेले का अंतिम संस्कार

24 घंटे के अंदर 2.3 लाख लोगों ने पेले के अंतिम दर्शन किए

एजेंसी। सैंटोस

महान फुटबॉलर पेले का मंगलवार की रात सैंटोस में दुनिया के सबसे बड़े 10 मंजिला कब्रिस्तान में अंतिम संस्कार किया गया। इससे पहले 24 घंटे के अंदर 2.3 लाख लोगों ने पेले के अंतिम दर्शन किए। पेले का पार्थिव शरीर मंगलवार शाम को सैंटोस स्टेडियम से कब्रिस्तान मेमोरियल नेक्रोपोले एक्यूमेंनिका पहुंचाया गया। शहर में पेले के तबूर को ब्राजील के झंडे से साथ ले जाया गया।

सैंटोस स्टेडियम से मेमोरियल तक पूरे रास्ते में पेले को लोगों ने श्रद्धांजलि दी। पेले को उनकी मां ने भी देखा। पेले का शव उनके घर से होते हुए गया। वहां उनकी मां ने परिवार के साथ पेले को श्रद्धांजलि दी। पेले को मेमोरियल को नेक्रोपोल एक्यूमेनिका

वर्टिकल कब्रिस्तान में ले जाया गया है। यह कब्रिस्तान वर्टीकल यानी एक बिल्डिंग की तरह है। यहां पेले की आखिरी इच्छा स्वरुप उन्हें नौवीं मंजिल पर दफनाया जाएगा। पेले के पिता को भी यहीं दफनाया गया था। मेमोरियल की नौवीं मंजिल से सैंटोस स्टेडियम की पिच नजर आती है।

पेले की मां को नहीं थी निधन की खबर

पेले की मां को नहीं पता था कि उनके बेटे की मृत्यु हो गई है। इस बात का खुलासा उनकी बहन ने किया। पेले की मां सेलेस्टे अभी-अभी 100 साल की हुईं। उनकी देखभाल बेटी मारिया लूसिया डो नैसिमेंटो करती हैं। पेले की बहन ने अपनी मां को नहीं बताया कि उनका बेटा कैंसर से जंग हार गया। पेले की मां बेड रेस्ट पर हैं और वे उठ नहीं सकतीं। पेले के कॉफिन को उनके घर से होते हुए ले जाया गया, जहां पेले की मां ने अपने बेटे को अंतिम विदाई दी।

अक्षर पटेल को आखिरी ओवर देने पर हार्दिक बोले- हम हार सकते थे मैच

आखिरी गेंद पर जीता भारत, सांस थामने वाले मैच के रोमांच की पूरी कहानी

आखिरी ओवर में भारत को 13 रन बचाने थे, हार्दिक ने खुद नहीं की बॉलिंग

एजेंसी। मुंबई

तीन मैचों की सीरीज के पहले टी-20 में श्रीलंका पर शानदार जीत के बाद भारत के स्टैंड-इन कप्तान हार्दिक पंड्या ने कुछ हैरान करने वाले बयान दिए। कप्तान रोहित शर्मा, पूर्व कप्तान विराट कोहली और केएल राहुल जैसे बड़े खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में हार्दिक पंड्या कप्तानी कर रहे हैं। पहले टी-20 मुकाबले में भारत ने वानखेड़े स्टेडियम में एशिया कप की विजेता श्रीलंका को 2 रन से हरा दिया। मैच रोमांच आखिरी गेंद तक था। पंड्या ने मेजबान टीम के लिए गेंदबाजी आक्रमण की शुरूआत की, जबकि युवा

खिलाड़ी शिवम मावी वानखेड़े स्टेडियम में जबरदस्त प्रदर्शन किया। हालांकि, आखिरी ओवर में जब श्रीलंका को 13 रन बनाने थे तो हार्दिक ने खुद ओवर नहीं करते हुए अक्षर पटेल को गेंद पकड़ा दी। भारत ने यह मैच रोमांचक अंदाज में 2 रन से जीता। अक्षर को आखिरी ओवर दिए जाने को लेकर जब पंड्या से सवाल किया गया तो उन्होंने हैरान करने वाली वजह बताई।

उन्होंने कहा- हम गेम हार सकते थे, लेकिन यह ठीक है। मैं इस टीम को कठिन परिस्थितियों में रखना चाहता हूं, क्योंकि इससे हमें बड़े गेम में मदद मिलेगी। द्विपक्षीय मैचों में हम बहुत अच्छे हैं और इस तरह हम खुद को चुनौती देने जा रहे हैं। ईमानदारी से कहूं तो आज सभी युवा खिलाड़ियों ने हमें इस स्थिति से बाहर निकाला। स्पिनर अक्षर ने अंतिम ओवर में 13 रनों का बचाव किया और भारत ने शानदार जीत से सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली।

मध्यक्रम के बल्लेबाज दीपक हुड्डा (41*) के साथ ऑलराउंडर अक्षर (31*) ने मिलकर बैटिंग में धमाल किया था। इन दोनों के दम पर ही भारत 20 ओवरों में 5 विकेट पर 162 रन तक पहुंच सका था।

सीरीज के पहले मैच में भारत के प्रदर्शन पर कार्यवाहक कप्तान पंड्या ने तेज गेंदबाज मावी की भी तारीफ की, जिन्होंने वानखेड़े में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया। उन्होंने डेब्यू मैच में 4 विकेट झटके। उमरान मलिक और हर्षल पटेल ने भी 2-2 विकेट झटके। उन्होंने मावी के बारे में कहा- मैंने उसे (मावी) आईपीएल में अच्छी गेंदबाजी करते देखा है और मुझे पता है कि उसकी ताकत क्या है। मैंने कहा बस अपने आप को समझो और रनों की चिंता मत करो। मैंने उसे सिर्फ गेंदबाजी करने के लिए कहा। मैंने उससे कहा- मैं आपका समर्थन कर रहा हूं। अगर यही स्थिति रही तो मैं नई गेंद लूंगा। पंड्या एंड कंपनी गुरुवार को पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट असोसिएशन स्टेडियम में दूसरे टी-20 में दासुन शनाका की अगुवाई वाली टीम से भिड़ेगी।

भुवनेश्वर पहुंची नीदरलैंड की टीम

भुवनेश्वर। एफआईएच ओडिशा पुरुष हॉकी विश्व कप की शुरुआत में अब जब 9 दिन बाकी हैं तब नीदरलैंड की टीम बुधवार को भुवनेश्वर पहुंच गई। नीदरलैंड की पुरुष हॉकी टीम बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर पहुंची जहां उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। टूर्नामेंट 13 से 29 जनवरी तक ओडिशा में होगा। भारतीय टीम सबसे पहले 27 दिसम्बर को ओडिशा पहुंची थी। फिलहाल टीम राउरकेला के बिरसा मुंडा स्टेडियम में अभ्यास कर रही है। तीन बार के विश्व चैंपियन नीदरलैंड को मलेशिया, न्यूजीलैंड और चिली के साथ पूल सी में रखा गया है। नीदरलैंड अपना पहला मैच 14 जनवरी को राउरकेला के बिरसा मुंडा स्टेडियम में मलेशिया के खिलाफ खेलेगा। पत्रकारों से बात करते हुए नीदरलैंड के कप्तान थिएरी ब्रिंकमैन ने कहा कि हम यहां आकर बहुत खुश हैं, हमारे पास यहां की अच्छी यादें हैं...चार साल पहले, वास्तव में एक अच्छा टूर्नामेंट खेला था। उम्मीद है कि हम इस टूर्नामेंट में भी अच्छा खेलेंगे। उन्होंने कहा कि यहां के दर्शक बहुत दोस्ताना हैं। इस टूर्नामेंट में कुछ अच्छी टीमें खेलेंगी हैं जैसे बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, भारत के अलावा जर्मनी और अर्जेंटीना।

मावी का पर्दापण, पहले ही मैच में झटके चार विकेट

पर्दापण करनेवालों में तीसरे सबसे सफल गेंदबाज बने

एजेंसी। मुंबई

श्रीलंका के खिलाफ अपने करियर के पहले मैच में भारत के तेज गेंदबाज शिवम मावी का शानदार पर्दापण रहा। उन्होंने महज 22 रन देकर 4 विकेट लिए। इसके साथ ही उन्होंने डेब्यू पर बेस्ट बॉलिंग के रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराया। मावी भारत के लिए सबसे सफल डेब्यू के मामले में तीसरे स्थान पर आ गए हैं। सबसे सफल डेब्यू बरिंदर सरन (4/10) का रहा है। इस मामले में पूर्व भारतीय स्पिनर प्रज्ञान ओझा (4/21) दूसरे नंबर पर हैं।

शिवम मावी ने मैच के बाद कहा, पहले ओवर में पथुम निसांका को इन स्विंग गेंद पर बोल्ड करना उनका बेस्ट विकेट था। शुरुआती 2 ओवर में 2-2 चौके पड़े। इसके बाद अगली ही बॉल पर विकेट मिला। हर चौके के बाद हार्दिक पंड्या लगातार मोटिवेट कर रहे थे। हार्दिक बोल रहे थे कि बैटर ने अच्छे शॉट मारे हैं। अपनी लाइन पर ध्यान दे और बॉलिंग कर। मैंने भी वैसे ही किया और विकेट मिले।

सूर्यकुमार यादव का सबसे कम स्ट्राइक रेट : मैच में सूर्यकुमार यादव ने नया रिकॉर्ड बनाया। सूर्यकुमार यादव ने एक टी-20 पारी में अपने करियर का सबसे कम स्ट्राइक रेट दर्ज कराया। सूर्यकुमार यादव ने 70 के स्ट्राइक से बल्लेबाजी करते हुए 10 बॉल में 7 रन बनाए। 10 या उससे ज्यादा बॉल खेलने के बाद यह उनके टी-20 इंटरनेशनल का सबसे कम स्ट्राइक रेट है। इससे पहले पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप में सूर्यकुमार ने 18 बॉल पर 100 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए थे। इसके अगले ही मैच में श्रीलंका के खिलाफ सूर्या ने 29 बॉल पर 117 के स्ट्राइक रेट 34 रन बनाए थे। इसके अलावा सूर्यकुमार ने जब भी 10 या उससे ज्यादा खेलीं, तब उनका स्ट्राइक रेट 130 से ज्यादा ही रहा है।

हार्दिक की कप्तानी में भारत अजेय : हार्दिक पंड्या की कप्तानी में भारत अब तक एक भी मैच नहीं हारा है। हार्दिक की कप्तानी में भारत ने 6 मैच खेले है। इनमें से 5 मैच टीम ने जीते और एक मैच बारिश के कारण टाई रहा। श्रीलंका के खिलाफ सीरीज के 2 मैच में बाकी है। हार्दिक अपनी कप्तानी में टीम इंडिया को दोनों मैच जिताकर अपना रिकॉर्ड बरकरार रखना चाहेंगे।

लगातार छठी बार श्रीलंका के खिलाफ घर में जीते : श्रीलंका के खिलाफ भारत लगातार छठी बार घर में टी-20 इंटरनेशनल मैच जीता है। श्रीलंका ने भारत के खिलाफ कुल 15 मैच खेले इनमें से भारत ने 12 और श्रीलंका ने 2 मैच जीते। एक मैच बेनतीजा रहा। आखिरी बार टी-20 इंटरनेशनल में श्रीलंका ने भारत को 2016 में हराया था।

विश्व कप 2023 में अहम भूमिका निभाएंगे कोहली और रोहित : गंभीर

एजेंसी। कोलकाता

पूर्व भारतीय क्रिकेटर गौतम गंभीर ने कहा है कि अक्टूबर में शुरू होने वाले एकदिवसीय विश्व कप 2023 में विराट कोहली और रोहित शर्मा भारत के लिये अहम भूमिका निभायेंगे। गंभीर ने स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम रोड टू वर्ल्ड कप ग्लोरी पर एकदिवसीय विश्व कप में भारतीय टीम के चयन को लेकर चर्चा करते हुए कहा कि बीसीसीआई को सबसे पहले ऐसे खिलाड़ियों को पहचानने की जरूरत है जो निडर रवैये के साथ खेल सकते हैं। उन्होंने कहा कि एकदिवसीय क्रिकेट में हर तरह के खिलाड़ी की जरूरत होगी, ऐसे खिलाड़ियों की भी जो पिच पर टिककर खेल सकते हैं।

विश्व कप 2011 जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे गंभीर ने कहा : खिलाड़ियों की भूमिका बदलने से भी खेल पर प्रभाव पड़ा है। मुझे हमेशा लगता है कि जब हम इस नये रवैये के

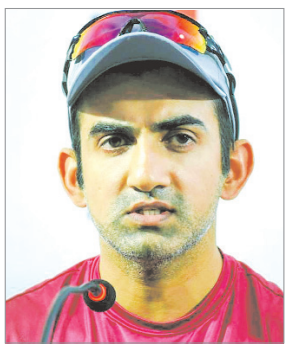

बारे में बात करते हैं, तो आपको ऐसे खिलाड़ियों की पहचान करनी होगी जो उन भूमिकाओं या उस खाके को बहुत आसानी से अपना सकते हैं। कुछ लोग उस खाके के अनुकूल नहीं खेल सकते, इसलिये उन्हें एक निश्चित तरीके से खेलने के लिये धकेलने के बजाय सही खिलाड़ियों की पहचान करना और साथ ही टीम में सही मिश्रण हासिल करना बहुत जरूरी है।

गंभीर ने कहा : मुझे लगता है कि विराट कोहली, रोहित शर्मा और वे सभी खिलाड़ी जो विकेट पर टिक सकते हैं और स्पिन को वास्तव में अच्छी तरह से खेल सकता है, वह आने वाले विश्व कप में बड़ी भूमिका निभाएंगे। गंभीर ने यह भी कहा कि भारत को एकदिवसीय विश्व कप को ध्यान में रखते हुए इस साल ज्यादा से ज्यादा वनडे क्रिकेट खेलना चाहिए। उन्होंने कहा : इस साल जरूर वनडे पर ध्यान देना चाहिये। तीन से ज्यादा प्रारूप खेलनेवाले खिलाड़ी अगर ब्रेक लेना चाहें तो टी-20 क्रिकेट से ब्रेक जरूर ले सकते हैं, लेकिन वनडे फॉर्मेट से तो बिल्कुल नहीं। उन्हें एक साथ खेलना है। मुझे लगता है कि पिछले दो विश्व कप में भारतीय क्रिकेट ने सबसे बड़ी गलती यह की है कि इन लोगों ने एक साथ पर्याप्त क्रिकेट नहीं खेली है। मुझे बताओ कि हमने मैदान में कितनी बार सर्वश्रेष्ठ एकादश उतारी है? हमने ऐसा नहीं किया, केवल विश्व कप के दौरान हमने सर्वश्रेष्ठ एकादश रखने का फैसला किया, लेकिन दुर्भाग्य से वह कभी भी सर्वश्रेष्ठ एकादश नहीं रही।

पंत के घुटने का होगा ऑपरेशन

एयरलिफ्ट कर ले जाया गया मुंबई, कोकिलाबेन अस्पताल में होगा इलाज

एजेंसी। देहरादून

सड़क हादसे में घायल क्रिकेटर ऋषभ पंत को देहरादून से एयरलिफ्ट कर मुंबई ले जाया गया। यहां कोकिलाबेन अस्पताल में उनका आगे का इलाज होगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बयान जारी कर कहा है कि अस्पताल के स्पोर्ट्स मेडिसिन एंड ऑर्थोस्कोपी हेड डॉक्टर दिनशॉ पारदीवाला की देखरेख में पंत का ट्रीटमेंट होगा। डॉ. पारदीवाला इससे पहले सचिन तेंदुलकर, युवराज सिंह, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा जैसे क्रिकेटर्स का इलाज कर चुके हैं। बीसीसीआई ने यह भी बताया है कि पंत के घुटने के लिगामेंट की सर्जरी की जाएगी। पंत की रिकवरी और इसके बाद रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया पर बोर्ड की टीम नजर रखेगी। 30 दिसम्बर को कार एक्सीडेंट में घायल होने के बाद से पंत को पहले रुड़की के सक्षम हॉस्पिटल में इमरजेंसी ट्रीटमेंट दिया गया। इसके बाद से उनका इलाज देहरादून के मैक्स हॉस्पिटल में चल रहा था।

बीसीसीआई उठाएगा एयर लिफ्टिंग का खर्च

भारतीय बोर्ड ने बताया कि पंत के इलाज का खर्च उनके मेडिकल इन्शोरेंस से कवर होगा। वहीं, देहरादून से मुंबई एयरलिफ्ट किए जाने का खर्च बोर्ड उठाएगा। बीसीसीआई ने इस मामले में अब तक पंत का इलाज करने वाले उत्तराखंड के दोनों अस्पतालों की सराहना की है लेकिन पंत का आगे का इलाज वह अपने एक्सपर्ट्स की देखरेख में कराना चाहता था।

टेंडर जारी | **कंपनियां 21 जनवरी तक खरीद सकेंगी डॉक्यूमेंट**

महिला आईपीएल टीमों की होगी नीलामी

एजेंसी। मुंबई

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने महिला आईपीएल की टीमों को बेचने के लिए टेंडर आमंत्रित किए है। 2023 में पहली बार महिला आईपीएल का आयोजन किया जाएगा। इससे पहले बोर्ड टीमों की नीलामी करेगा। बोर्ड ने जो सूचना जारी की है उसके मुताबिक टीम खरीदने की इच्छुक कंपनियों को टेंडर डॉक्यूमेंट्स खरीदने होंगे। इस डॉक्यूमेंट के लिए कंपनियों को 5 लाख रुपए की नॉन रिफंडेबल राशि देनी होगी। डॉक्यूमेंट खरीदने की आखिरी तारीख 21 जनवरी, 2022 है। डॉक्यूमेंट खरीदने के बाद कंपनियों को पेमेंट डिटेल्स भेजना है। बोर्ड ने यह भी साफ किया है कि टेंडर डॉक्यूमेंट खरीदने का यह मतलब नहीं है कि सिर्फ

इसके आधार पर बोली में भागीदारी की इजाजत मिल जाएगी। बोर्ड पहले सभी कंपनियों की योग्यता को परखेगा और इसके बाद ही बोली में हिस्सा लेने की इजाजत होगी। पांच टीमों की नीलामी इसी तरीके से होगी। एक टीम का बेस प्राइस 400 करोड़ रुपए होगा। बोर्ड को उम्मीद है कि हर टीम के एवज में उसे 1000 से 1500 करोड़ रुपए के बीच राशि मिलेगी।

मार्च से शुरू होगा महिला आईपीएल : महिला आईपीएल यानी विमेंस इंडियन प्रीमियर लीग मार्च 2023 में आयोजित होगी। 26 फरवरी को साउथ अफ्रीका में महिला टी-20 वर्ल्ड कप के ठीक बाद इस टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा। विमेंस आईपीएल का पहला सीजन 2 वेन्यू पर खेला जाएगा। 22 मैचों के इस मेगा इवेंट में हर टीम के पास 18 प्लेयर होंगे। वहीं, विदेशी खिलाड़ियों की संख्या 6 रखी गई है। पांच खिलाड़ी से ज्यादा विदेशी खिलाड़ी प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं होंगे।

कारवां फॉर्मेट में होंगे मैच : विमेंस आईपीएल कारवां फॉर्मेट में हो सकता है। कारवां फॉर्मेट यानी एक ही शहर में वहां होने वाले सारे मैच खेले जाएंगे। फिर वहां से दूसरे शहर के लिए साड़ी टीमें रवाना होंगी। कोविड के दौरान 2021 में इसी तरह से आईपीएल हुआ था। जब आईपीएल टीमें यूएई गई थी। टूर्नामेंट के सारे मैच दो वेन्यू पर होंगे। पहला हाफ एक जगह और दूसरा हाफ दूसरे वेन्यू पर खेला जाएगा।